मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	34.9	29.4
जमशेदपुर	36.3	27.7
डालटनगंज	38.4	26.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, रविवार 30 जून 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 08 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 82 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND
सत्यमेव जयते

1 जुलाई 2024 से देश में लागू होने वाले नए कानूनी प्रावधानों को जानें

सजग नागरिक बनें

न्याय की नई परिभाषा

श्री चम्पाई सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

आप कहीं से भी किसी भी थाने में जाकर FIR दर्ज करवा सकते हैं, वहां से संबंधित थाने में इसे भेज दिया जाएगा। **आप ऑनलाइन या ई-मेल से भी प्राथमिकी दर्ज करवा सकते हैं।**

प्राथमिकी के बाद **अनुसंधान में क्या प्रगति हुई है, इसकी जानकारी जांच अधिकारी को पीड़ित या सूचक को देनी होगी।** पहले थाने में जाकर जानकारी लेनी पड़ती थी।

संगठित अपराध, झपटमारी और मॉब लिंचिंग को भी नए अपराध में शामिल किया गया है। छोटे अपराधों के लिए सीधे जेल की जगह आरोपी से सामाजिक/सामुदायिक सेवा करने का भी दण्ड दिया जा सकता है।

पहले जहां अपराध के बाद केवल दण्ड आधारित न्याय व्यवस्था थी, वहीं **अब दण्ड की जगह न्याय व्यवस्था पर जोर है** यानी दण्ड ही केवल ना हो, यह ज्यादा महत्वपूर्ण हो कि पीड़ित को न्याय भी मिले।

18 साल से कम आयु की महिला के साथ **सामुहिक दुष्कर्म के अपराधियों को मृत्युदण्ड भी दिया जा सकता है।** जबकि 18 साल से अधिक आयु की महिला के साथ सामुहिक दुष्कर्म के अपराधियों को 20 साल से आजीवन कारावास तक की सजा दी जा सकती है।

नए कानूनी प्रावधानों के अनुसार, **महिला से विवाह करने के झूठे वचन देकर शारीरिक संबंध बनाने के दोषी के लिए अब 10 वर्ष तक की सजा है।** दुष्कर्म पीड़िता का मेडिकल रिपोर्ट अब चिकित्सक को 7 दिन के भीतर देने होंगे।

नए कानूनी प्रावधानों में बालक (child) को परिभाषित किया गया है जो IPC में नहीं था। **महिला एवं बालकों के विरुद्ध अपराध को लिंग तटस्थ (Gender Neutral) बना दिया गया है, इसमें उभयलिंगी (Transgender) को भी सम्मलित किया गया है।**

आपराधिक न्याय प्रणाली की दिशा में तीन नए आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) लागू होंगे...
ये कानून भारतीय दंड संहिता (IPC), दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC) और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम के स्थान पर लागू होंगे।

इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के व्यापक इस्तेमाल पर जोर दिया गया है, **इसमें ऑडियो-वीडियो संसाधनों के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक सूचना माध्यम का भी इस्तेमाल किया जा सकेगा।**

समन, तामिला का सबूत, दस्तावेजी समन के लिए इलेक्ट्रॉनिक सूचना माध्यम का प्रयोग एवं **साक्ष्य केवल लिखित नहीं, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक साधनों जैसे: ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग कर रखा जा सकेगा।**

तलाशी या जब्ती की प्रक्रिया में **ऑडियो-वीडियो संसाधनों का भी इस्तेमाल किया जा सकेगा।** इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख या रिकॉर्ड को विधिक दस्तावेज के रुप में मान्यता होगी।

फोरेंसिक जांचकर्ता को **अपराध स्थल पर जाकर साक्ष्य संकलन करने की बाध्यता होगी।** चिकित्सक अभियुक्त का जैविक परीक्षण कर चिकित्सीय साक्ष्य एकत्रित करेंगे ।

नए कानूनी प्रावधानों के तहत अब **कम समय में अनुसंधान और न्यायिक प्रक्रिया सम्पन्न करने की व्यवस्था है।**

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

सीता सोरेन और समीर उरांव से मिले असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, कई मुद्दों पर किया विचार मंथन

हर दिन कई लोग जेल जाते हैं, कइयों को बेल भी मिलती है : हिमंता

■ कार्यकर्ताओं ने हिमंता का किया स्वागत

प्रमुख संवाददाता। रांची

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने हेमंत सोरेन की बेल पर कहा है कि हर दिन कई लोग जेल जाते हैं और हर दिन कई लोगों को बेल मिलती है. इसका अकाउंटिंग करना भाजपा का काम नहीं है. यहां तो भ्रष्टाचार चरम पर है. आपराधिक घटनाएं बढ़ी हैं. पेपर लीक हो रहे हैं. झारखंड में हुए लोकसभा चुनाव में लोगों ने भाजपा के पक्ष में वोट देकर आखिर क्या मैसेज दिया. लोगों ने बताया कि वह यहां की सरकार से खुश नहीं है. हिमंता एक दिवसीय दौरे पर शनिवार को झारखंड पहुंचे. उन्होंने कहा कि संथाल में घुसपैठ और लव जिहाद पर रोक लगाना भाजपा की प्राथमिकता है. कोई गलत तरीके से घुसपैठ कर यहां की आदिवासी लड़कियों से शादी न करे. इसे रोकना है. भाजपा के मैनिफेस्टो में इस मुद्दे को शामिल किया जाएगा.

हिमंता बिस्व सरमा के साथ सीता सोरेन, अमर बाउरी, दीपक प्रकाश.

सीता सोरेन और समीर उरांव से की मुलाकात

रांची पहुंचते ही हिमंता बिस्वा सरमा ने सीता सोरेन से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की. हिमंता के साथ नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश मौजूद थे. इसके बाद लोहरदगा सीट से भाजपा के उम्मीदवार रहे समीर उरांव से मुलाकात की. बताते चलें कि सीता सोरेन ने अपनी हार के लिए भाजपा के बड़े नेताओं व विधायक को जिम्मेदार ठहराया है. उन्होंने भाजपा की पूर्व मंत्री लुईस मरांडी व सारठ विधायक रणधीर सिंह पर विश्वासघात करने का आरोप लगाया है. सीता सोरेन ने कहा था कि चुनाव में भाजपा संगठन की जो मजबूती है, वह देखने को नहीं मिली. भाजपा के कार्यकर्ता मनमानी पर उतर आये थे.

जनजाति समाज के नेताओं से मुलाकात की : असम के सीएम सह झारखंड विधानसभा के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्व सरमा से शनिवार को प्रदेश भाजपा के जनजाति समाज के नेताओं से मुलाकात की. इस कड़ी में हिमंता ने मधु कोड़ा, गीता कोड़ा, समीर उरांव, अरूण उरांव, सीता सोरेन से उनके आवास में मिले. हिमंता बिस्व सरमा के साथ प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सांसद दीपक प्रकाश, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी भी उपस्थित रहे.

अलकतरा घोटाला

कोर्ट ने तीन इंजीनियरों को तीन-तीन साल की सजा सुनायी

संवाददाता। रांची

सड़क निर्माण विभाग के इंजीनियरों और ठेकेदारों की मिलीभगत से लाखों रुपये के सरकारी राशि का गबन करने से जुड़े 25 साल पुराने मामले में रांची सीबीआई कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है. अलकतरा घोटाले के नाम से चर्चित इस मामले में कोर्ट ने तीन इंजीनियरों को तीन-तीन साल की सजा सुनवाई है. साथ ही अदालत ने ट्रायल फेस कर रहे तीनों आरोपियों जूनियर इंजीनियर विवेकानंद चौधरी, कुमार विजय शंकर (दोनों सेवानिवृत्त) और बिनोद कुमार मंडल पर 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया है. तीनों पर आरईओ वर्क्स डिवीजन रांची में पदस्थापित रहते हुए पद का दुरुपयोग करते हुए आपराधिक षड्यंत्र के तहत लाखों रुपये की सरकारी राशि का गबन करने का आरोप है.

1992 से 1997 तक जारी रहा अलकतरा घोटाला

अलकतरा घोटाला साल 1992-93 से लेकर 1997 तक जारी रहा. घोटाला की जानकारी मिलने के बाद इसकी जांच सीबीआई से करायी गयी. सीबीआई ने इस मामले में छह दिसंबर 1999 को प्राथमिकी दर्ज की थी. आरोपियों ने 12 अलग-अलग सड़कों की मरम्मत का कार्य दिखाकर अलकतरा की मांग की और सड़कों की मरम्मत किये बिना अलकतरा के लिए आवंटित राशि की निकासी कर ली. सीबीआई के मुताबिक, लगभग 1500 मिट्रिक टन अलकतरा आईओसीएल से ट्रांसपोर्टर के माध्यम से आरोपियों ने प्राप्त किया. अलकतरा लाने वाले को ट्रांसपोर्टर चालान भी दिया. लेकिन स्टॉक रजिस्टर में प्राप्ति से काफी कम मात्रा दिखायी गयी.

हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने पर केंद्रीय सरना समिति ने खुशियां मनाईं

विजय जुलूस निकाला

बिरसा चौक पर भगवान बिरसा को नमन करने के दौरान हेमंत व कल्पना सोरेन.

संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के जेल से बाहर निकलने पर आदिवासी समाज में खुशी की लहर है. केंद्रीय सरना समिति से जुड़े सैकड़ों लोग रांची विश्वविद्यालय में एकत्र हुए. सभी पारंपरिक वेशभूषा में थे. सभी ढोल नगाड़ा बजाते हुए अलबर्ट एक्का चौक पहुंचे. जहां एक-दूसरे के बीच लड्डू बांटे अतिशबाजी की गयी. इसके बाद सभी नाचते-गाते सीएम हाउस पहुंचे. जहां समिति के सदस्यों ने पूर्व सीएम को माला पहनायी. सरना वस्त्र और बुके देकर स्वागत किया. इस मौके पर सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में समिति भाजपा को उखाड़ फेंकने का काम करेगी.

उन्होंने कहा कि आदिवासी मुख्यमंत्री को झूठे आरोप में फंसाया गया था. उन्हें षड्यंत्र के तहत पांच महीने तक जेल भेज दिया गया. शुक्रवार को न्याय पालिका ने उन्हें निर्दोष मान कर बेल दिया. जुलूस में शामिल लोगों ने कहा कि पूर्व सीएम को जमीन मामले में झूठे आरोप लगा कर फंसाया गया था.

केंद्रीय सरना समिति के सदस्यों ने विजय जुलूस निकाल खुशी मनाई.

हेमंत सोरेन की सरकार आदिवासियों की सरकार है. उन्होंने हमेशा आदिवासियों का साथ दिया है. मौके पर रूपचंद्र खेवट,अजीत उरांव, मानु तिग्गा, करमा लिंडा, शिवशंकर मुखर्जी, मुन्ना टोप्पो, अजय कच्छप, गायना कच्छप, प्रफुल्ल लिंडा, शुभानी तिग्गा, अनिल मुखिया, सीता उरांव, सुनिता कच्छप समेत अन्य उपस्थित थे.

मोटरसाइकिल से पहुंचे सीएम आवास, झूमे-नाचे

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की रिहाई पर झामुमो के केंद्रीय सचिव सह हजारीबाग जिला संयोजक संजीव बेदिया के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ता मोटरसाइकिल से मुख्यमंत्री आवास पहुंचे और जमकर ढोल-नगाड़े के साथ मंदार की थाप पर झूमे नाचे. संजीव बेदिया ने बताया कि हेमंत सोरेन की जेल जाने के बाद कोई भी पर्व त्योहार नहीं मना रहे थे. वहीं, आने वाले विधानसभा चुनाव में फिर से एक बार हेमंत सरकार का नारा को बुलंद करने का ऐलान किया.

पूर्व मंत्री के ओएसडी की बेल पर अब छह जुलाई को सुनवाई

संवाददाता। रांची

टेंडर घोटाला के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के ओएसडी संजीव लाल की जमानत याचिका पर शनिवार को सुनवाई हुई. इस दौरान ईडी ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा. जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया और मामले की अगली सुनवाई के लिए 6 जुलाई की तिथि निर्धारित की. बता दें कि संजीव लाल ने रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में अपने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत याचिका दाखिल की है. संजीव लाल के सहायक जहांगीर के घर से ईडी ने 35.23 करोड़ कैश बरामद किये थे. वहीं संजीव लाल के करीबी बिल्डर मुन्ना सिंह के घर से एजेंसी ने तीन करोड़ बरामद किये थे. इसी केस में एजेंसी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को भी गिरफ्तार कर चुकी है.

राज्य के सभी सरकारी सेवकों को देना होगा संपत्ति का ब्योरा

- राज्य सेवा के अफसरों को पांच साल की परफॉरमेंस रिपोर्ट जमा करनी होगी

रवि भारती। रांची

झारखंड सरकार के सभी सरकारी सेवकों (ग्रुप डी को छोड़कर) को अपनी चल-अचल संपत्ति का ब्योरा देना होगा. कार्मिक विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि सरकारी सेवकों को एचआरएमएस पोर्टल के जरिए 15 जुलाई तक संपत्ति का विवरण जमा करना अनिवार्य है. वहीं राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों को वर्ष- 2019-20, 2020-21, 2021-22 एवं 2022-23 का परफॉरमेंस स्वमूल्यांकन प्रतिवेदन जमा करना होगा. इसमें प्रतिवेदक पदाधिकारियों के स्तर से ऑनलाइन रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून रखी गयी है, जबकि समीक्षा पदाधिकारियों के स्तर से ऑनलाइन मूल्यांकन की अंतिम तिथि 10 जुलाई और स्वीकरण पदाधिकारियों के स्तर से ऑनलाइन मूल्यांकन की अंतिम तिथि 20 जुलाई रखी गयी है.

रिपोर्ट जमा नहीं करने पर प्रोन्नति से हो सकते हैं वंचित

सरकारी सेवकों और राज्य सेवा के अफसरों द्वारा तय समय सीमा के अंदर रिपोर्ट जमा नहीं करने पर राज्य सरकार की ओर से मिलने वाले आर्थिक लाभ से वे वंचित हो जा सकते हैं. साथ ही प्रोन्नति में भी पेंच फंस सकता है. मिली जानकारी के अनुसार सरकार के इस आदेश के बाद सरकारी सेवक और राज्य सेवा के अफसर एचआरएमएस पोर्टल पर विवरण जमा करने में लगे हुए हैं. बताते चलें कि राज्य प्रशासनिक सेवा के सभी अधिकारियों को हर तीन साल पर यह ब्योरा जमा करना होता है. लेकिन कई अधिकारियों ने राज्य सरकार को अपनी संपत्ति के बारे में कोई सूचना पिछले कुछ वर्षों से नहीं दी है.

सीएम से मिले पोटका के विधायक संजीव सरदार

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से शनिवार को पोटका विधायक संजीव सरदार ने मुलाकात की. इस अवसर पर मुख्यमंत्री को विधायक संजीव सरदार ने पोटका की विभिन्न जनसमस्याओं से अवगत कराते हुए समस्याओं के निराकरण का आग्रह किया. मुख्यमंत्री से उन्होंने पूर्वी सिंहभूम जिले में क्षेत्रीय भाषा के संवर्द्धकरण के लिए विद्यालयों में मास्टर चयन प्रक्रिया की विसंगतियों को दूर करने का भी आग्रह किया.

सीएम से मिले टाटा मोटर्स के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से शनिवार को टाटा मोटर्स (कमर्शियल व्हीकल बिजनेस यूनिट) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर गिरिश वाघ ने मुलाकात की. इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया गया है.

मंथन : तीन नये कानूनों पर की गयी गहन चर्चा

कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करते न्यायिक पदाधिकारी.

- रांची सिविल कोर्ट के सभी न्यायिक पदाधिकारी रहे मौजूद

संवाददाता। रांची

देश में एक जुलाई से तीन नये आपराधिक कानून (भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम) लागू होने वाले हैं. रांची के जज कॉलोनी स्थित मल्टी पर्पस हॉल में झारखंड न्यायिक अकादमी के दिशा-निर्देश पर शनिवार को बैठक कर इन तीनों आपराधिक कानून पर गहन चर्चा की गयी. इस बैठक की अध्यक्षता रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे ने की. बैठक में उपस्थित सभी न्यायिक पदाधिकारियों को 10 अलग-अलग समूहों में बांटा गया था और सभी को नये कानून से संबंधित एक-एक खंड दिया गया था. जिस पर न्यायिक पदाधिकारियों ने गहन मंथन किया और उक्त विषय पर अपने-अपने मंतव्य देकर एक-दूसरे से जानकारी साझा की. इसके अलावा सर्वोच्च न्यायालय के दो महत्वपूर्ण निर्णयों पर भी चर्चा की गयी, जिनमें टरसेम लाल बनाम डायरेक्टोरेट इंफोरर्समेंट और जलंधर जोनल ऑफिसर व बाबू साहेबागौड़ा बनाम स्टेट ऑफ कर्नाटक है. अभियुक्तों के कोर्ट में बेल एवं उनकी उपस्थिति से संबंधित प्रावधानों पर चर्चा की गयी. न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय ने भी न्यायिक पदाधिकारियों को नये आपराधिक कानून के बदले हुए प्रवधानों के बारे में विस्तार से बताया.

नौ अफसरों का तबादला, संदीप कुमार बने झारखंड के नए खेल निदेशक

संवाददाता। रांची

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार और राज्यभाषा विभाग के नौ अफसरों का तबादला किया गया है. इससे संबंधित नोटिफिकेशन शुक्रवार को जारी की गयी. खेलकूद, पर्यटन कला संस्कृति एवं युवा कार्य विभाग का नया निदेशक बोकारो के डीडीसी संदीप कुमार को बनाया गया है. वहीं सुशांत गौरव का पदस्थापन किसी भी विभाग में नहीं किया गया है. बता दें कि सुशांत गौरव उद्योग विभाग के निदेशक के अतिरिक्त प्रभार पर भी है.

जानें किसका कहां हुआ तबादला

- बोकारो डीडीसी संदीप कुमार को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक निदेशक खेलकूद, पर्यटन कला संस्कृति एवं युवा कार्य विभाग के पद पर पदस्थापित.
- संयुक्त सचिव झारखंड लोक सेवा आयोग इश्तियाक अहमद को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक डीडीसी पाकुड़ के पद पर पदस्थापित.
- संयुक्त सचिव अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग, कल्याण विभाग के मो. शब्बीर अहमद को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक डीडीसी पलामू के पद पर पदस्थापित.
- संयुक्त सचिव, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के गिरिजा शंकर प्रसाद को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक डीडीसी बोकारो के पद पर पदस्थापित.
- भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, सिमरिया (चतरा) के बिनोद प्रजापति को सेवा राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, झारखंड, रांची से वापस लेते हुए अगले आदेश तक अवर सचिव, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग, कल्याण विभाग, झारखंड, रांची के पद पर पदस्थापित.
- अवर सचिव, योजना एवं विकास विभाग के रवि प्रकाश को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अपने वेतनमान में अपर नगर आयुक्त आदित्यपुर नगर निगम के पद पर पदस्थापित.
- अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर के अनंत कुमार को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अपर नगर आयुक्त चास नगर निगम के पद पर पदस्थापित.
- अपर समाहर्त्ता साहिबगंज के पद पर पदस्थापित राज महेश्वरम को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अपर समाहर्त्ता, गढ़वा के पद पर पदस्थापित.
- प्रखंड विकास पदाधिकारी, पदमा (हजारीबाग) के पद पर पदस्थापित मृत्युंजय कुमार की सेवा ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड, रांची से वापस लेते हुए अगले आदेश तक कार्यपालक दंडाधिकारी, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के पद पर पदस्थापित.

क्लासिफाइड

प्रदर्शन

आजसू का हल्ला बोल कार्यक्रम जारी, नेताओं और कार्यकर्ता ने कहा-

हर योजना में गड़बड़ी, अफसरों की मनमानी चरम पर

प्रमुख संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी ने सरकारी योजनाओं में गड़बड़ी और सत्ता- सिस्टम की मनमानी के खिलाफ चौथे दिन भी हल्ला बोल कार्यक्रम जारी रखा. अलग-अलग जगहों पर कार्यकर्ताओं ने भ्रष्टाचार के खिलाफ नारेबाजी की और पब्लिक के काम को लेकर सरकार का ध्यान खींचा. कार्यकर्ताओं ने कहा कि सबसे ज्यादा प्रखंड और अंचल कार्यालयों में नौकरशाही- बिचौलिया गंठजोड़ के चलते आम आदमी को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. अफसरों ने हर काम के लिए रेट फिक्स कर रखा है. अबुआ आवास योजना में पारदर्शिता नहीं है और यह योजना बाबूगीरी की भेंट चढ़ रही है. छात्रों को जाति, आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अफसरों तथा कर्मचारियों के सामने चिरौरी करनी पड़ती है.

आजसू के हल्ला बोल कार्यक्रम में शामिल नेता व कार्यकर्ता.

सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं में अनियमितता व्याप्त : सामाजिक सुरक्षा की तमाम योजनाओं में अनियमितता व्याप्त है. न समय पर राशन मिलता है और न ही जरूरतमंदों को पेंशन. सरकार की किसी भी योजना पर पकड़ नहीं है और सब कुछ झूठे वादे, कोरी घोषणाएं की होड़ मची है. आजसू कार्यकर्ताओं ने कहा कि जो सरकार लोगों को पीने का पानी तक मुहैया कराने में विफल है, वह झारखंड का हितैषी होने के दावे करती रही है। लूट और करप्शन का पैसी नीचे से ऊपर तक बंट रहा है और आम आदमी अपने हक अधिकार के लिए पिस रहा है. हल्ला बोल कार्यक्रम के तहत देवघर जिला के प्रखंड मनोहरपुर, प. सिंहभूम के प्रखंड खुटपानी, गुमला जिला के प्रखंड चैनपुर, धनबाद जिला के प्रखंड बलियापुर समेत कई प्रखंडों में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ पार्टी पदाधिकारियों द्वारा ज्ञापन सौंपा गया.

खास बातें

- पूरे राज्य में आजसू हल्ला बोल कार्यक्रम कर रही है
- राज्य सरकार की विफलता को कर रही है उजागर

विधानसभा चुनाव में जदयू भी ठोकेगा ताल, हुआ फैसला

रांची। झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव में जदयू भी ताल ठोंकेगी. शनिवार को दिल्ली में जदयू की हुए राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में यह फैसला लिया गया. बैठक में जदयू के चुनाव लड़ने के प्रस्ताव पर सहमति बनी. कहा गया कि झारखंड में पहले भी जदयू के उम्मीदवार उतरे हैं और जीते भी हैं. झारखंड की उन सीटों को चिन्हित करने की बात कही गयी, जहां प्रत्याशी उतारने की संभावना सबसे ज्यादा है, उसके बाद रणनीति बनाकर आगे तैयारी में जुटने की बात कही गयी, बताते चलें कि संजय झा को जदयू का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है, उनके नाम का प्रस्ताव नीतीश कुमार खुद लेकर आए, जिसपर पार्टी के सभी नेताओं ने अपनी सहमति दी.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

रांची, रविवार 30 जून 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 08 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 82

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एक राज्य - एक अखबार

शुभम संदेश

टी-20 वर्ल्ड कप

भारत 17 साल बाद विश्व विजेता

किंग कोहली ने कहा टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा

ब्रिजटाउन। आईसीसी खिताब के लिए भारत का 11 साल का लंबा इंतजार विराट कोहली के बल्ले से निकली आग और रोहित शर्मा की कूल कप्तानी के दम पर खत्म हुआ जब दक्षिण अफ्रीका को बेहद रोमांचक मैच में सात रन से हराकर सितारों से सजी इस टीम ने टी20 विश्व कप जीत लिया. पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में अधूरा रहा सपना आखिरकार वेस्टइंडीज में पूरा हुआ तो रोहित की टीम के साथ टीवी के आगे नजरें गड़ाये बैठे भारतीय क्रिकेटप्रेमियों की आंखें भी छलछला गई. जीत के नायक रहे विराट कोहली ने फाइनल में प्लेयर आफ द मैच का पुरस्कार जीतने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया. कोहली ने कहा, अब नयी पीढी के लिए कमान संभालने का समय है. हम हारते तो भी मैं यह घोषणा करने वाला था.

हरहाल में जीतना चाहते थे: रोहित

ब्रिजटाउन। टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भरी आंखों से भावुक टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि हम सभी लोग हरहालत में ये मैच जीतना चाहते थे. हम एक-दूसरे के साथ फाइनल मुकाबले की आखिरी बॉल पर मैदान पर डटे रहे. भाग्य भी हमारे ऊपर मेहरबान रहा. पिछले तीन-चार साल के बारे में कहना बहुत मुश्किल है. हमने एक टीम के रूप में बहुत मेहनत की है. विराट के फॉर्म को लेकर हमें किसी को संदेह नहीं था. बड़े मौके पर बड़े खिलाड़ी अच्छा खेलते हैं.

17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप जीता, रोहित की टीम ने साउथ अफ्रीका को 7 रन से हराया

अजेय भारत विराट जीत

एजेंसी। ब्रिजटाउन

विजय मुकुट हासिल हुआ संघर्षों से गुजरकर, आज जश्न का दिन है। रोहित सेना ने बारबाडोस की धरती पर झंडा गाड़ दिया। फहरा दिया तिरंगा। 17 साल बाद भारत टी20 विश्व कप में विश्व विजेता बना है। आखिरी ओवर की आखिरी गेंद तक चले रोमांचक की पराकाष्ठा वाले मुकाबले में टीम इंडिया ने वो कर दिखाया, जिसका सपना 140 करोड़ भारतीयों ने दखा था। भारतीय टीम 2007 में एमएस धोनी की कप्तानी में चैंपियन बनी थी। उसके बाद से न जाने किसकी नजर लग गई थी, लेकिन इस बार 2023 में टूटे दिलों को फिर जोड़ दिया। वो करिश्मा कर दिया, जिसकी जरूरत थी। जैसे ही भारत विश्व विजेता बना यहं भारत में आकाश आतिशबाजियों से रंग गया।

साउथ अफ्रीका मैच में आगे चल रहा था, लेकिन...

बैटिंग पिच 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। उसे हेंड्रिक्स के रूप में पहला झटका लगा, जिसे जसप्रीत बुमराह ने अपने अंदाज में 4 रन पर बोल्ड किया। इसके बाद कप्तान एडेन मार्करम को अर्शदीप सिंह ने पंत के हाथों 4 रनों के निजी स्कोर पर लपकवाया। हालांकि, यहां से स्टब्स ने 21 गेंदों में 31 रन की पारी खेलकर टीम को 70 रनों तक पहुंचा दिया। उन्होंने अक्षर पटेल की गेंद पर बोल्ड होने से पहले 3 चौके और एक छक्का मारा।

आखिरी 3 ओवर में पलट गया मैच, विश्व विजेता बना भारत

लंबे समय से मैदान पर अड़े क्विंटन डि कॉक को 39 रनों के निजी स्कोर पर अर्शदीप सिंह ने चलता किया, लेकिन इसके बाद जो तूफान आया तो उसे रोक पाना मुश्किल हो गया। हेनरिक्स क्लासेन ने अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को जमकर निशाना बनाया और सिर्फ 23 गेंदों में 2 चौके और 5 छक्के उड़ाते हुए हाफ सेंचुरी पूरी कर डाली। हालांकि, 17वें ओवर में हार्दिक पंड्या ने क्लासेन को आउट कराते हुए मैच में जान डाल दी। इसके बाद अर्शदीप ने कमाल किया तो आखिरी ओवर में हार्दिक पंड्या की गेंद पर सूर्या ने डेविड मिलर का करिश्माई कैच लपका, जो शायद क्रिकेट इतिहास का सबसे मुश्किल कैच है। उपकप्तान हार्दिक ने आखिरी ओवरों में 16 रन बचाते हुए भारत को जीत दिला दी।

...और भर आयीं मिलर की आंखें

176 रन बनाये भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए

169 रन ही बना सकी लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम

प्लेयर ऑफ द मैच : विराट कोहली

प्लेयर ऑफ द सीरीज : जसप्रीत बुमराह

भारत की जीत के हीरो

विराट कोहली	अक्षर पटेल	शिवम दुबे	हार्दिक पंड्या	जसप्रीत बुमराह	अर्शदीप सिंह
76 रन	47 रन	27 रन	3 विकेट	2 विकेट	2 विकेट
गेंद : 59, चौका : 6, छक्का : 2	गेंद : 31, चौका : 1, छक्का : 4	गेंद : 16, चौका : 3, छक्का : 1	ओवर :3 , मेडन :0, रन : 20	ओवर :4 , मेडन :0, रन : 18	ओवर :4 , मेडन :0, रन : 20

रोहित सेना ने बारबाडोस की धरती पर गाड़ दिया झंडा, फहरा दिया तिरंगा

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	बॉल	4	6
रोहित शर्मा का क्लासेन बो महाराज	9	5	2	0
विराट कोहली का रबाडा बो जेनसन	76	59	6	2
ऋषभ पंत का डिकॉक बो महाराज	0	2	0	0
सूर्यकुमार का क्लासेन बो रबाडा	3	4	0	0
अक्षर पटेल रन आउट	47	31	1	4
शिवम दुबे का मिलर बो नॉर्किया	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या नाबाद	5	2	1	0
रविंद्र जडेजा का महाराज बो नॉर्किया	2	2	0	0

अतिरिक्त : छह रन

कुल योग : 20 ओवर में सात विकेट पर 176 रन

विकेट पतन : 23-1, 23-2, 34-3, 106-4, 163-5,174-6, 176-7, **गेंदबाजी** : जेनसन 4-0-49 -1, महाराज 3-0-23-2, रबाडा 4-0-36-1, माक्ररम 2-0-16-0, नॉर्किया 4-0 26-2, शम्सी 3-0-26-0

दक्षिण अफ्रीका	रन	बॉल	4	6
रीजा हेंडरिक्स बो बुमराह	4	5	1	0
डिकॉक का कुलदीप बो अर्शदीप	39	31	4	1
एडेन माक्ररम का पंत बो अर्शदीप	4	5	1	0
ट्रिस्टन स्टब्स बो पटेल	31	21	3	1
हेनरिच क्लासेन का पंत बो पंड्या	52	27	2	5
डेविड मिलर का यादव बो पंड्या	21	17	1	1
मार्को जेनसन बो बुमराह	2	4	0	0
केशव महाराज नाबाद	2	7	0	0
कैगिसो रबाडा का यादव बो पंड्या	4	3	1	0
एनरिच नॉर्किया नाबाद	1	1	0	0

अतिरिक्त : नौ रन, **कुल योग** : 20 ओवर में आठ विकेट पर 169 रन, **विकेट पतन** : 7-1, 12-2, 70-3, 106-4, 151-5, 156-6, 161-7, 168-8, **गेंदबाजी** : अर्शदीप 4-0-20-2, बुमराह 4-0-18-2, पटेल 4-0-49-1, कुलदीप 4-0-45-0, पंड्या 3-0-20-3, जडेजा, 1-0-12-0

टीम इंडिया हो गई मालामाल

- टी-20 वर्ल्डकप 2204 की प्राइज मनी
- विजेता (भारत) : करीब 20 .36 करोड़ रुपए
- उप-विजेता (साउथ अफ्रीका) : 10 .64 करोड़ रुपए
- सेमीफाइनलिस्ट : 6 .54 करोड़ रुपए
- दूसरे राउंड से बाहर होने पर : 3 .17 करोड़ रुपए
- 9वें से 12वें स्थान वाली टीम : 2 .05 करोड़ रुपए
- 13वें से 20वें स्थान वाली टीम : 1 .87 करोड़ रुपए
- पहले और दूसरे राउंड में जीत : 25 .89 लाख रुपए

- टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए कुल 11 .25 मिलियन डॉलर (लगभग 93 .51 करोड़ रुपए) की प्राइज मनी तय की गई थी . टी20 वर्ल्डकप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम को लगभग 20 .36 करोड़ रुपए (2 .45 मिलियन डॉलर) मिले . टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में पहली बार विजेता टीम को इतनी राशि मिली .

टीम इंडिया को बधाइयों का तांता

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के लिए दिल से बहुत बहुत बधाई टीम इंडिया. आपने बेहद रोमांचक मुकाबले में जिस तरह जीत दर्ज की, उस पर पूरे देश को गर्व है. टूर्नामेंट में सारे मैच जीत कर आपने जिस तरह फाइनल में ट्राफी अपने नाम की, काबिलेतारीफ है. वेल डन टीम इंडिया. हमें आप पर गर्व है. **- द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति**

हमारी टीम शानदार अंदाज में टी-20 विश्व कप लेकर आई. हमें आप पर गर्व है. भारतीय क्रिकेट टीम ने विश्व कप तो जीता ही साथ में करोड़ों भारतीयों का दिल भी जीता है. यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है कि आपने एक भी मैच नहीं हारा. आप पर पूरे देश को नाज है. **- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

टी20 विश्व कप में अद्भुत प्रदर्शन करके जीत दर्ज करने के लिए बधाई हो टीम इंडिया. पूरे टूर्नामेंट में आप का प्रदर्शन लाजवाब रहा. सूर्या वाह, आपने क्या कैच पकड़ा ! रोहित यह जीत आपके बेहतरीन नेतृत्व की बदौलत संभव हुई. **- राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष**

टी 20 विश्व कप का खिताब जीतने पर टीम इंडिया को हार्दिक बधाई. आपने पूरे देश को जश्न मनाने का मौका दिया. हमें आप पर गर्व है **-चंपाई सोरेन, सीएम झारखंड**

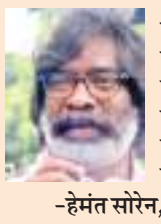

शाबाश टीम इंडिया, पूरे देश को आप सब पर गर्व है हमने फिर कर दिखाया. हम वर्ल्ड चैंपियन बन गए हैं. आप सबको बधाई **-हेमंत सोरेन, पूर्व सीएम झारखंड**

प्रचार-प्रसार: चंपाई सरकार ने कसी कमर, राज्य की प्रगति को देशव्यापी बनाने की पहल

ट्रेनों में दिखेंगी झारखंड की जनकल्याणकारी योजनाएं, एजेंसियों से मांगे आवेदन

खास बातें

- सूचना विभाग से 5 जुलाई तक मांगे गए आवेदन
- सरकार को उम्मीद, देश में जानकारी पहुंचाना लाभप्रद

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ट्रेनों के माध्यम से अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाएगी. सरकार ने भारत के प्रमुख ट्रेनों के अंदर एवं बाहर योजनाओं एवं उपलब्धियों का प्रचार करने की योजना तय की है. इसके लिए उसने पहल भी कर दी है. सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने इस काम के लिए योग्य एजेंसियों से निर्धारित फॉर्मेट में पांच जुलाई की दोपहर तीन बजे तक आवेदन मंगाए हैं. सभी प्राप्त आवेदनों को इसी दिन खोला भी जाएगा. वैसे पिछले वर्ष अगस्त 2023 से ही इस तरह की पहल सीमित स्तर पर की जा चुकी है.

राज्य सरकार को उम्मीद है कि देशभर में चलने वाली प्रमुख ट्रेनों की मदद से अपनी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना लाभदायक होगा. अपने राज्य के ऐसे लोग जो दूसरे राज्यों में हैं, उन तक सूचनाएं पहुंचेंगी तो वे राज्य वापस लौटकर लाभार्थी बनने का भी प्रयास करेंगे. देशभर में झारखंड की और बेहतर छवि बनाने में भी इस प्रयास का लाभ मिलेगा. महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित कई अन्य राज्यों में भी राज्य सरकारें ट्रेनों की मदद से अपनी योजनाओं, उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करवा रही हैं.

हेमंत के कार्यकाल में शुरू हुआ था काम

तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद ट्रेन के माध्यम से सरकार प्रवासी श्रमिकों के अधिकार एवं कल्याणार्थ योजना का प्रचार-प्रसार का काम शुरू भी कर दिया गया था. खासकर मुंबई, दिल्ली, केरल, बेंगलुरु और जम्मू जाने वाली ट्रेन के जरिए प्रचार-प्रसार का काम होने लगा था. इस रूट में जाने वाली ट्रेनों के जनरल और स्लीपर बोगी के बाहरी और भीतरी हिस्से में श्रमिकों के अधिकार और उन्हें जागरूक करने से सम्बन्धित जानकारी साझा की जाने लगी थी. मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया था कि प्रवासी मजदूरों के अधिकारों एवं उनके लिए बने योजना का व्यापक प्रचार- प्रसार श्रमिकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले ट्रेन के माध्यम से सुनिश्चित कराया जाए. इसके बाद से हटिया लोकमान्य तिलक सुपरफास्ट एक्सप्रेस, हटिया से आनंद विहार स्वर्णजयंती एक्सप्रेस, हटिया एसएमवीबी एक्सप्रेस, धनबाद एलेपी एक्सप्रेस और संबलपुर से जम्मूतवी एक्सप्रेस के जनरल और स्लीपर कोच में श्रमिकों के अधिकार और जागरुकता से संबंधित प्रचार-प्रसार पोस्टर के जरिए किया जा रहा था.

कांग्रेस ने की रांची लोकसभा चुनाव परिणाम की समीक्षा

संवाददाता। रांची

लोकसभा आम चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने सात सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें केवल दो एसटी आरक्षित सीटें खूंटी और लोहरदगा ही जीत सकीं. वहीं, एससी रिजर्व पांच लोकसभा सीटों पर कांग्रेस को भाजपा के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा. सात में से पांच सीट हार जाने के बाद चुनाव परिणाम की समीक्षा के लिए पार्टी की ओर से पूर्व सांसद प्रदीप बलमुचू की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय चुनाव परिणाम समीक्षा समिति का गठन किया गया था.

शनिवार को इसी समिति के नेतृत्व में बिहार क्लब में रांची क्षेत्र के चुनाव परिणाम की समीक्षा को लेकर बैठक की गई. बैठक में रांची महानगर, रांची ग्रामीण कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सहित पदाधिकारी, पूर्व विधायक,विस प्रभारी, लोकसभा प्रभारी, अग्रणी संगठन एवं विभाग, वरिष्ठ कांग्रेस समर्थक के साथ समिति के अध्यक्ष प्रदीप बलमुचू समेत समिति के सदस्य लोग समीक्षा बैठक में मौजूद रहे. इस चर्चा में रांची लोकसभा प्रत्याशी यशस्विनी सहाय भी शामिल हुईं. इसके अलावा समिति के सदस्य प्रदीप तुलस्यान, भीम कुमार व सुल्तान अहमद भी मौजूद थे.

कांग्रेस चुनाव परिणाम समीक्षा समिति रांची के बाद चतरा लोकसभा सीट पर मिली हार को लेकर लातेहार में 30 जून को सुबह 10 बजे समीक्षा बैठक होगी. इसके बाद एक जुलाई को लोहरदगा में जीत के लिए पार्टी ने क्या रणनीति अपनायी और खूंटी लोकसभा सीट पर कांग्रेस के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को हराने में पार्टी कैसे सफल रही, इसे लेकर दो जुलाई को खूंटी में समीक्षा बैठक होगी.

शहर में आज

1. आजसू का हल्ला बोल कार्यक्रम, कई प्रखंडों में दिन के 11 बजे से
2. निगम के जन सुविधा केंद्र में छूट का अंतिम अवसर, दिन के 10 बजे से संध्या 5 बजे तक

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

सीएम से सांसद और चार विधायकों ने की मुलाकात

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से शनिवार को खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा, विधायक इरफान अंसारी, विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी, विधायक राजेश कच्छप और विधायक भूषण बाड़ा ने मुलाकात की. उन्होंने मुख्यमंत्री को अपने-अपने क्षेत्र की जनसमस्याओं से अवगत कराया. मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की समस्याओं के प्रति राज्य सरकार पूरी तरह संवेदनशील है और उसके समाधान की दिशा में त्वरित कदम उठाए जा रहे हैं. राज्य सरकार द्वारा संचालित विकास और जन कल्याणकारी योजनाओं पर भी चर्चा हुई.

शराब के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

रांची। आरपीएफ ने शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार व्यक्ति का नाम मनीष कुमार है, वह बिहार के नालंदा का रहने वाला है. मंडल के सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार ने बताया कि आरपीएफ और फ्लाइंग टीम ने जांच के दौरान हटिया स्टेशन पर एक व्यक्ति को संदिग्ध तरीके से लाल रंग के ट्रॉली बैग के साथ बैठा देखा. बैग की जांच में 15 शराब की बोतल मिली. इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया. पूछताछ में उसने बताया कि शराब को वह रांची से खरीदा था और अपने निजी लाभ के लिए अधिक पैसे कमाने के लिए बेचने के लिए ट्रेन संख्या 18623 एक्सप्रेस से पटना (बिहार) जा रहा था.

धर्मनिरपेक्ष दलों को साथ लाने में मदद मिलेगी: राजा

रांची। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा ने झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत दिए जाने के आदेश का स्वागत करते हुए शनिवार को कहा कि इससे राज्य में धर्मनिरपेक्ष दलों को करीब लाने में मदद मिलेगी. रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए भाकपा नेता ने कहा कि वह देश में सभी धर्मनिरपेक्ष दलों को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं. राजा झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर हैं और वह किसानों के संगठन अखिल भारतीय किसान महासभा के एक कार्यक्रम में भाग लेंगे. राजा ने कहा, हम सोरेन को मिली जमानत का स्वागत करते हैं.

हूल दिवस पर सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि देगी आजसू

रांची। हूल दिवस पर रविवार को आजसू पार्टी सिद्धू-कान्हू पार्क, रांची स्थित शहीद सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर प्रातः दस बजे माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करेगी. श्रद्धांजलि कार्यक्रम में आजसू पार्टी केंद्रीय समिति, रांची जिला समिति, रांची जिला महिला समिति, रांची महानगर समिति, रांची महानगर महिला समिति, युवा आजसू, आजसू छात्र संघ, आजसू बुद्धिजीवी मंच तथा अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी शामिल होंगे.

रिटायर्ड शिक्षकों के दरवाजे पर कर्ज वसूली के लिए महाजनों का लगा रहता है तांता

पेंशन की आस में दम तोड़ रहे रिटायर मदरसा शिक्षक

- घर चलाना हुआ मुश्किल हुआ, तो कैसे पढ़ाएं बच्चों को, इलाज कैसे कराएं
- सीएम चंपाई सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन व दीपिका पांडे को सौंपा ज्ञापन
- 186 मान्यता प्राप्त मदरसे, 1200 शिक्षक व कर्मचारी, पिछले 04 माह से वेतन भी बकाया

रेहान अहमद। रांची

झारखंड में कुल 186 मदरसे मान्यता प्राप्त हैं. इनमें 1200 शिक्षक व कर्मचारी हैं. पिछले चार माह से इनका वेतन बकाया है. सबसे बड़ी परेशानी पेंशन की है. करीब 400 की संख्या में मदरसा शिक्षक सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन उन्हें अबतक पेंशन का लाभनहीं मिल पा रहा है. पेंशन की आस में कई सेवानिवृत्त शिक्षक परलोक सिधार गये.

सेवानिवृत्ति के बाद मदरसा शिक्षकों के दरवाजे पर महाजन हर रोज कर्ज वसूली के लिए दस्तक देते रहते हैं. अब सेवानिवृत्त शिक्षकों का गुजारा करना मुश्किल हो गया है, बच्चों की पढ़ाई से लेकर घर के राशन का खर्च भी काफी भारी पड़ रहा है. क्योंकि पेंशन मिल नहीं रही है और सेवाकाल में जो थोड़ी बहुत रकम जोड़ कर रखी थी, सारी निकल चुकी है. बीमार पड़ने पर परेशानी कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है, क्योंकि इलाज के लिए मोटी रकम का जुगाड़ नहीं कर पाते हैं. नतीजतन गंभीर बीमारी से पीड़ित होने पर इलाज के बगैर असमय ही काल के गाल में समा जाते हैं.

सीएम समेत विधायकों को ज्ञापन दिया : मौलाना कासमी

रांची के मदरसा इस्लामिया से सेवानिवृत्त शिक्षक मौलाना हम्माद कासमी ने कहा कि हम शिक्षकों को सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन ही सहारा है, यदि पेंशन भी ससमय नहीं मिले तो जीवन काफी कठिन हो जाता है. कितने ही शिक्षक पेंशन की आस में दम तोड़ चुके हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड मदरसा संस्कृत शिक्षक समन्वय समिति की ओर से मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, विधायक दीपिका पांडे सिंह, विधायक कल्पना सोरेन को भी पेंशन की समस्या के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा गया है. हमें तो बस इंतजार है कि सीएम हमारी मांग पर ध्यान दें, तो राहत मिले.

पेंशन की आस में 25 सेवानिवृत्त शिक्षक दुनिया से हो चुके हैं, रुख्सत : फजलुल होदा

झारखंड मदरसा संस्कृत शिक्षक समन्वय समिति के अध्यक्ष सैयद फजलुल होदा ने कहा कि आज की तारीख में करीब 400 शिक्षक सेवानिवृत्त हो चुके हैं. लेकिन पेंशन की सुविधा से अबतक वंचित हैं. लंबी लड़ाई की गई, लेकिन अब तक पेंशन की सुविधा अन्य राज्यों के समान झारखंड में मिलनी शुरू नहीं हुई है. पेंशन के आस में करीब 25 सेवानिवृत शिक्षक दुनिया से रुखसत हो चुके हैं. उनके घर परिवार का गुजारा बहुत मुश्किल से हो रहा है. इस पर गौर करने की जरूरत है.

सेवानिवृत्त शिक्षक	मदरसा/ स्थान	सेवानिवृत्ति के कितने वर्ष
मास्टर इशहाक	पाकुड़ मदरसा	10 साल
मौलाना रियाज	पाुकड़ मदरसा	10 साल
मौलाना कासिम जमाली	रांची मदरसा	11 साल
मौलाना अताउल हक	रांची मदरसा	11 साल
मौलाना खलील (मरहूम)	रांची मदरसा	10 साल
मास्टर हिफजुल रहमान	साहेबगंज मदरसा	10 साल
मौलाना सरफराज	हजारीबाग मदरसा	10 साल
मौलाना हिबबुल्लाह (मरहूम)	रांची मदरसा	10 साल
मौलाना रियाज (मरहूम)	गोड्डा मदरसा	10 साल
मौलाना अब्दुल जमील	हजारीबाग मदरसा	10 साल

जिला	मदरसों की संख्या
गोड्डा	67
साहेबगंज	43
पाकुड़	27
हजारीबाग	12
कोडरमा	04
चतरा	02
रांची	02
रामगढ़	01
गुमला	01
जमशेदपुर	02
चाईबासा	01

जिला	मदरसों की संख्या
पलामू	04
गढ़वा	01
गिरिडीह	03
देवघर	03
दुमका	03
जामताड़ा	01
लातेहार	01
खरसावा	01
बोकारो	02
धनबाद	04
....	....

पेंशन समस्या का समाधान जल्द करने की जरूरत : सरफुद्दीन

झारखंड मदरसा संस्कृत शिक्षक समन्वय समिति के संरक्षक मो सरफुद्दीन ने कहा कि पेंशन नहीं मिलने से शिक्षक काफी परेशान हैं. उनकी माली हालत बहुत खराब हो गई है. सरकार को इस गंभीर समस्या को जल्द दूर करने की पहल करने की जरूरत है, ताकि मदरसा शिक्षक भी सेवानिवृत्ति के बाद अपनी बाकी जिंदगी सम्मानजनक ढंग से गुजार सकें.

मदरसा तालीम

- 1 से 10 मैट्रिक (फोकानिया)
- बीए (आलिम)
- इंटर (मौलवी)
- एमए (फाजिल)

मदरसे में इन विषयों की शिक्षा : उर्दू, अरबी, फारसी, हिंदी, अंग्रेजी, दिनियात, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान.

हेमंत और कल्पना सोरेन से मिले अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष

हेमंत सोरेन को गुलदस्ता देते अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम.

रांची। जेल से बाहर आने के बाद पूर्व सीएम हेमंत सोरेन का स्वागत करने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है. शनिवार को राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम भी सोरेन के आवास पहुंचे और पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया.

मौके पर सोरेन की धर्मपत्नी और गांडेय की नवनिर्वाचित विधायक कल्पना सोरेन भी उपस्थिति थीं. मौके पर शमशेर आलम ने कहा कि सत्य की हमेशा जीत होती है और भारतीय संविधान ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि निर्दोष के साथ कभी अन्याय नहीं होगा, उन्होंने इस बात के लिए भी श्री सोरेन की सराहना की कि जेल में रहकर भी उन्होंने अपने झामुमो परिवार को एकजुट बनाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी, उन्होंने कल्पना सोरेन का भी साधुवाद किया कि पति के जेल जाने के बाद भी उन्होंने मजबूती के साथ सांप्रदायिक ताकतों का डटकर मुकाबला किया और झारखंडी एकता को बिखरने नहीं दिया.

बढ़ी सियासी सरगर्मी, हेमंत सोरेन से मिले डॉ अजय कुमार

रांची। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अजय कुमार ने शनिवार को पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की और कहा कि विस चुनाव में भाजपा को शिकस्त देंगे. डॉ कुमार ने बताया कि प्रदेश की विकास योजनाओं सहित वर्तमान के राजनीतिक घटना क्रम पर विस्तार से बातचीत हुई है.

लोस चुनाव में इंडिया गठबंधन ने बेहतर किया है. उसको और बेहतर करने के लिए अभी से काम करेंगे और गठबंधन को मजबूत करेंगे. केंद्र की बीजेपी सरकार तानाशाही शासन चला रही है. वह जन विरोधी है. आज देश के 24 लाख बच्चों का भविष्य अंधकार में है, लेकिन सरकार नीट यूजी परीक्षा मामले में मौन है. इस मामले में सरकार किसे बचाना चाहती है. सदन में जब राहुल गांधी ने नीट पर चर्चा की बात की, तो उनकी आवाज दबाने का काम किया गया. मोदी सरकार को युवाओं की चिंता नहीं. उन्हें तो अपने नेताओं और भ्रष्ट अधिकारियों की चिंता है.

उजागर करें राज्य की ठगबंधन सरकार की नाकामियां : हिमंता

संवाददाता। रांची

असम के सीएम हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव झारखंड की दशा और दिशा तय करेगा. झारखंड निर्णायक मोड़ पर है. राज्य की जनता लूट, भ्रष्टाचार, वादा खिलाफी से निजात चाहती है. जनता सुशासन और विकास केलिए समय का इंतजार कर रही है. घोषणा पत्र समिति, आरोप पत्र समिति की महत्वपूर्ण भूमिका है.

भाजपा का संकल्प पत्र जनता का संकल्प पत्र होगा. पार्टी जनसंपर्क और संवाद के माध्यम से सर्व समावेशी और सर्व स्पर्शी और विकासोन्मुख घोषण पत्र तैयार करे. राज्य सरकार आरोपों से घिरी सरकार है. समाज का हर वर्ग इस निकम्मी और भ्रष्ट सरकार से ऊब चुका है. उन्होंने इनकी एक एक नाकामियों को उजागर करते हुए आरोप पत्र तैयार करने के आवश्यक सुझाव दिए. उन्होंने युवा मोर्चा और महिला मोर्चा की संयुक्त बैठक को भी संबोधित किया.

प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जनता की आशा और उम्मीद भाजपा से जुड़ी है. ठगबंधन सरकार ने राज्य की जनता केलिए एक भी भलाई का काम नहीं किया. यह सरकार साढ़े चार वर्षों से केवल राज्य को लूटने में जुटी रही. तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति ने राज्य की डेमोग्राफी बदल दी है. जनता उम्मीद भरी नजरों से भाजपा की ओर देख रही है. भाजपा ने राज्य बनाया है, भाजपा राज्य को लुटते और बर्बाद होते नही देख सकती. हमें जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना है.

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि ठगबंधन सरकार, आदिवासी, दलित, पिछड़ा, महिला, युवा विरोधी सरकार है. जनता को इस सरकार से निजात दिलानी है.

बड़ी पहल लेप्रोसी कॉलोनी के लाभुकों को आवास आवंटन के लिए शीघ्र लॉटरी निकालने का निर्देश

इस्लाम नगर के लाभुकों को जुलाई के अंत तक शिफ्ट करायें : अरवा

संवाददाता। रांची

राजधानी रांची में नव निर्मित इस्लाम नगर के लाभुकों को जुलाई के अंत तक हरहाल में शिफ्ट कराने का निर्देश दिया गया है. यह निर्देश नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अरवा राजकमल ने दिया है. राजकमल ने शनिवार को जुपमी के सभागार में सभी नगर निकायों द्वारा क्रियान्वित कराई जा रही योजनाओं की समीक्षा की.

राजकमल ने नगर प्रशासक अमित कुमार को निर्देश दिया कि नवनिर्मित लेप्रोसी कालोनी को जुडको से लेकर लॉटरी आयोजित की जाये और आवंटन की प्रक्रिया पूरी की जाये. इस योजना के लाभुकों को शिफ्ट भी कराया जाये. लेप्रोसी कालोनी जी प्लस एक के तहत सात ब्लाक में बना है. सभी 256 आवासों में राज्य सरकार की ओर से पंखा, ट्यूब लाइट, डोर वेल, वाटर एवं बिजली कनेक्शन दिया गया है. लेप्रोसी प्रभावित लाभुकों को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निःशुल्क आवास राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है. जल्द बाउंड्री वाल भी बनेगा.

21 करोड़ रुपये की लागत से बने 291 आवास : सचिव ने रांची नगर निगम के प्रशासक अमीत कुमार को निर्देश दिया कि इस्लाम नगर कालोनी को हैंड ओवर लेकर जुलाई के अंत तक हर हाल में लाभुकों को शिफ्ट करा दिया जाये. यहां लाभुकों को 6.25 लाख कीमत के आवास के लिए सिर्फ 50 हजार रुपये देने पड़े हैं. इस्लाम नगर में 21 करोड़ रुपये की लागत से कुल 291 आवास जी प्लस तीन की शैली में बने हैं. यहां भी आवास में लाभुकों को सभी संसाधन मुफ्त मुहैया कराये गये हैं. यहां बाउंड्री भी है. समीक्षा के दौरान कई नगर निकाय कार्यपालक पदाधिकारियों ने सचिव को बताया कि पीएमएवाई वर्टिकल तीन के तहत लाभुकों ने गैरमजरुआ जमीन पर सहायता राशि प्राप्त कर ली है.

इस पर सचिव राजकमल ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए कहा कि ऐसे लोगों की सूची तैयार कर संबंधित उपायुक्तों को उपलब्ध कराते हुए उनके विरुद्ध न्याय संगत कार्रवाई की जाये. सीएनटी-एसपीटी जमीन पर किसी भी सूरतेहाल में वर्टिकल तीन के लिए लाभुकों को सहायता राशि नहीं दी जाये. पीएमएवाई के प्रति लाभुकों को आकर्षित करने के लिए उपायुक्तों के समन्वय से बैंकों के साथ लोन मेला लगाया जाये. जुडको के डीपीडी उत्कर्ष मिश्र ने ई- गवर्नेंस पर प्रस्तुतीकरण दिया.

नगर विकास सचिव अरवा राजकमल शनिवार को नगर प्रशासक अमित कुमार के साथ बैठक करते हुए.

न्यूज अपडेट

हेमंत की जमानत पर महिला मोर्चा ने मनाया जश्न

रांची। झामुमो महिला मोर्चा की रांची जिला समिति की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उच्च न्यायालय द्वारा जमानत मिलने पर जश्न मनाया गया. इस क्रम में हेमंत को बधाई दी गयी एवं न्याय व्यवस्था पर विश्वास व्यक्त किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता करती हुई जिलाध्यक्ष नयन तारा उरांव ने कहा कि भारत की न्याय व्यवस्था में किसी के साथ अन्याय नहीं हो सकता. कार्यक्रम में उपाध्यक्ष राखी देवी, अंशु लकड़ा, मंजु महतो, उषा उरांव, नुसरत, सचिव शांति तिर्की, प्रखंड अध्यक्ष सुकरमनी देवी, नगडी, उपाध्यक्ष सोमारी उरांव आदि मौजूद थीं.

होल्डिंग टैक्स के भुगतान पर छूट पाने का आज आखिरी दिन

रांची। वित्तीय वर्ष 2024-2025 के होल्डिंग टैक्स का एकमुश्त भुगतान 30 जून 2024 तक करने पर कर दाताओं को टैक्स की राशि पर छूट मिल रही है. दाताओं को अधिकतम 10% की छूट का प्रावधान निगम द्वारा किया गया था. हालांकि बुजुर्ग, महिला, भारतीय सेना, दिव्यांग व ट्रांसजेडर को 5% अधिक छूट मिल सकती है. इस वित्तीय वर्ष के प्रथम क्वार्टर एवं छूट का लाभ लेने के लिए रविवार आखिरी दिन है. रविवार को रांची नगर निगम के जन सुविधा केंद्र पूर्वाह्न 10 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित रहेंगे. सभी सम्मानित नागरिक इस छूट का लाभ ले तथा अपने कर का भुगतान करना सुनिश्चित करें.

किसको कितना लाभ मिलेगा

1. **ऑनलाइन** - ऑनलाइन माध्यम से भुगतान करने पर कर की राशि पर 10% की छूट मिलेगी.
2. **जन सुविधा केंद्र** - जन सुविधा केंद्रों के माध्यम से भुगतान करने पर कर की राशि पर 7.5% की छूट मिलेगी.
3. **डोर-टू-डोर** - कर संग्रकर्ता के माध्यम से भुगतान करने पर कर की राशि पर 5% की छूट मिलेगी.

विशेष लोक अदालत में 1.41 लाख से अधिक मामलों का निपटारा

रांची। सिविल कोर्ट के साथ जिले के अंचल कार्यालयों, सीसीएल में भूमि और राजस्व संबंधित मामले को लेकर आयोजित विशेष लोक अदालत में शनिवार को एक लाख 41 हजार 559 वादों का निपटारा किया गया. इसमें दाखिल खारिज के 23,499 मामले भी शामिल है. साथ ही मौके पर 45 करोड़ 91 लाख 70 हजार 121 रुपए का सेटलमेंट हुआ. मामलों के निष्पादन के लिए 13 बेंचों का गठन किया गया था. इसमें भूमि और राजस्व, भूमि अधिग्रहण, विस्थापन, मुआवजा एवं इससे संबंधित अन्य मामलों के त्वरित निष्पादन किया गया. विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए प्री-लोक अदालत की बैठकें 24 से 28 जून तक चली थी. 25 जून को जिले के सभी अंचल कार्यालय एवं सीसीएल में कैंप लगाया गया था. डालसा सचिव कमलेश बेहरा ने बताया कि लोक अदालत में भूमि अधिग्रहण से संबंधित 53 मामलों में क्षतिपूर्ति की राशि 8,19,82,302 रुपए लाभूकों के बीच वितरित की गयी.

चुनाव आयोग से मिला भाजपा का प्रतिनिधिमंडल, शिकायत की

रांची। भाजपा विधायक अनंत ओझा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिला. आयोग से शिकायत की कि वोटर लिस्ट से लगातार हिंदुओं के नाम कट रहे हैं, वहीं बांग्लादेशियों के नाम 200 फीसदी तक जुड़े हैं. अनंत ओझा ने बताया कि अभी जो लोकसभा चुनाव हुआ, उसमें राजमहल विधानसभा में हजारों मतदाता वोट देने से वंचित रह गए. इसका बड़ा कारण है मतदान सूची में हिंदू मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट से गायब होना. एक विशेष समूह क्षेत्र में बड़ी संख्या में 2014 से लेकर 2019 में जो मतदाता की संख्या में वृद्धि हुई थी, वह 250 प्रतिशत के हिसाब से उधवा प्रखंड में हुई है. यह अप्रत्याशित वृद्धि हुई है. जिस मतदान केंद्र में 600 मतदाता के नाम होते थे, अब वहां 1400 मतदाता के नाम आ गये हैं. कई जगह 100 फीसदी तो कहीं 80 फीसदी कई जगह 30-40 फीसदी के हिसाब से बढ़ोतरी हुई है.

भाजपा के सभी नेता-कार्यकर्ता आज सुनेंगे मोदी के मन की बात

रांची। पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात के 111वें संस्करण का प्रसारण रविवार को होगा, जिसे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सहित पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ क्षेत्र में सुनेंगे. इसके लिए पार्टी की ओर से पूरी तैयारी कर ली गई है. प्रदेश के सभी 29464 बूथ क्षेत्रों में इस कार्यक्रम को सुनने को लेकर पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ताओं की अनेक बैठक हो चुकी है. बाबूलाल मरांडी दुमका प्रवास के दौरान स्वयं शिकारीपाड़ा के पलमा में आम जनता के साथ इस कार्यक्रम को सुनेंगे.पार्टी के नेता विधायक दल अमर बाउरी कांके मंडल के रॉक गार्डेन स्थित बूथ संख्या 347, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र धुर्वा मंडल में और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह हरमू में, केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ चुटिया के होटल संमुगम में मन की बात कार्यक्रम को सुनेंगे.गोड्डा जिला के पड़ैयाहाट विधानसभा अंतर्गत डांडे गांव में सैकड़ों कृषक महिलाएं लाइव प्रसारण के माध्यम से प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम से जुड़ेंगीं. ये महिलाएं इसी गांव की प्रेरणा मिश्रा के नेतृत्व में देश की पारम्परिक खाद्य प्रसंस्करण शैली जांता, ढेकी, ओखली आदि से चावल, दाल, सत्तु आदि खाद्य पदार्थ तैयार कर आमेजन जैसे ऑनलाइन मार्केटिंग कम्पनी के माध्यम से देश के सभी हिस्सों में लोगों तक पहुंचाने का काम करती हैं.

एचईसी ठेका श्रमिक संघ के सदस्य विनय जायसवाल से मिले

रांची। एचईसी सप्लाई ठेका श्रमिक संघ के महामंत्री उदय शंकर के नेतृत्व में सप्लाई कर्मियों ने भाजपा नेता विनय जायसवाल से मुलाकात की तथा उन्हें एचईसी की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया. उदय शंकर ने कहा कि चूंकि विनय जायसवाल लोकसभा चुनाव के बाद काफी दिनों से बाहर थे और हमारे सभी सप्लाई कर्मी साथी अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं और आज तक कोई सफलता प्राप्त नहीं हुई, इस बात पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्य रूप से प्लांट के अंदर प्रवेश की अनुमति और बकाया सैलरी भुगतान पर चर्चा की गई. सबों की बातें सुनने के बाद विनय जायसवाल ने कहा कि इस विषय पर मैनेजमेंट और मंत्रालय में बात हुई है. टेंडर प्रक्रिया चालू है, अब यह बदली नहीं जा सकती है और इसकी लास्ट प्रक्रिया चल रही है. उन्होंने कहा कि आप लोगों का आंदोलन जायज है और करना भी चाहिए. परंतु अपने घर को ही बंद करके आंदोलन करना इस समय उचित नहीं है.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित | रांची, रविवार 30 जून 2024 | आषाढ़ कृष्ण पक्ष 08 संवत 2081 | पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 | वर्ष : 2, अंक : 82 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

30 जून, 1855
हूल दिवस

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

हेमंत का ऐलान-ए-जंग : विधानसभा चुनाव में जनता देगी मुंहतोड़ जवाब

मेरे खिलाफ साजिश रचने वालों का सफाया हो जाएगा

प्रमुख संवाददाता। रांची

बोले हेमंत
- साजिश रचने वालों को हम मुंहतोड़ जवाब देंगे
- भाजपा जब चाहे विस चुनाव करवा ले, मुंह की ही खाएगी
- भाजपा को सामाजिक ताना-बाना नष्ट करने में महारत हासिल है
- जनता ने इन्हें 2024 के लोकसभा चुनाव में सबक सिखाया है

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने शनिवार को भाजपा पर उनके खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया और दावा किया कि विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा का झारखंड से सफाया हो जाएगा. अपने आवास पर शनिवार को बारिश के बीच भींगते हुए झामुमो कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि उन्हें जेल में बंद करने की साजिश रचने वालों के खिलाफ विद्रोह होगा और लोग भाजपा को नहीं बख्शेंगे. झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा, भाजपा के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का समय आ गया है. आने वाले दिनों में झारखंड से भाजपा का सफाया हो जाएगा. धन शोधन के एक मामले में हाईकोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने के बाद हेमंत को शुक्रवार को जेल से रिहा किया गया. भाजपा पर निशाना साधते हुए सोरेन ने कहा, जानकारी में आया है कि वे विधानसभा चुनाव समय से पहले कराने की योजना बना रहे हैं. मैं चुनौती देता हूं कि वे जिस दिन चाहें चुनाव करा लें. झारखंड में विस चुनाव जीतने का भाजपा का सपना मुंगेरीलाल के हसीन सपने जैसा होगा. भाजपा कई राज्यों में आदिवासियों को सीएम बना रही है, लेकिन वे सिर्फ रबर स्टाम्प हैं.

अपने नेता को अपने बीच पाकर कार्यकर्ताओं के खिले चेहरे

अपने आवास के बाहर भारी बारिश के बीच कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हेमंत सोरेन. साथ हैं कल्पना सोरेन व सुप्रियो.

भारी बारिश के बीच कार्यकर्ताओं को किया संबोधित : हेमंत ने बारिश में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया. कहा कि केंद्र सरकार के खिलाफ कोई खड़ा न हो पाए, इसकी जुगत भिड़ाई जा रही है. उसी का परिणाम है कि आज दिल्ली के सीएम जेल में बंद हैं. मुझे षड्यंत्र में फंसा कर पांच महीने जेल में रखा गया. झारखंड गरीब गुरबा राज है. हमें समझने में थोड़ा वक्त लगता है.

भाजपा ने सीरिंज से लोगों का खून चूस लिया

हेमंत ने कहा कि मोदी सरकार में नीट व यूपीएससी पेपर लीक और ट्रेन व एयरपोर्ट दुर्घटनाएं हो रही हैं. इन लोगों ने सीरिंज से लोगों का खून चूस लिया है. संविधान की कई संस्थाओं को अपनी मुट्ठी में कर लिया. लेकिन जनता की अदालत सबसे बड़ी अदालत है. इस दिया को हम नहीं बुझने देंगे. कई ऐसे वीर शहीद हैं, जो हमारे प्रेरणास्रोत हैं. आपके आशीर्वाद से सबसे पहले देश में आदिवासी सीएम बना है. मजबूरन मोदी सरकार को पड़ोसी राज्यों में आदिवासी सीएम बनाना पड़ रहा. लेकिन वो रबर स्टैंप है. हेमंत का इशारा छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय और ओडिशा के सीएम मोहन चरण मांझी की तरफ था. उन्होंने कहा, पूर्वजों के सपने को पूरा करने का हम काम करेंगे. बीजेपी वाले विधानसभा जीत का जो सपना देख रहे हैं, वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने साबित होंगे. इस दौरान गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, सांसद कालीचरण मुंडा, कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी, अनूप सिंह, राजेश कच्छप, सुप्रियो भट्टाचार्य, विनोद पांडेय समेत अन्य कई नेता मौजूद थे.

भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

हेमंत सोरेन करीब 3.25 बजे बिरसा चौक पहुंचे. उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. कल्पना सोरेन, महुआ माजी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे. हेमंत ने कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया. हेमंत सोरेन करीब 10 मिनट तक बिरसा चौक पर रहे. इस दौरान उनकी एक झलक पाने के लिए राज्य के विभिन्न जिलों से कार्यकर्ताओं का हुजूम पहुंचा था. हेमंत के जेल से बाहर आने की खुशी सभी के चेहरे पर साफ झलक रही थी. कार्यकर्ता काफी खुश और उत्साहित नजर आ रहे थे. क्योंकि पांच महीने बाद उनकी अगुवाई करने वाला फिर से उनके साथ खड़ा था.

जेवर व्यवसायी सीएम से मिले, मांगी सुरक्षा

संवाददाता। रांची

बिरसा चौक स्थित डीपी ज्वेलर्स लूट और गोलीकांड की घटना के साथ ही विधि व्यवस्था पर चिंता जताते हुए अध्यक्ष किशोर मंत्री के नेतृत्व में चैंबर, सोना-चांदी व्यवसायी समिति और सर्राफा एसोसिएशन के पदधारियों ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मुलाकात कर भयमुक्त माहौल बनाने के लिए कार्रवाई की मांग की. प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि चोरी-डकैती, छिनतई और हत्या जैसी घटनाओं से राजधानी के साथ ही पूरे राज्य में भय का माहौल बना हुआ है, जिसपर त्वरित हस्तक्षेप जरूरी है.

मुख्यमंत्री ने सुरक्षित माहौल देने का भरोसा दिलाते हुए व्यापारियों को भयमुक्त होकर व्यापार की अपील की, कहा कि सरकार व्यापारियों व जनता की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. दो-चार दिनों में ही व्यवस्था में गुणात्मक सुधार देखने को मिलेंगे. सीएम से मुलाकात से पूर्व सोना-चांदी व्यवसायी समिति के आहवान पर दुकानें बंद कर शनिवार को सर्राफा व्यापारियों ने चैंबर भवन में जुट कर विधि व्यवस्था का विरोध करते हुए सुरक्षा के लिए चैंबर अध्यक्ष से हस्तक्षेप का आग्रह किया.

समिति के पदधारियों ने राजधानी की विधि व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए चैंबर अध्यक्ष से इस मामले में सीएम-डीजीपी से मिलकर व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की. समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू और पूर्व अध्यक्ष दिलीप सोनी ने संयुक्त रूप से कहा कि हम सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन जैसी स्थिति नहीं चाहते, किंतु लगातार हो रही घटनाओं से व्यापारी भयभीत हैं. उन्होंने ज्वैलर्स व्यापारियों के इस विरोध में चैंबर का सहयोग मांगा और कहा कि यदि दो दिनों में स्थितियों में सुधार नहीं हुआ तब चैंबर के नेतृत्व में हम राज्यस्तर पर दुकानें बंद करने को बाध्य होंगे. चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि चैंबर व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर है. महासचिव परेश गट्टानी ने कहा कि जब राजधानी ही सुरक्षित नहीं तब राज्य के अन्य जिलों में क्या होगा. कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया व रोहित पोद्दार ने संयुक्त रूप से पुलिस प्रशासन के सूचना तंत्र को मजबूत करने की बात कही. मौके पर चैंबर के सह सचिव अमित शर्मा, शैलेश अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया, रोहित पोद्दार, चैंबर के पूर्व अध्यक्ष कुणाल अजमानी, सोना चांदी व्यवसायी समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू, पूर्व अध्यक्ष दिलीप सोनी, व्यवसायी जितेंद्र सोनी, महेश सोनी, पुरषोतम सोनी, रवि सोनी, रिंकू सोनी, संजय सोनी समेत सोना चांदी के व्यापारी शामिल थे.

शहर की कानून व्यवस्था को लेकर चैंबर के प्रतिनिधियों ने सीएम से मुलाकात की.

ज्वेलरी शॉप लूटकांड का विरोध

बंद रहीं रांची की जेवर दुकानें, व्यवसायियों ने विरोध मार्च निकाला

रांची। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के बिरसा चौक के पास डीपी ज्वेलर्स लूटकांड के विरोध में राजधानी की जेवर दुकानें बंद रहीं. जेवर व्यवसायियों ने विरोध मार्च निकाल कर अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की. रांची के जेवर व्यवसायी अपर बाजार स्थित गांधी प्रतिमा के पास जुटे और काली पट्टी बांधकर विरोध मार्च निकाला जेवर व्यवसायियों ने रांची पुलिस को दो दिनों के अंदर अपराधियों को गिरफ्तार करने का अल्टीमेटम दिया. कहा कि 48 घंटे में अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं हुई, व्यवसायी सड़क पर उतर जोरदार आंदोलन करेंगे. इससे पहले पंडरा इलाके में एक ज्वेलरी दुकान में से लूट हुई थी. उस लूटकांड में शामिल अपराधी अभी तक पकड़े नहीं गये. वहीं अब एक और लूट की घटना को अंजाम दिया गया है. अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए.

शनिवार को जेवर व्यसायियों ने शहर में निकाला विरोध मार्च.

एसएसपी ने दो सब इंस्पेक्टर समेत सात पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया

जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के बिरसा चौक के पास स्थित डीपी ज्वेलर्स में लूटपाट के मामले को एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने गंभीरता से लेते हुए ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में जगन्नाथपुर थाना के दो सब इंस्पेक्टर पंकज कुमार व शैलेंद्र सिंह समेत सात पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है. इसमें वायरलेस पुलिसकर्मी के अलावा बाकी जमादार व सिपाही स्तर के पुलिसकर्मी शामिल हैं.

SONA DEVI UNIVERSITY

SDU GHATSILA JHARKHAND

Estd. by Govt. of Jharkhand Act-05, 2023 and approved under section 2(f) of UGC Act, 1956
Kitadih, PO & PS- Ghatsila, North Maubhandar, Jamshedpur, East Singhbhum, Jharkhand-832303
Web:www.sonadeviuniversity.com, enquiry@sonadeviuniversity.com

RECRUITMENT, 2024
(Advt. No. SDU/05/2024)

Applications for various Academic & Non-Academic posts are invited by Sona Devi University, Ghatsila, East Singhbhum, Jharkhand-832303. The University is situated admist a sprawling, picturesque campus with state - of- the-art infrastructure on Jamshedpur-Kharagpur National Highway No. 18 (NH-33) at Ghatsila, East Singhbhum. The Sona Devi University is running 11 schools & 49 courses in 91 disciplines. All the Courses are approved by UGC, New Delhi as well as by other Regulatory bodies related to various disciplines.

1. **Administrative Posts :** Registrar (1), Finance Officer (1), Controller of Examination (1), Sports Officer (1), Deputy Registrar (2) Assistant Registrar (2), Chief Librarian (1), Marketing Officer (MBA) (1), H.R Executive (MBA) (1).
2. **Post of Teaching Faculties** (Professor-01), Associate Prof. (02), Assistant Prof. (03) in each subject) in following Disciplines :-
Physics, Chemistry, Mathematics, Botany, Zoology, Psychology, Sociology, Social Work, Pol. Science, History, Geography, Anthropology, Economics, Hindi, English, Sanskrit, Bengali, Santhali, Home Science, Library & Info. Science, Commerce, Management, Education, Computer Application, Computer Science, Agriculture Science, Fisheries Science, Engineering & Technology (ME/ M.Tech in CSE, CE, ME, EEE with specialization in AI/DS/ML/Cyber Security) Yoga & Naturpoathy, Fine Arts, Environmental Science & Pharmacy (Professor/Principal in Pharmacy and Faculty Members).
3. **Post of Supportive Staff in Different Disciplines/Schools :-**
Office Superintendent/ Accountant(2), Library Assistant (3), Lab Assistant (15), Lab Technicians (10), Computer Operators (4), Store Keeper (2), Office Assistants (5), Multitask Workers (6), and Gradeners (6).

Qualification, Experience & Reservation Shall be as per norms of UGC, State Govt. / Central Govt./ Concerned Regulatory Body. Ph.D holders & Experienced persons will be given priority, Retired persons from University P.G. Deptt./ Principal of colleges / Industry may also apply for the above posts.

Interested candidates may send their resume to :
enquiry@sonadeviuniversity.com up to 26th July, 2024 by 5 PM.

खेल विभाग ने सीएम को बताया- झारखंड में 11 हजार क्लबों का हुआ रजिस्ट्रेशन

हकीकत-जिलों में खेल क्लबों का रजिस्ट्रेशन नहीं

शुभम किशोर। रांची

18 जून को शुभम संदेश ने सिदो कान्हू खेल क्लब के 11 महीने में एक प्रतिशत भी निबंधन नहीं होने की खबर प्रकाशित की थी. इस दौरान सीएम चंपाई सोरेन सभी विभागों की समीक्षा कर रहे थे. 18 जून को ही खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की सीएम ने समीक्षा की. मौके पर पदाधिकारियों ने सीएम को अवगत कराया कि राज्य में अभी तक 27 हजार 248 सिदो कान्हू युवा खेल क्लबों का गठन किया जा चुका है, जिसमें लगभग 11 हजार से अधिक क्लबों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है. लेकिन जानकारी के अनुसार रांची को छोड़ कर किसी भी जिले में किसी क्लब का कोई रजिस्ट्रेशन नही हुआ है. बाकी जिलों के लगभग 80 क्लबों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया जारी है.

18 जून को शुभम संदेश में प्रकाशित.

उठते सवाल
- सीएम को समीक्षा बैठक में क्लबों के रजिस्ट्रेशन की दी गई गलत जानकारी
- रांची को छोड़ कर किसी भी जिले में किसी क्लब का नहीं हुआ रजिस्ट्रेशन

गलत जानकारी देने पर निदेशालय ने नहीं दिया जवाब

इस बारे में जब 11 हजार क्लबों के रजिस्ट्रेशन के बारे में खेल निदेशालय से पूछा गया, तो अधिकारी इससे बचते दिखे. निदेशक सुशांत गौरव, उपनिदेशक मनीष कुमार भी बोलने से बचते रहे. झारखंड में कुल 30,337 गांवों में सिदो कान्हू युवा खेल क्लब का गठन होना है. जिसमें विभाग कागज में 27, 233 क्लबों का गठन कर चुका है. सीएम ने रजिस्ट्रेशन में तेजी लाने को भी कहा है. कोऑपरेटिव के माध्यम से रजिस्ट्रेशन में तेजी लाने की बात भी कही गई है.

सोसाइटी एक्ट से रजिस्ट्रेशन में परेशानी

सभी सिदो कान्हू क्लब का रजिस्ट्रेशन 1860 सोसाइटी एक्ट के रूप में कराया जाना था. क्लब गठन करने की प्रक्रिया प्रत्येक गांव में सिदो कान्हू युवा खेल क्लब के गठन के लिए आम सभा बुलाई जाएगी और क्लब की स्थापना की जानी है. निबंधन में एफिडिफिट और अन्य प्रक्रिया में लगभग 500 रुपए का खर्च क्लब के सचिव को उठाना था. जानकारी के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के लोग अपनी जेब से पैसे लगाने के पक्ष में नहीं हैं. बता दें कि निबंधन होने के बाद ग्राम स्तर पर प्रत्येक क्लब को डीसी द्वारा 25 हजार रुपए अनुदान दिया जाना था.

हूल क्रांति दिवस पर विशेष

जब भोगनाडीह गांव में बजा क्रांति का बिगुल

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

30 जून 1855 को आकाश में मुस्कराते पूर्णिमा के चांद ने देखी आदिवासियों की एक ऐतिहासिक जनसभा, जो संथालपरगना के भोगनाडीह गांव में एक बरगद वृक्ष के नीचे आयोजित की गयी थी. उसमें चार सौ गांवों के लगभग 50 हजार संथाल पारंपरिक हथियार से लैस होकर भाग ले रहे थे. सभी उत्साहित थे एक ऐसी ताकत से टकराने के लिए, जिसके राज्य में कभी सूर्यास्त नहीं होता था. एक ऊंची चट्टान पर खड़े थे सिदो, कान्हू, चांद और भैरव. साथ में थीं फूलो और झानो जैसी वीरांगना बहनें. सिदो ऊंची आवाज में कह रहे थे- 'दामिन-ई-कोह में अंग्रेजों का अत्याचार दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है. उन्होंने हमें जल, जंगल, जमीन से बेदखल करने के लिए जमींदारों और महाजनों को भी हमारे बीच बसा रखा है और उन्हें मनमानी करने की पूरी छूट दे रखी है. हमारी गरीबी बढ़ती जा रही है. सरकार लगान बढ़ाती जा रही है. हम मजबूरी में लगान नहीं दे पाते तो हमारी जमीन नीलाम कर जमींदार को दे दी जा रही है. एक तरफ अंग्रेजी सरकार तो दूसरी तरफ सूदखोर महाजन हैं, जो हमें कर्ज के जाल में फंसा कर बर्बाद कर रहे हैं. ये दोनों दिकू हैं. इस बात को लेकर हमारे भगवान मरांगबुरु और देवी जाहेर ने मुझको दर्शन दिया और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने को कहा है. हमें आशीर्वाद दिया है. इसीलिए हम कहते हैं-करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो. अबुआ दिशुम, अबुआ राज. भाइयो, हमारा मानना है कि हम अपनी माटी के लिए, अपने हक के लिए, अपने देश के लिए, अपने समाज के लिए लड़ेंगे. यह लड़ाई केवल हम संथालों की और हम संथालों के लिए ही नहीं होगी. यह लड़ाई दामिन-ई-कोह में रहनेवालों उन तमाम शोषितों, पीड़ितों, उपेक्षितों और दलितों के लिए होगी और इसमें हमें उनका भी पूरा सहयोग चाहिए. आप सभी मेरे साथ बोलिए. अबुआ दिशुम!'

भीड़ से सामूहिक आवाज गूंजी-'अबुआ राज!!'

सिदो ने पूरी ताकत लगा कर जोर से कहा-'करो या मरो!'

भीड़ से सामूहिक आवाज गूंजी-'अंग्रेजों, हमारी माटी छोड़ो!!'

कुछ देर तक यही नारा गूंजता रहा. नारा थमने के बाद भीड़ में तालियां बजने लगीं और साथ ही खुसर-फुसर भी होने लगी. इसी बीच एक वयोवृद्ध मांझी चट्टान पर सिदो के बगल में आकर खड़े हो गये. मांझी ने कहा-'हम पूरे संथाली समाज की ओर से कहते हैं-करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो. अबुआ दिशुम, अबुआ राज. दूसरी बात यह है कि आज से हमारा दामिनी-ई-कोह आजाद है. हम अंग्रेजों से आजाद हैं. हमारे ऊपर अंग्रेजों का कोई जोर नहीं चलेगा. हम सरकार को लगान नहीं देंगे. आज से दामिन-ई-कोह आजाद हो गया है. आज से हमारे राजा सिदो मुर्मू हैं. कान्हो मंत्री, चांद प्रशासक और भैरव सेनापति हैं. हमारी सेना तैयार है. एक बात और, हमारी नयी सरकार में संदेशवाहक की भूमिका हमारी बहादुर बेटियां फूलो और झानो निभायेंगी. हम सभी लोग इस नयी सरकार को अपनी ओर से जी जान लगा कर सहयोग देंगे.'

भीड़ ने फिर जोरदार ढंग से तालियां बजायीं. कान्हू ने कहा-'हमारे बहादुर साथियों, अब हम आजाद हैं. अंग्रेजी राज गया.

-शेष पेज 11 पर

नीट पेपर लीक मामले में आया नया मोड़, सीबीआई ने एक मीडिया हाउस से जुड़े शख्स के कनेक्शन को भी ट्रैक किया

ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल सहित तीन को पटना ले गई सीबीआई

नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल को कोर्ट ने पांच दिनों की सीबीआई हिरासत में भेज दिया है. सीबीआई ने प्रिंसिपल डॉ एहसान उल हक और वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज को विगत शुक्रवार को ही गिरफ्तार किया था. जांच के दौरान सीबीआई की टीम ने एक मीडिया हाउस से जुड़े दो लोगों के कनेक्शन को भी ट्रैक किया. जानकारी के मुताबिक, इन दोनों की प्रिंसिपल के साथ नीट परीक्षा के दौरान लगातार बातचीत होती रही. एहसान उल हक के कॉल डिटेल्स के आधार पर इन दोनों लोगों को सीबीआई ने पूछताछ के लिए बुलाया था.

संवाददाता। हजारीबाग

नीट (यूजी) पेपर लीक मामले की जांच में नया मोड़ आ गया है. इस मामले में सीबीआई की टीम शुक्रवार को गिरफ्तार तीनों लोगों को अपने साथ पटना लेकर चली गयी है. इनमें ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसान उल हक, वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज और एक मीडिया हाउस से जुड़े एक शख्स का नाम भी आ रहा है. वहीं, सीबीआई की दूसरी टीम शनिवार सुबह 5 बजे पटना के लिए रवाना हो गई.

इस मामले में हिरासत में लिए गये एक व्यक्ति को बॉण्ड भरवा कर छोड़ दिया गया है. उससे कहा गया है कि जब भी जरूरत पड़ेगी, तो उसे पटना आना होगा. बता दें कि नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम पांच दिनों से हजारीबाग में कैंप की हुई थी. इससे पहले 27 जून को एजेंसी ने पटना से दो लोगों को गिरफ्तार किया था. शुक्रवार को दिनभर सीबीआई की टीम ने एहसान उल हक समेत तीनों लोगों से पूछताछ की. इसके बाद तीनों को झारखंड से बिहार ले जाने का निर्णय लिया गया. टीम उन्हें पटना के उस स्कूल पर ले जाकर सबूत इकट्ठा करेगी, जहां से अधजला प्रश्न पत्र मिला था. इसके अलावा पेपर लीक से जुड़े पुराने अपराधियों की भी सीबीआई पुराने आपराधियों का रिकॉर्ड निकाल रही है, ताकि यह पता चल सके कि उनके संबंध मौजूदा मामले में हैं या नहीं.

- हजारीबाग से प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल समेत तीन गिरफ्तार
- सीबीआई ने एक आरोपी को बॉण्ड पेपर भरवा कर छोड़ा
- नीट परीक्षा के दौरान प्रिंसिपल से लगातार बातचीत होती रही

चरही स्थित सीसीएल के एरिया गेस्ट हाउस में मौजूद सीबीआई की टीम.

बैंक से पहले ओएसिस स्कूल लाया था प्रश्न पत्र

सीबीआई और पुलिस सूत्रों के अनुसार तीन मई को कूरियर एजेंसी ब्लू डार्ट के हजारीबाग नूतन नगर सेंटर से प्रश्नपत्र बैंक ले जाने के बजाय पहले ओएसिस स्कूल लाया गया था. इसके बाद यहां से बैंक भेजा गया. इस बात के सामने आने के बाद शक का दायरा और बढ़ गया है कि कहीं प्रश्न पत्र के पैकेट को खोलने का खेल ओएसिस स्कूल में ही तो नहीं हुआ था.

गिरफ्तारियों के बाद के शिक्षा जगत में हड़कंप

हजारीबाग जिले से ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल समेत तीन लोगों की गिरफ्तारियों के बाद यहां के शिक्षा जगत में हड़कंप मच गया है. स्कूल के छात्र और अभिभावक सकते में है. वहीं एक मीडिया हाउस से जुड़े एक व्यक्ति की गिरफ्तारी से भी खलबली मच गई है. बताया जा रहा है कि इन गिरफ्तारियों से पेपर लीक नेटवर्क में कई अहम खुलासे हो सकते हैं.

छह राज्यों में चल रही है सीबीआई की जांच

पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम छह राज्य बिहार, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में जांच कर रही है. गिरफ्तार आरोपियों के आपसी संबंधों की जांच की जा रही है, ताकि मास्टरमाइंड का पता लगाया जा सके. सीबीआई को शक है कि पेपर लीक मामले में विभिन्न राज्यों में गिरफ्तार आरोपी सिर्फ ठेकेदार हैं, जबकि असली अपराधी कोई और है.

ब्रीफ खबरें

सड़क दुर्घटना में एक युवक की हुई मौत

सिल्ली/मुरी। रांची पुरुलिया मुख्य पथ पर सिल्ली थाना से महज दो सौ मीटर की दूरी पर बुलेट और डिस्कवर मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर हुई. इस टक्कर में डिस्कवर मोटरसाइकिल चालक सुदेश महतो उकी मौत हो गई. डिस्कवर पर पीछे बैठे युवक मंशाराम महतो का एक पैर टूट गया. प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवक अपने घर से मुरी की ओर किसी काम के लिए जा रहे थे।बुलेट में सवार बंता निवासी कपिलदेव गोप एवं पीछे बैठी युवती नीलू कुमारी तथा परी कुमारी घायल हो गए.सिल्ली पुलिस को सूचना मिलते ही थाना के अवर निरीक्षक पंकज कुमार यादव घटनास्थल पहुंचे . सभी घायलों को सिल्ली सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया. जहां सुदेश महतो को डॉक्टर विवेक कुमार के द्वारा मृत घोषित किया गया. अन्य घायलों को बेहतर इलाज हेतु रेफर कर दिया गया. परिजनों ने बेहतर इलाज हेतु घायलों को सिंगपुर नर्सिंग होम ले गए.मृत युवक का शव पुलिस अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु रांची रिम्स भेज दिया.

मंदिर के गुंबज निर्माण में पंचधातु डाला गया

रातू। प्राचीन संकट मोचन महावीर मंदिर का जीर्णोद्धार का कार्य काफी तीव्र गति से हो रहा है. इसी क्रम में गुंबद निर्माण को लेकर पंचधातु पूजा की गई. पूजा के बाद पंचधातु गुंबद में डाला गया. मंदिर के पुजारी अनिल पाठक ने बताया कि शास्त्र के अनुसार गुंबद निर्माण से पहले पंचधातु की पूजा की जाती है. पूजा में सुबोध साहु,विश्वनाथ शर्मा, चिंटु मिश्रा, अभिषेक गुप्ता, राजमन साहु, हरि साहु, राजेश साहु, अशोक प्रियदर्शी, जगदीश साहु, पीएन शाहदेव, अरविंद पांडेय सहित मंदिर समिति के लोग शामिल हुए.

संयोजक स्तरीय महिला निरंकारी संत समागम का आयोजन खूंटी में

रांची। संत निरंकारी मंडल के संयोजक स्तरीय महिला निरंकारी संत समागम खूंटी हुटार निरंकारी सत्संग भवन में आयोजित किया गया है. जहां पर रांची खूंटी खिलारी लोहरदगा और भी कई जगह से महिलाएं इस समागम में भाग लेंगे . उसे प्रभु परमात्मा का यशोगान गीतों के माध्यम से कविता के माध्यम से या फिर नाटक पेश करके इस प्रभु परमात्मा निरंकार के संदेश को सांझा करने का प्रयास करेंगे. खूंटी हुटार मे निरंकारी महिला समागम में 11:00 बजे से 1:30 बजे तक रखा गया है.

बालू लदे दो ट्रैक्टर पुलिस ने जब्त किये

रातू। डीएसपी मुख्यालय -2 अरविंद कुमार सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शनिवार की अहले सुबह 3 बजे रातू थाना क्षेत्र के तिलता ओवरब्रिज के पास छापेमारी कर बालू लदा दो ट्रैक्टरों को जब्त कर लिया. छापामारी होता देख कई चालक ट्रैक्टर लेकर फरार होने में सफल हो गये. जब्त ट्रैक्टरों के चालक से बालू से संबंधित चालान व बिना नंबर के ट्रैक्टर की कागजात की मांग की गई तो वे कोई भी कागजात नहीं दिखा पाए. पुलिस दोनों ट्रैक्टरों को जब्त कर थाना ले आयी है. एक ट्रैक्टर का चालक वाहन छोड़ कर फरार हो गया ,जबकि दूसरे ट्रैक्टर का चालक बुढ़मू थाना क्षेत्र के नाउज निवासी बंगाली महतो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया.

मैनहर्ट घोटाला : हाइकोर्ट से रिट याचिका खारिज होने के बाद विधायक ने लिया निर्णय

घोटालाबाजों के खिलाफ शीघ्र केस दर्ज कराऊंगा : सरयू राय

प्रमुख संवाददाता। रांची

पूर्व मंत्री व जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने कहा है कि मैनहर्ट घोटाले में शामिल आरोपियों के खिलाफ रांची के डोरंडा अथवा धुर्वा थाने में प्राथमिकी दर्ज करायेंगे. मैनहर्ट घोटाला के अभियुक्तों पर कार्रवाई के लिए झारखंड उच्च न्यायालय में दायर रिट याचिका गत 26 जून को खारिज करने के बाद न्यायालय ने इस संबंध में आदेश भी दे दिया है.

उन्होंने बताया है कि याचिका खारिज करते हुए न्यायाधीश ने तीन विकल्प दिये हैं. इसमें कहा गया है कि झारखंड उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीश की खंडपीठ द्वारा 28 सितंबर 2018 को दिये गये आदेश के क्रियान्वयन के लिए उच्च न्यायालय की खंडपीठ में जाएं. घोटाला के दोषियों के विरुद्ध थाना में भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के अनुरूप प्राथमिकी दर्ज करा कर जांच की मांग करें या सक्षम न्यायालय में कार्रवाई के लिए मुकदमा दायर करें. राय ने अपने अधिवक्ता के परामर्श का हवाला देते हुए बताया है कि उन्होंने दूसरा विकल्प चुना है और शीघ्र ही रांची के डोरंडा अथवा धुर्वा थाने में प्राथमिकी दर्ज करायेंगे.

- याचिका खारिज करने के साथ न्यायालय ने दिये थे तीन विकल्प
- कहा- तत्कालीन सरकार ने जांच निष्कर्षों पर नहीं की कार्रवाई

न्यायालय का निर्णय आरोपियों के मुंह पर तमाचा

राय ने बताया है कि गत 26 जून को जब झारखंड उच्च न्यायालय ने उनकी रिट याचिका खारिज करने का निर्णय लिया, तो आरोपी और उनके समर्थकों ने इसे उनके (सरयू राय) लिए एक बड़ा झटका बताया. ऐसा माहौल बनाया कि न्यायालय ने इस संबंध में आरोपों को खारिज कर दिया है. दो दिन बाद 28 जून को न्यायालय का निर्णय आने के बाद उनके मुंह पर तमाचा लगा है. क्योंकि न्याय निर्णय में न्यायाधीश ने उनकी याचिका में उल्लेखित उन बिंदुओं का जिक्र किया है, जिसके अनुसार मैनहर्ट के परामर्शी चयन में भारी अनियमितताएं हुई हैं.

चार साल पहले ही हाईकोर्ट की खंडपीठ ने दिया था निर्णय

रिट याचिका को न्यायालय ने केवल इस आधार पर खारिज किया है कि इस विषय में 28 सितंबर 2018 को झारखंड उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीश की खंडपीठ ने पहले ही निर्णय दिया था कि 'सरकार जांच के निष्कर्षों पर कार्रवाई करे'. लेकिन तत्कालीन सरकार ने इस पर कार्रवाई नहीं की. इसलिए उच्च न्यायालय का कहना है कि इस मामले में एक बार जब दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने निर्णय दे दिया है, तो उस पर एकल पीठ का विचार करना उचित नहीं है. इसलिए न्यायालय ने निर्देश दिया है कि या तो मैं खंडपीठ के समक्ष जाऊं अथवा थाना में एफआईआर दर्ज करांऊ.

एसीबी से प्राथमिक रिपोर्ट लेकर कार्रवाई करे पुलिस

सरयू राय ने मांग की है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने इस मामले में बंद लिफाफा में जो प्राथमिक जांच रिपोर्ट उच्च न्यायालय को सौंपी है, पुलिस उस रिपोर्ट को एसीबी से प्राप्त करे और उस पर कार्रवाई करे. उन्होंने कहा है कि एसीबी ने इस मामले में प्राथमिक जांच की है और मेरी रिट याचिका की सुनवाई के समय झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा मांगे जाने के बाद इसे बंद लिफाफा में न्यायालय को सौंपा है. इस प्राथमिक जांच रिपोर्ट में उन सभी अभियुक्तों के नाम हैं, जिनके विरुद्ध थाना में केस दर्ज कराने का निर्देश उच्च न्यायालय ने दिया है.

न्यूज अपडेट

ओवरब्रिज के नीचे बना गड्ढा, दुर्घटना को दे रहे है आमंत्रण

रातू। एन एच 75 रांची डालटेनगंज मार्ग पर तिलता रिंग रोड ओवर ब्रिज के नीचे बना जानलेवा गड्ढे दुर्घटना को आमंत्रण दे रहे है. विगत वर्ष सरहुल पूजा समिति तिलता के सहयोग से दो गाड़ी गिट्टी गिराकर गड्ढे को अस्थाई तौर से भरा गया था. नाली के अभाव में समूचे चौक का पानी इसी गड्ढे में जमा होता है. इस कारण सड़क बिल्कुल जर्जर हो चुकी है. जो कभी जानलेवा दुर्घटना का कारण बन सकता है. इस गड्ढे के पास अक्सर दुर्घटनाएं होती ही रहती हैं. लोगों ने व्यापक जनहित में इस महत्वपूर्ण सड़क पर बने इस खतरनाक गड्ढे की मरम्मत यथा शीघ्र करानेकी मांग की है.

समारोह आयोजित कर बच्चों को सम्मानित किया

डकरा। अखिल भारतीय युवा नाई संघ खलारी के तत्वावधान में डकरा मोहननगर पंचायत भवन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता मणिभूषण ठाकुर एवं संचालन ओम प्रकाश शर्मा ने किया. कार्यक्रम में सत्र 2023-24 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित किया. इस अवसर पर आयुषी राज, श्रेया कुमारी, सोनू कुमार ठाकुर, अन्वी आनंद, अदिति राज,ओजस्वी ठाकुर, प्रांजल कुमार, सोभाश्री कुमारी, आयुष कुमार ठाकुर, सलोनी कुमारी, रिया कुमारी, नैना कुमारी, शिवम् कुमार, राजू कुमार ठाकुर, सन्नी कुमार, शुभम कुमार ट्रॉफी और मैडल देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा जीवन का आधार है. शिक्षा ऐसा धन है जिसे कोई चुरा नहीं सकता. शिक्षा मनुष्य को अंधकार से उजाले की ओर ले जाता है. इसलिए अपने बच्चो को पढ़ाई लिखाई में कोई कोताही नहीं बरतनी चाहिए. इस मौके गायत्री शर्मा, गुड़िया ठाकुर, निर्मला ठाकुर,श्वेता देवी,धनु ठाकुर, दयानन्द ठाकुर,प्रमोद ठाकुर,महेंद्र ठाकुर,शिव रतन ठाकुर, ओम प्रकाश ठाकुर,नरेश ठाकुर, अर्जुन ठाकुर,निखिल आनंद,राज कुमार ठाकुर, वीरेंद्र ठाकुर आदि सैकड़ो लोग उपस्थित थे.

बलसोकरा अंजुमन इस्लाहुल मुस्लिमीन का हुआ पुनर्गठन

चान्हो। प्रखंड के बलसोकरा में शुक्रवार देर रात तक चली बैठक के बाद अंजुमन इस्लाहुल मुस्लिमीन का पुनर्गठन किया गया. अंजुमन कमेटी में 25 लोगों को शामिल किया गया.अंजुमन के नए अध्यक्ष के रूप में मौलाना अब्दुल कयूम और सचिव रहमातुल्लाह अंसारी. कोषाध्यक्ष हारून रशीद बनाए गए. इस दौरान गांव के सभी लोग शामिल थे. अध्यक्ष चुने जाने के बाद मौलाना अब्दुल कयूम ने कहा कि य कमेटी लंबे समय से निष्क्रिय थी. जिसके कारण गांव समाज में कई तरह के मामले होने पर लोगों को इधर-उधर भटकना पड़ता था. जिससे लोगों को अब निजात मिलेगी. सचिव बनाए गए रहमातुल्लाह अंसारी ने कहा कि कमेटी का कार्य समाज में शिक्षा को बढ़ावा देना. समाज में नशाखोरी को बंद कारना सहित अन्य मामलों पर पूरी मुस्तैदी से सभी सदस्यों को मिलकर काम करना होगा .तब जाकर के बेहतर समाज का निर्माण किया जा सकता है.

विकास विद्यालय किचटो में प्लस टू का नया सत्र शुरू

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के किचटो पंचायत स्थित पिपरवार विकास विद्यालय में प्लस टू में 11वीं कक्षा के नए सत्र का शुभारंभ शनिवार को समारोह आयोजित कर किया गया . समारोह के मुख्य अतिथि किचटो पंसस भाग एक की सुनीता देवी ने दीप प्रज्वलित एवं फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. नए सत्र के 11वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को अनुशासन में रहकर शिक्षा ग्रहण करने के साथ बेहतर भविष्य निर्माण कर विद्यालय सहित क्षेत्र राज्य एवं राष्ट्र का नाम रौशन करने का आह्वान किया. कार्यक्रम में पंचायत की उप मुखिया ललिता देवी,विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पूरन महतो, उपाध्यक्ष सीमा देवी, पूर्व अध्यक्ष नागेश्वर महतो, सदस्य शिवनाथ महतो,संतोष महतो, प्रधानाध्यापक रमाकांत महतो, अजय कुमार , चंदन कुमार ,प्रेमचंद मिंज ,भुवनेश्वर महतो, सुरेंद्र कुमार , आदि शिक्षक सहित काफी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे.

बेल मिलना भी न्याय की एक शुरुआत है: साकिर

ओरमांझी। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को शुक्रवार हाईकोर्ट से बेल मिलने पर झामुमो पार्टी के युवा मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष साकिर अंसारी ने कहा कि न्यायालय से बेल मिलना भी न्याय की एक शुरुआत है. वे शनिवार को मीडिया से बात कर रहे थे. उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम को बेल मिलना सत्य की जीत हुई है. बीजेपी ने झूठे मामले में इतने दिनों तक उलझा कर रखा था, अंतोगत्वा न्याय की जीत हुई है. उन्होंने कहा कि हमलोगों को न्यायालय पर पूरा विश्वास था कि वहां से न्याय जरूर मिलेगा. बीजेपी के षड्यंत्र का बहुत जल्द पर्दाफाश होगा. श्री अंसारी ने कहा कि पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को बेल मिलने से पार्टी कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है. विधानसभा चुनाव में झामुमो मजबूती से गठबंधन के साथियों के साथ उतरेगी। विधानसभा चुनाव में बीजेपी को भारी निराशा हाथ लगने वाली है. पार्टी चुनाव परिणाम में ढाई अंक भी नहीं छू पाएगी. उन्होंने कहा कि जिस तरह से अदालत से बेल मिला है,बहुत जल्द आरोप मुक्त भी हो जायेंगे.

जैप-1 में पुलिस परिवार के सदस्यों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम में अतिथि का स्वागत करते पुलिसकर्मी.

संवाददाता। रांची

पुलिस और पुलिस परिवार के सदस्यों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यह आयोजन शनिवार की रात डोरंडा स्थित जैप 1 ऑडोटोरियम भवन में आयोजित किया गया. यह कार्यक्रम भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद (विदेश मंत्रालय, भारत सरकार क्षेत्रीय कार्यालय, पटना) और रांची पुलिस के सहयोग से आयोजित किया गया. यह कार्यकम पुलिस एवं पुलिस परिवार के सदस्यों के लिए विशेष रूप से कराया गया, ताकि वे अपने व्यस्ततम ड्यूटी में से थोड़े समय के लिए अपने और अपने परिवार के साथ भाग लेकर तनाव मुक्त हो सकें. इस कार्यक्रम में भारी संख्या में रांची पुलिस परिवार के लोग शामिल हुए. जिसमें मुख्य रूप से नटराज कला केन्द्र के प्रभात कुमार महत्तो और उनके सहयोगी दल द्वारा पाईका और छउ नृत्य तथा गणेश वंदना सह महिषासुर वध का शानदार प्रदर्शन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में रांची रेंज के डीआईजी अनुप बिरथरे थे. विशिष्ट अतिथियों में जैप 1 के कमांडेंट राकेश रंजन, सिटी एसपी राजकुमार मेहता, ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली, वरीय अधीक्षक पासपोर्ट कार्यालय रांची सुधीर कुमार समेत कई पुलिस पदाधिकारी और कर्मी शामिल हुए.

बारिश से लोगों को मिली राहत, किसानों के चेहरे खिले

डकरा। डकरा कोयलांचल में भीषण गर्मी का दंश झेल रहे लोगों को शनिवार दोपहर बाद मानसून झमाझम बारिश से बड़ी राहत मिली. बीते कई दिन से भीषण गर्मी पड़ रही थी. गर्मी से लोग परेशान थे और बारिश का इंतजार कर रहे थे. बारिश से मौसम सुहावना हो गया किसानों के चेहरे भी खिल गए . बारिश से डकरा क्षेत्र के नाले-नालियां व सड़कें जलमग्न हो गई. सीसीएल कोयला खदानों के हॉल रोड में फिसलन बढ़ जाने से कुछ देर बड़ी मशीनों का मुवेन्ट रोक दिया गया.

ग्रामीणों ने रास सांसद का किया आभार व्यक्त

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के बारीडीह पंचायत के नया टोली आनंदी में ट्रांसफार्मर जलने के कारण 15 दिन से ग्रामीण काफी परेशान थे. जिसका निवारण के लिए राजेंद्र चौधरी एवं नंदकिशोर मुंडा के नेतृत्व में ग्रामीणों संग राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू के पास पहुंचे. अपना परेशानी को बताया. परेशानी सुनकर सांसद ने संज्ञान में लेकर बिजली विभाग के जीएम से बात किया. राज्य सभा सांसद के पहल से 24 घंटा में नया ट्रांसफार्मर मिल गया.

एचईसी मुख्यालय में सीबीआई ने की जांच

सीबीआई टीम ने दो घंटे तक खंगाले कागजात

संवाददाता। रांची

सीबीआई की टीम शनिवार को धुर्वा स्थित एचईसी मुख्यालय पहुंची. दो गाड़ी में सवार होकर सीबीआई की पांच सदस्य टीम एचईसी के मुख्य कार्यालय में करीब दो घंटे तक कागजात खंगाले. इसके बाद सीबीआई की टीम वापस लौट गयी. सीबीआई की टीम किस मामले को लेकर एचईसी मुख्यालय पहुंची थी, यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है. हालांकि बताया जा रहा है कि

- सीबीआई की पांच सदस्यीय टीम किस मामले में जांच के लिए एचईसी मुख्यालय पहुंची थी, स्पष्ट नहीं
- जांच के समय एचईसी के कोई भी सीनियर अधिकारी मुख्य कार्यालय में मौजूद नहीं थे

सीबीआई की टीम फिर से एचईसी मुख्यालय आ सकती है. बता दें कि सीबीआई की टीम जब मुख्यालय पहुंची तो उस समय एचईसी के कोई भी सीनियर अधिकारी ऑफिस में मौजूद नहीं थे.

तुबेद कोल माइंस के कांटा घर में गोलीबारी

लातेहार। डीवीसी के तुबैद कोल माइंस कोल माइंस के कांटा घर में शुक्रवार की मध्यरात्रि अज्ञात अपराधियों द्वारा गोलीबारी करने की सूचना है. इस गोलीबारी में एक कर्मी घायल भी हुआ है. उसकी पहचान डीवीसी के कंप्यूटर ऑपरेटर आलोक साव (आसनसोल) के रूप में को गई है. उसके जांघ में एक गोली लगी है. सदर अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद घायल को रिम्स रेफर कर दिया गया. जानकारी के अनुसार, तीन की संख्या में आए अपराधियों ने कांटा घर में पांच से सात राउंड गोलीबारी की और एसजी जगुआर नामक संगठन के नाम से एक पर्चा भी छोड़ा है. पर्चा में लेवी देने की चेतावनी दी गई है.

पिछले एक माह में राज्य भर में 5216 आपराधिक मामले सामने आए

झारखंड में हर दिन 173 आपराधिक घटनाएं

- बीते एक माह में सबसे अधिक चोरी के 796, अपहरण के 160, हत्या के 146 और बलात्कार के 140 आपराधिक मामले दर्ज हुए

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड में हर दिन 173 चोरी, छिनतई, डकैती, हत्या, बलात्कार, धमकी समेत अन्य आपराधिक घटनाएं हो रही हैं. पिछले एक माह की बात की जाए, तो राज्य के अलग-अलग जिलों में कुल 5216 आपराधिक मामले सामने आये हैं. इनमें सबसे अधिक चोरी के 796 मामले दर्ज हुए हैं. वहीं अपहरण के 160, हत्या के 146 और बलात्कार के 140 आपराधिक मामले बीते एक माह में दर्ज हुए हैं. बता दें कि बीते कुछ दिनों में अपराधियों ने कई बड़ी आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया है. वर्तमान समय में हो रही आपराधिक घटनाएं राज्य के लिए चिंता का विषय है.

जानें किस जिले में कितनी आपराधिक घटनाएं हुईं

खूंटी :	65	चतरा :	176
गुमला :	134	गिरिडीह :	323
सिमडेगा :	57	धनबाद :	452
लोहरदगा :	58	बोकारो :	336
सरायकेला :	80	दुमका :	144
जमशेदपुर :	131	गोड्डा :	154
पलामू :	445	जामताड़ा :	79
रांची :	765	देवघर :	300
लातेहार :	82	साहिबगंज :	130
गढ़वा :	241	पाकुड़ :	78
हजारीबाग :	376	रेल धनबाद :	61
रामगढ़ :	144	रेल जमशेदपुर :	38
कोडरमा :	123	कुल :	5216

नयी दिशा का सांसद सम्मान समारोह आज

रांची । सामाजिक संस्था नयी दिशा के तत्वावधान में 30 जून को सांसद सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें रांची के सांसद संजय सेठ सम्मानित होंगे. नयी दिशा के कार्यक्रम संयोजक मुकेश काबरा ने बताया कि सम्मान समारोह 30 जून को अपराह्न 12:15 बजे से 1:15 तक लालपुर स्थित होटल लैंडमार्क रांची में होगा. कार्यक्रम में रांची के विभिन्न व्यवसायिक, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं को आमंत्रित किया गया है, जिसमें 35 से भी अधिक संस्थाओं तथा प्रबुद्धजनों द्वारा रक्षा राज्य मंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन कर सम्मान किया जाएगा. नई दिशा के कार्यक्रम प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि 30 जून को आयोजित सम्मान समारोह में धनबाद, हजारीबाग सहित कई जिलों के प्रतिनिधि भाग लेंगे.

झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने की कार्यक्रम की घोषणा, अधिकारियों को निर्देश जारी

सितंबर में होगी झारखंड स्टेट ओलिंपियाड परीक्षा

अवसर : संवाददाता ।रांची

झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के तत्वावधान में सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं के लिए झारखंड स्टेट ओलिंपियाड परीक्षा-2024 की परीक्षा की घोषणा कर दी गयी है तथा उसके लिए तैयारियां प्रारंभ कर दी गयी हैं. परिषद के निदेशक आदित्य रंजन ने इससे संबंधित निर्देश जिला शिक्षा पदाधिकारियों एवं जिला शिक्षा अधीक्षकों को जारी कर दिया है. इस संबंध में जारी पत्र के अनुसार यह परीक्षा सितंबर के दूसरे सप्ताह में आयोजित की जाएगी. यह परीक्षा राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़नेवाले छात्र-छात्राओं के लिए ऐसा अवसर होगा, जो उनके जीवन का मार्ग प्रशस्त करेगा.

उल्लेखनीय है कि ओलिंपियाड परीक्षा में प्रत्येक कक्षा और विषय में सफल विद्यार्थियों को राज्य सरकार की ओर से पुरस्कार स्वरूप टैब प्रदान किया जाता है. इसके साथ ही उन्हें आगे की पढ़ाई में अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है. परिषद द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार इस परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए विद्यार्थी गुगल फार्म पर 31 जुलाई तक अपना निबंधन करा सकेंगे. इस ओलिंपियाड परीक्षा में कक्षा सात, आठ एवं नौ के विद्यार्थी सम्मिलित होंगे. यह परीक्षा गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान तथा सामान्य ज्ञान की होगी. विद्यार्थी एक या एक से अधिक विषय की परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे. इस परीक्षा में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा. परीक्षा के आयोजन की जिम्मेदारी परिषद की ही होगी. निदेशक ने सभी पदाधिकारियों को इस परीक्षा में अधिक से अधिक विद्यार्थियों के निबंधन तथा उनकी तैयारी के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है. परिषद द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि यह परीक्षा सबसे पहले जिला स्तर पर आयोजित होगी, जिसके माध्यम से प्रत्येक कक्षा एवं विषय में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर चयनित विद्यार्थी राज्य स्तरीय परीक्षा में सम्मिलित होंगे। यह परीक्षा ओएमआर शीट पर होगी.

क्या होगा परीक्षा का पैटर्न

परिषद द्वारा जारी पत्र के अनुसार इस परीक्षा में 50 प्रश्न इतने ही अंकों के पूछे जाएंगे . इनमें 35 प्रश्न विषय से संबंधित वस्तुनिष्ठ होंगे . दस प्रश्न तार्किक तथा पांच प्रश्न संबंधित विषय के कठिन प्रश्न होंगे . सभी प्रश्न हिंदी भाषा में होंगे . प्रत्येक प्रश्न का मान एक अंक होगा . गलत उत्तर पर कोई अंक नहीं काटा जाएगा . परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र परिषद द्वारा तैयार किया जाएगा .

न्यूज अपडेट

मांडर में नशा विमुक्ति केंद्र का हुआ उद्घाटन

रिहा कृपा नशा विमुक्ति केंद्र का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि.

रांची। मांडर के कास्टेंट लिवंस हॉस्पिटल में शनिवार को रिहा कृपा नशा विमुक्ति केंद्र का उद्घाटन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आर्च बिशप विसेंट आइंद, गुमला के बिशप लिनुस पिंगल एक्का, खूंटी के बिशप विनय कंडूलना, फादर आंनद डेविड खलखो, निर्देशक फ़ादर रायमंड केरकेट्टा, फ़ादर प्रसन्न तिर्की, पुरोहित, फ़ादर नीलम तीडू, फ़ादर अल्बर्ट लकड़ा, फादर अनुज सोरेंग, मांडर विधायक नेहा शिल्पी तिर्की, पूर्व विधायक बन्धु तिर्की शामिल हुए. इस अवसर पर आर्च बिशप विसेंट आइंद ने कहा कि सेवा देने वाले व्यक्तियों को सबसे पहले नशा से मुक्त रहने की सलाह दी.

अमरनाथ के लिए 30 तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना

श्री अमरनाथ दर्शन के लिए रवाना होते तीर्थयात्री.

रांची । बाबा अमरनाथ की यात्रा शनिवार से शुरू हो गयी है. श्री अमरनाथ दर्शन के लिए हर जगह से तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना हो रहा है. इसी क्रम में शनिवार को रांची के हटिया से जय भोले के नारे के साथ 30 तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना हुआ. इस दौरान सभी तीर्थयात्री काफी उत्साहित नजर आये. यह जत्था 1 जुलाई को बाबा बर्फानी के दर्शन करेगा. इसके बाद सभी लोग श्रीनगर के श्री शंकराचार्य मंदिर, माता वैष्णो देवी और शिव खोड़ी के दर्शन करते हुए 8 जुलाई को रांची लौटेंगे. 30 तीर्थयात्रियों के जत्थे में अजय शंकर कुमार, संतोष वर्मा, रमेश सोमानी, दिलीप सिंह, अरुण कुमार, किशोर कुमार चौबे, धर्मेंद्र, रामकेश्वर महतो, आशीष, विजय, अजय साह, सृष्टि, आरुषी, अंकिता, मीना देवी, सूरज प्रसाद, कृष्णा, कन्हैया, सुनील, अजित, परमेश्वर, राहुल, विकास, अंकित राज, श्रेया, सारिका, अमीता देवी, अक्षत, पवन आदि शामिल हैं.

मनायी गयी राहुल देव बर्मन की 85वीं जयंती

कलाकार को सम्मानित करते किशोर कुमार फैन्स क्लब के सौमेन मुखर्जी.

रांची। किशोर कुमार फैन्स क्लब के तत्वावधान में संगीत के जादूगर राहुल देव बर्मन की 85वीं जयंती पर संगीत संध्या का आयोजन किया गया. लालपुर के एक होटल में आयोजित उक्त कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय सिनेमा और संगीत जगत के प्रमुख संगीतकार एवं पार्श्वगायक राहुल देव बर्मन के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई. संगीत संध्या में स्थानीय कलाकारों ने पंचम दा के अमर गीत-संगीत की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया. मंच संचालन शुभाशीष चटर्जी ने किया. संगीत संध्या के आयोजन में संगठन के संस्थापक सौमेन मुखर्जी, मिष्टू गुहा, सुहृद सरकार, सौरभ रॉय, अभिजीत भट्टाचार्य, जगदीश सिंह जग्गू, पीके लाला, अरशद उबैद, विजय राजगढ़िया, आनंद जालान समेत अन्य की भागीदारी रही.

श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड में चला 118वां साप्ताहिक भंडारा

प्रसन्न मुद्रा में श्रीश्याम भंडारा का प्रसाद लेती स्कूल की छात्राएं.

संवाददाता ।रांची

श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड में शनिवार को साप्ताहिक 118वां भंडारा वृहत रूप में चलाया गया. इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद रूप में स्वादिष्ट व्यंजन ग्रहण किया. देर शाम तक प्रसाद पाने को कतार लगी रही. इससे पूर्व शाम चार बजे पूजा-अर्चना कर मंदिर में विराजमान खाटू नरेश सहित अन्य देवी-देवता और गुरुजनों को भोग निवेदित किया गया. पहले ब्रह्मणों ने प्रसाद ग्रहण किया. फिर आम जन के बीच बांटा गया. श्रीश्याम मित्र मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया और उपमंत्री अनिल नारनोली के सान्निध्य में अजय और बरखा जैन ने यजमान के रूप में पूजा-अर्चना कर मंगल कामना की. अध्यक्ष सुरेश सरावगी, गौरव अग्रवाल मोनू, मयंक, ऋषिका, मनीष जैन, निमित जैन, पूर्व सांसद अजय मारू, श्याम सुंदर शर्मा, अनुज मोदी, अमित सरावगी, आनंद गोयल, विशांत तोदी, किशन गोयल, अभिषेक सरावगी, कौशल चौधरी आदि ने इसमें मुख्य योगदान दिया.

टी-20 विश्वकप के फाइनल में जीत के लिए हवन

भारत की जीत को लेकर पूजन-हवन करते लोग.

रांची। पहाड़ी मंदिर में शनिवार को क्रिकेट प्रेमियों ने टी-20 विश्वकप में भारत की जीत को लेकर पूजन-हवन किया. श्रीशिव बारात आयोजन महासमिति के अध्यक्ष राजेश साहू और बादल सिंह संग युवाओं ने पहाड़ी बाबा से टीम इंडिया के विश्वविजय होने का वर मांगा. पुजारी मनोज मिश्रा, पिंटू पांडेय, पंकज कुमार, बेबी देवी , संदीप,पिंटू, शालिनी, रोशनी , प्रदीप , शेरू , ममता , अमन सिंह , मेहुल प्रसाद , दीपक नन्दा , राज कुमार तलेजा , उर्मिला चौधरी आदि ने इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लिया.

जेवियर्स कॉलेज में मना सांख्यिकी दिवस, सेमिनार में बोले विशेषज्ञ

आम जीवन में उपयोगी है सांख्यिकी, हैं कई फायदे

- छात्रों ने सांख्यिकी विषय पर मनमोहक नाट्य प्रस्तुत किया
- प्रतियोगिताओं का आयोजन पुरस्कार भी बांटे गये

संवाददाता ।रांची

संत जेवियर्स कॉलेज में आयोजित सेमिनार का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि डॉ. केसी प्रसाद एवं अन्य.

सांख्यिकी आम जीवन में उपयोगी होने के साथ जरूरी भी है. इसके अनेक फायदे हैं. करियर को लेकर भी इसमें अपार संभावनाएं हैं. यह बात विशेषज्ञों ने संत जेवियर्स कॉलेज में सांख्यिकी क्यों विषयक सेमिनार में कही.

यहां राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस, प्रो प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती पर गणित और सांख्यिकी विभाग, एनएसएसओ, आईक्यूएसी और झारखंड सांख्यिकी सोसाइटी की ओर से इसका खास आयोजन किया गया. दिन के साढ़े दस बजे दीप प्रज्वलन से इसकी शुरुआत हुई. स्वागत भाषण कर विषय प्रवेश कराते हुए गणित और सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. रमन कुमार दास ने विभाग के इतिहास और सफलता के बारे में बताया.अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. फादर नाबोर लकड़ा ने समाज में सांख्यिकी की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला. कहा कि हर क्षेत्र में इसकी अत्याधिक उपयोगिता है. गोष्ठी और सेमिनार के जरिए विद्यार्थियों को मंच प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा सकता है. मुख्य अतिथि प्रो केसी प्रसाद ने भारतीय सांख्यिकी के जनक और वैज्ञानिक डॉ. पीसी महालनोबिस के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला.

एनएसएसओ के उप निदेशक रोशन लाल मीणा ने कहा कि शोध करने के लिए आंकड़ों का विश्लेषण करना बहुत जरूरी है. इस कार्य में सांख्यिकी बहुत मदद कर रही है.

कार्यालय प्रभारी सी सत्यम ने एनएसएसओ की कार्य प्रणाली के बारे में जानकारी दी. अन्य वक्ताओं ने भी विचार व्यक्त करते हुए सांख्यिकी को अत्यधिक उपयोगी बताया. मौके पर बिरसा एग्रीकल्चर महाविद्यालय के प्रो. एनसी दास ने अपनी नयी किताब "इंटरप्रेन्योरियल डिज़ाइन फॉर स्टार्ट-अप्स" का विमोचन भी किया. छात्रों ने सांख्यिकी विषय पर मनमोहक नाट्य प्रस्तुत कर सब का मन मोहा. एनएसएसओ की ओर से छात्रों के बीच प्रतियोगिता आयोजित कर पुरस्कार भी बांटे गये. उप प्रधानाध्यापक डॉ. फादर प्रदीप कुजूर, आरके दास, सचिव एसडी सिंह, मनोवैज्ञानिक डॉ. गोविंद पी शर्मा, बिरसा एग्रीकल्चर महाविद्यालय के शिक्षक और एनएसएसओ अधिकारी और कर्मचारी ने इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लिया.

दो दिवसीय प्रतिभा चयन ट्रायल संपन्न, 1400 खिलाड़ी हुए शामिल

खेल संवाददाता।रांची

चयन ट्रायल में हिस्सा लेते किलाड़ी.

झारखंड खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा आवासीय खेल प्रशिक्षण केंद्र और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एकलव्य केंद्रों) के लिए चयन ट्रायल चल रहा है. दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडलीय स्तर (रांची, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा) पर दो दिवसीय प्रतिभा चयन ट्रायल प्रतियोगिता के दूसरे दिन लगभग 800 खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लिया. पहले दिन लगभग 600 खिलाड़ी शामिल हुए थे. दो दिनों में लगभग 1400 खिलाड़ियों ने अपने कौशल का टेस्ट दिया. विभाग द्वारा आयोजित आवासीय क्रीड़ा केंद्र, सीएम एक्सीलेंस केन्द्र (एकलव्य केंद्र) में फुटबॉल, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तीरंदाजी, हॉकी खेल में रिक्त स्थानों को भरा जाएगा.

दूसरे दिन हॉकी में 443 , फुटबॉल में 173 , आर्चरी में 069 , एथलेटिक्स में 78 , बैडमिंटन में 15 कुल 778 खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लिया. इस चयन प्रतियोगिता के दूसरे दिन जिला खेल पदाधिकारी, रांची शिवेंद्र कुमार ने सभी खिलाड़ियों को संबोधित कर सरकार की सारी सुविधाओं बारीकी से जानकारी दी.

जिला खेल समन्वयक आशीष कुमार बनर्जी ने चयन प्रतियोगिता के दौरान सभी आवश्यक सामग्री को उपलब्ध कराने में सहयोग किया. जबकि चयन प्रतियोगिता का संचालन खो-खो प्रशिक्षक अजय झा ने किया. इस अवसर पर विभाग के प्रशिक्षक भरत कुमार साहू,संजू कुमार, सौरभ कुमार,अंजलूस तिर्की, सुनील महली,वीणा केरकेट्टा,करम मुंडा, जेम्स पूर्ति, हसन अंसारी,काली चरण महतो, करुणा पूर्ति,सोना राम चाम्पिया,गोपाल तिर्की,रेमेण्ड मिंज, राजू साहू, तपन कुमार राउत, हरीश कुमार, शिशिर कुमार सहित कई अन्य प्रशिक्षक के साथ विभाग के बिरसी मुंडू, मुकेश कुमार ने काफी सहयोग कर दूसरे दिन के चयन प्रक्रिया को सफल पूर्वक संपन्न कराया.

सफलता प्राप्त करने के लिए समर्पण और कड़ी मेहनत जरूरी

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र को सम्मानित करते मुख्य अतिथि.

संत जॉन स्कूल का वार्षिकोत्सव

संवाददाता।रांची

संत जॉन स्कूल में शनिवार को वार्षिक उत्सव मनाया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एक्सआईएसएस के निदेशक जोसेफ मारियानस कुजूर तथा संत जेवियर्स कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. फादर नाबोर लकड़ा शामिल हुए. मुख्य अतिथि डॉ. फादर नाबोर लकड़ा ने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए समर्पण और कड़ी मेहनत की जरूरत है. उन्होंने छात्रों को समर्पण, उत्साह और सीखने के प्रति प्रेम के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की सलाह दी और कहा कि जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अपने भीतर के गुणों को तलाशे. ताकि पढ़ लिख कर अपने भविष्य को उज्वल बना सकें.

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र सम्मानित : कक्षा 6 से 8 के छात्रों ने मीडिया के प्रभाव को दर्शाते हुए एक विषयगत नृत्य प्रस्तुत किया, इसके नकारात्मक पहलुओं, चुनौतियों और लत पर काबू पाने की रणनीतियों को प्रदर्शित किया. कक्षा 9 से 12 के छात्रों ने एक व्यक्ति की सफलता प्राप्त करने में कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और माता-पिता, दोस्तों और समाज के निरंतर प्रयास के मूल्यों को दर्शाते हुए एक विषयगत नृत्य प्रस्तुत किया.

रांची जिले में एक लाख 33 हजार बच्चे मध्याह्न भोजन से लाभान्वित

खास बातें

- 2128 विद्यालयों में संचालित है मध्याह्न भोजन योजना
- जिला के विद्यालयों में मई में छात्रों की उपस्थिति 65 .66%

संवाददाता।रांची

पीएम पोषण योजनांगत जिला स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में अधिकारी गण.

रांची डीसी-सह-अध्यक्ष जिला स्तरीय स्टीयरिंग मॉनिटरिंग कमेटी राहुल कुमार सिन्हा के निर्देशानुसार शनिवार को समाहरणालय में पीएम पोषण योजनांगत जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक हुई. इसमें जिला शिक्षा अधीक्षक मिथलेश केरेकेट्टा, सिविल सर्जन कार्यालय रांची के प्रतिनिधि एवं संबंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे. बैठक में बताया गया कि जिला के विद्यालयों में मई महीने में छात्रों की उपस्थिति 65.66 प्रतिशत रही. वहीं जून महीने में 1 लाख 33 हजार 102 बच्चे मध्याह्न भोजन से लाभान्वित हुए. बता दें कि मध्याह्न भोजन योजना अंतर्गत जिले में कुल-2128 विद्यालयों में मध्याह्न भोजन संचालित है. इसके अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय 2190, मध्य विद्यालय-791, उच्च विद्यालय-47 ऐर मॉडल विद्यालय-08 उच्च विद्यालय में शामिल है.

मध्याह्न भोजन के लिए चावल की स्कूल स्टेप डिलीवरी

जिला शिक्षा अधीक्षक ने बैठक में बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में स्कूलों तक चावल पहुंचाने के लिए निविदा के माध्यम से एजेंसी द्वारा विद्यालय में चावल पहुंचाया गया था . इसमें निविदा एकरानामा के अंतर्गत निविदादाता द्वारा बैंक गारंटी उपलब्ध कराया गया था . बैंक द्वारा पत्र के माध्यम से बताया गया है कि बैंक गारंटी की समय सीमा समाप्त हो चुकी है . ऐसी स्थिति में उक्त राशि का क्या किया जाए . डीसी के निर्देशानुसार उक्त राशि को जिला शिक्षा अधीक्षक के पद नाम से संचालित बैंक खाता में सुरक्षित रख लिया जाए . जब तक निविदा दाता द्वारा बैकलॉग चावल विद्यालय को उपलब्ध नहीं कर दिया जाता, तब तक राशि जिला शिक्षा अधीक्षक के पदनाम से संचालित खाता में सुरक्षित रहेगी .

त्योहार सेंट्रल मुहर्रम कमेटी की बैठक में लिया गया निर्णय, समय की पाबंदी पर जोर

पूरे अकीदत व एहतराम से निकलेगा मुहर्रम का जुलूस

संवाददाता।रांची

मुहर्रम का जुलूस निकालने लेकर सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के सदस्यों ने बैठक की.

सेंट्रल मुहर्रम कमेटी की बैठक मधुबन मार्केट मेन रोड स्थित प्रधान कार्यालय में कमेटी के सरपरस्त मो. सईद की सरपरस्ती व कमेटी के अध्यक्ष जावेद गद्दी की अध्यक्षता में मुहर्रम का जुलूस निकालने के संबंध में आवश्यक बैठक हुई.

बैठक में तीनों प्रमुख खलीफा क्रमशः धवताल अखाड़ा के पप्पू गद्दी खलीफा, इमाम बख्श अखाड़ा के मो महजूद खलीफा, लीलू अली अखाड़ा के मो सजाद खलीफा के साथ साथ तीनों प्रमुख अखाड़े के अधीन आने वाले तमाम क्षेत्रीय खलीफा एवं पदधारी, सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के प्रमुख पदधारी एवं सदस्यगण शामिल हुए. सर्वसम्मति से इस वर्ष 2024 के मुहर्रम का जुलूस पूरे अकीदत व एहतराम से तथा आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ निकाले जाने का निर्णय लिया गया.

निर्णय लिया गया कि मुहर्रम का चांद नजर आ जाने के बाद मुहर्रम से संबंधित तमाम कार्यक्रम पूर्व की तरह प्रत्येक अखाड़े व इमामबाड़े में आयोजित किए जायेंगे एवं इस वर्ष के मुहर्रम को सफल बनाने के लिए प्रत्येक अखाड़ा धारियों के लिए गाईड लाईन भी जारी कर दी जायेगी. निर्णय लिया गया कि मुहर्रम के जुलूस की सफलता के लिए तीनों प्रमुख खलीफा अपने अपने नेतृत्व में अपने क्षेत्रीय खलीफाओं एवं पदधारियों के साथ क्षेत्रीय स्तर पर बैठक कर लेंगे.

बैठक में मुख्य रूप से सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के सरपरस्त मो सईद, अध्यक्ष जावेद गद्दी, धवताल अखाड़ा के प्रमुख खलीफा पप्पू गद्दी, इमाम बख्श अखाड़ा के प्रमुख खलीफा मो महजूद, सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के महासचिव अकीलुर्रहमान, प्रवक्ता मो इसलाम, उपाध्यक्ष मो. आफताब, मो. तौहीद, मासूम गद्दी, अब्दुल कादिर रबानी, सजाद इदरीसी, मो एकराम, मंसूर चिश्ती, महबूब आलम, जमील गद्दी, गुड्डू राजा, रोजन गद्दी, करीम खान, परवेज आलम, शाहिद अय्यूबी, मो शोएब,मो हसन, मो शफीक, गुलाम रसूल, मेराज अशरफी, मो सरवर, मो कलाम, शफीक खलीफा, अब्दुल आरिफ, इबरार गद्दी आदि खलीफा एवं पदधारी शामिल थे. संचालन महासचिव अकीलुर्रहमान, धन्यवाद ज्ञापन प्रवक्ता मो इसलाम ने किया. बैठक में सरकार द्वारा पूरे राज्य में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान का पुरजोर समर्थन किया गया एवं वर्ष 2024 के मुहर्रम का जुलूस निकाले जाने वाले जुलूस के समय की पाबंदी पर बल दिया गया.

शिक्षकों को भी एमएसीपी का लाभ दे राज्य सरकार : उर्दू शिक्षक संघ

संवाददाता।रांची

जानकारी देते झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद.

झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ ने राज्य के मुख्यमंत्री, सचिव, स्कूली एवं साक्षरता विभाग, निदेशक प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा से वर्षों से प्रोन्नति से वंचित राज्य के तीनों संवर्ग प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षकों के लिए एमएसीपी का लाभ दिये जाने का आग्रह किया है. इस संबंध में ज्ञापन सौंपा है.

संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद ने कहा कि झारखंड राज्य में वर्षों से कार्यरत प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षकों को जटिल एवं अस्पष्ट प्रोन्नति नियमावली के कारण विभिन्न कोटि में प्रोन्नति अब तक लंबित है, जिससे शिक्षक अपने मौलिक पद से बिना कोई अतिरिक्त पद, लाभ या प्रोन्नति मिले ही सेवानिवृत्त होते जा रहे हैं. राज्य के सभी संवर्ग के शिक्षकों में मानसिक अवसाद से ग्रसित होने का एक बड़ा कारण यह भी है. ऐसी परिस्थिति में राज्य के सभी संवर्ग (प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक) के शिक्षकों को भी झारखंड राज्य के अन्य कर्मियों के समान एमएसीपी का लाभ दिया जाना बेहतर होगा.

"नियमों का निर्माण मनुष्य के लिए हुआ है, मनुष्य का निर्माण नियमों के लिए नहीं हुआ है. नहीं कहने से तुम्हारे चरित्र की शक्ति प्रकट होती है. अपने काम को चांद, तारों और सूरज की तरह निःस्वार्थ बनाओ, तभी सफलता मिलेगी और बहुत देर तक बनी भी रहेगी. –स्वामी रामतीर्थ."

शुभम संदेश
रांची, रविवार 30 जून, 2024
08

सुकूं के चांद पे जाओ तो कोई बात बने

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उर्दू साहित्य के मशहूर शायर नाज ख़यालवी साहब कह गये हैं-दिल का हर ज़ख्म जवां हो तो ग़ज़ल होती है, दर्द नस-नस में रवां हो तो ग़ज़ल होती है. आम दिलों को बाग-बाग करने के प्रयास में किसी शायर के दिल में ग़ज़ल कैसे उतरती है, यही बताने की कोशिश नाज साहब की इस ग़ज़ल में महसूस होती है. ऐसी ही कोशिश कवि विजय वाते की इस ग़ज़ल में देखी जा सकती है- दर्द में उम्र बसर हो तो ग़ज़ल होती है. या तेरा साथ अगर हो तो ग़ज़ल होती है. तेरे आने की ख़बर रोज़ कहां आती है कब कोई ऐसी ख़बर हो तो ग़ज़ल होती है. सच तो यही है कि कविता या शायरी का उद्गम स्थल वियोग और व्यथा ही है. प्राचीनकाल में अरबी भाषा से निकल कर फारसी और उर्दू होते हुए हिंदी भाषा तक पर अपनी हुकूमत कायम करने में कामयाब रही साहित्य की लोकप्रिय विधा ग़ज़ल का वर्ण्य विषय शुरुआती दौर में भले ही प्यार-मुहब्बत रहा हो, लेकिन आज उर्दू और हिंदी के शायरों ने यह साबित कर दिया है कि ग़ज़ल में हर बात कहने की भरपूर क्षमता है. आज ग़ज़ल केवल किसी माशूका के जुल्फों के जाल में उलझी नहीं रहती, बल्कि जिंदगी के हर मुकाम पर अपनी पैनी नज़र रखती है और दिल के समंदर में गोते लगाकर विचारों के ऐसे मोती चुन लाती है, जिसे देख-सुन कर ऐसा लगता है कि कोई बड़ा करामात हो गयी. ऐसी करामात महसूस करनी हो तो झारखंड के जानेमाने और उर्दू साहित्य में धड़ल्ले से पहचानेवाले शायर **नसीर अफसर** की इस ग़ज़ल को अपने दिल के आईने में उतारने की कोशिश अवश्य करें. नसीर साहब कहते हैं-

मेरे क़रीब जो आओ तो कोई बात बने,
वफा के हाथ बढ़ाओ तो कोई बात बने।
दुखों की तीरगी में जी रहे हो बरसों से,
सुकूं के चांद पे जाओ तो कोई बात बने।
यह ज़िन्दगी भी गरां बोझ बन न जाये अब,
दुखों से खुद को बचाओ तो कोई बात बने।
ग़मों की धूप में रहना नहीं अच्छा होगा,
ग़लत उसूल हटाओ तो कोई बात बने।
थकावटों की जगह नींद क्यों नहीं आती,
इसे भी फिक्र में लाओ तो कोई बात बने।
क़दम क़दम पे बढ़े बोझ यह है ना समझी,
क़दम समझ के उठाओ तो कोई बात बने।
चमन में जूही खिले बेला और गुलाब अफसर,
चमन को ऐसे सजाओ तो कोई बात बने।

नसीर साहब उम्र, अनुभव और लेखन शैली के हिसाब से प्रौढ़ शायर हैं. देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में इनकी गजलें शोभा बढ़ाती रहती हैं, आकाशवाणी और दूरदर्शन पर समय-समय पर गूंजती रहती हैं. काव्य मंचों पर इनकी पेशकश लाजवाब होती है. 'पहला सफर' इनका लोकप्रिय ग़ज़ल संग्रह है, जिसका प्रकाशन पहले उर्दू और फिर बाद में हिंदी में हुआ और बहुत ही लोकप्रिय है. इसका प्रमाण है डॉ. मसूद जामी की पुस्तक 'नसीर अफसर : फन और शख्सियत'. इन्हीं की तरह ग़ज़ल की दुनिया में एक नाम लोगों की जुबां पर आने लगा है, जिसे हम **शमा फ़िरोज** के रूप में जानते हैं. काव्यप्रेमियों के लिए इनका ग़ज़ल संग्रह "शम'अ-ए-फ़रोज़ां" धरोहर है. इनकी बेहतरीन ग़ज़लों का कायल तो हर कोई सहज ही हो जाता है. यदि मुझ पर यकीन न हो तो इनकी यह ग़ज़ल खुद ही देख लीजिए.

तभी तो कोशिशें करते हैं हम दुनिया सजाने की
तमन्ना है हमारी इक नया सूरज उगाने की
किसी दिन देखना पहुंचेंगे हम भी उस बुलंदी पर
करेंगे कोशिशें हम आसमां से तारे लाने की
खुदा से जो भी मांगा जिंदगी में वो मिला हमको
यही तो वजह है हमदम हमारे मुस्कराने की
ग़ज़ल और गीत सीखे हैं सभी हमने अदीबों से
लगन रहती हमेशा है इन्हें बस गुनगुनाने की.
कभी आये मुसीबत साथ देना साथिया मेरा,
नहीं कोशिश कभी करना मुझे तू भूल जाने की.
जरा सी बात पर नाराज क्यों हो जाते हो जानम
कसम क्या खा रखी है "शम'अ" को तुमने सताने की.

इन प्यारी-प्यारी ग़ज़लों की रचना के लिए नसीर साहब और शमा फिरोज की कलम को सलाम करता हूं. इस उम्मीद के साथ कि इनसे साहित्य की वाटिका को खाद-पानी मिलता रहेगा. अब चलते हैं वर्तमान की ओर जहां उमड़ते-घुमड़ते मेघों को लेकर आषाढ़ मचल रहा है, लेकिन बारिश की एक-एक बूंद के लिए लोगों की आंखें थक रही हैं. गर्मी से हाल-बेहाल है तो किसानों की सांसें अटक रही हैं. डालटनगंज निवासी वयोवृद्ध कवि **श्रीधर द्विवेदी** अपने पावस गीत में तमाम धरती वासियों की व्यथा को इस प्रकार मुखरित कर रहे हैं-

ऐ! आषाढ़ के पहले बादल, स्वागत, अभिनन्दन, वन्दन।
पलामू की प्यासी धरती पर, उमग-उमग जल बरसो हे घन।
जीवजंतु हैं आकुल व्याकुल लोट- पोट मरते हैं खग कुल
सूखे- शजर, ठूठ बंजर वन उमग-उमग जल बरसो हे घन।
सूखी नदिया ताल तलैया आतप ऐसा, दंश- तलैया
जल बिन तरसे गांव नगर जन उमग- उमग जल बरसो हे घन।।
महुआ जला पलाश दहक गये सखुए के सब पात दहक गये
डहक गए सब मोर सघन वन उमग-उमग जल बरसो हे घन।।
फटी- दरारें जलती-छाती लूट- गई धरती की थाती
अरे आषाढ़ तू अबतक अनमन। उमग- उमग जल बरसो हे घन।।

जब दिल में दर्द के बादल उमड़-घुमड़ रहे हों तो आकाश में मंडरानेवाले विकराल मेघ भी राहत नहीं पहुंचा पाते, चाहे जितना भी बरस लें. जब व्यथा असह्य हो जाती है तो मुख से फूट पड़ता है क्रंदन, लेकिन कोई सुननेवाला नहीं होता. इसलिए कि हर हृदय में किसी न किसी बहाने वेदना विराजमान होती है. आखिर कोई स्वयं झेले या दूसरों के दिलों की आग से खेले? रांची की कवयित्री **संध्या उर्वशी** अपनी रचना में वेदना को इस प्रकार अभिव्यक्ति देने का प्रयास कर रही हैं-

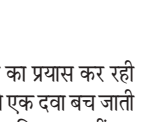

अंतर मन से झड़ी वेदना अखियां अश्रु बहे
पर तुम क्यों मौन रहे?
घटनाओं को देखकर आगे बढ़ना है
धीरे-धीरे पग धरकर तब सीढ़ी चढ़ना है
तब भारी था तुम्हें देखना यह मन यही कहे
अंतर मन से झड़ी वेदना अखियां अश्रु बहे
पर तुम क्यों मौन रहे?
कौन सुना तब वंदन क्रंदन बधिर लोग सारे
सन्नाटा तब प्रबल हो गया युद्ध सकल सारे
व्यर्थ हुआ उनको कूरेदना सब कुछ हमी सहे
अंतर मन से झड़ी वेदना अखियां अश्रु बहे
पर तुम क्यों मौन रहे?
दूर कहीं थोड़ी सी आशा शेष हृदय में है
निष्फलता के प्रति प्रभाव से सब संशय में हैं
कुछ पग चलकर जगी चेतना
उठकर बांह गहे
अंतर मन से झड़ी वेदना अखियां अश्रु बहे
पर तुम क्यों मौन रहे?

वेदना इस प्रकार जब चरम को छूने का प्रयास कर रही हो तो एक व्यक्ति के पास तत्काल तो एक दवा बच जाती है और वह है धैर्य. वेदना लंबी अवधि तक नहीं रह सकती. कुछ देर तक तड़पा कर वह चली जाती है और फिर धीरे-धीरे सबकुछ ठीक होता चला जाता है. सुख और दुःख का दौर तो चलता ही रहता है. ईश्वर करें सबके जीवन में सुख ही सुख हो. बस, इसी के साथ आपकी आज्ञा चाहता हूं. जय हिंद! जय झारखंड!!

समुद्र, प्रकृति और मनुष्य

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

2024 बहुत मायनों में विशिष्ट रहा. बहुत सारी पुरानी कहावतें,पुरानी बचपन में सुनी बातें याद आने लगी. पश्चिम के किसी भविष्यवक्ता ने भविष्यवाणी की थी कि इस वर्ष आसमान से अग्नि ज्वाला बरसेगी. अगर शाब्दिक अर्थ ढूंढा जाय तो कठिनाई हो सकती है, पर अगर भावार्थ समझें तो इस बात में पूरी सच्चाई दिखाई देगी. एक समाचार देखा कि पश्चिमी देश के किसी संग्रहालय में मोम में तराशी मूर्तियां पिघल गयी. भारत में लू की चपेट में सैकड़ों लोगों की जान चली गयी. दिल्ली का तापमान 50 डिग्री छू रहा था. मॉनसून इस बार मौसम वैज्ञानिकों के साथ लुका छिपी खेलता रहा. सारे अनुमान असत्य साबित होते रहे. विकास होता रहा, प्राकृतिक पहाड़ काटे जाते रहे, सड़कें चौड़ी होती गयीं, कंक्रीट के जंगल बढ़ते गए, एयरकंडिशनर की बिक्री बढ़ती गयी, अर्थव्यवस्था सुधरती गयी, सामान्य तापमान दो-तीन-चार पांच बढ़ती गयी, एयर कंडीशनरों में आग लगती गयी. 'ग्लोबल वार्मिंग' पर महानगर से लेकर छोटे कस्बों के वातानुकूलित कक्षों में 'गंभीर' चर्चाएं होती रही, पानी का जलस्तर और नीचे गिरते गए, नदी -तालाबों का पक्कीकरण किया जाता रहा और भीषण जंगलों को काटकर विकास के कारखाने बनते गए. आम लोगों को कुआं और नल से पानी नहीं मिल रहा. बड़े 'विद्वान विचारक', नीति निर्धारक कहते हैं कि आर्थिक विकास होने पर सब सुधर जाएगा .आपने अखबार के रंगीन पन्नों पर एक डेढ़ इंच के पौधे को मोटे बीसियों प्रकृति प्रेमियों के साथ घिरा फ़ोटो देखा होगा. उसके नीचे की टिप्पणी भी देखी होगी कि 'फलाना जी, ठेकाना जी ने पर्यावरण की रक्षा के लिए पेड़ लगाया'. आपने गौर किया होगा कि सत्ता कभी "पौधे" नहीं लगाती है, हमेशा "पेड़" लगाती है. हज़ारों एकड़ के प्रकृति प्रदत्त जंगलों को तहस नहस कर लोग एक 'पेड़' लगाते हैं. हमें इस बात पर ज़रूर ध्यान देना चाहिए कि कितने भी ज्ञानी हो जाएं, कितने भी विध्वंश की शक्ति अर्जित कर लें, हिमालय से प्राकृतिक नदियों की धारा मोड़ लें, पहाड़ों को डायनामाइट से उड़ा दें, पर समुद्र पर उसका कोई नियंत्रण नहीं. सुनामी और समुद्री तूफान के सामने असहाय दीनहीन खड़ा रहता है. समुद्र जितना विशाल और सुंदर है उतना ही शक्तिशाली भी. कोई मानवीय शक्ति उसके सामने असहाय है. त्रिवेंद्रम के सुंदर 'शनमुघम बीच' को तलाशता एक वर्ष बाद जब मैं पहुंचा तो वहां के लोगों ने बताया कि समुद्र ने उसे अपने आगोश में ले लिया. न जाने कितने द्वीप डूब गए. समुद्र,सुनामी भूकंप हमें प्रकृति के विराट महाशक्ति की याद दिलाते हैं. श्रेयस्कर हो कि हम प्रकृति को चुनौती न दें, क्योंकि उसकी चुनौती संसार और मनुष्य के विनाश का कारण बन जाएगा.

आंनददायक है वैशाली का ऐतिहासिक आनंद स्तूप

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

वैशाली गौतमबुद्ध की उपदेश भूमि, महावीर की जन्मभूमि, आम्रपाली की दीक्षा भूमि और गणतंत्र की जननी के रूप में वैश्विक धरातल पर प्रतिष्ठित हो चुकी है.आज मैं अपने पाठकों को गौतमबुद्ध के प्रधान शिष्य आंनद के नाम पर बने आंनद स्तूप के संदर्भ में बताना चाहता हूं. गौतमबुद्ध के अनेकानेक शिष्य थे, लेकिन आनंद उनके प्रधान शिष्य थे और वे प्रायः गौतम बुद्ध के साथ रहते थे. आंनद मगध से वैशाली की ओर निर्वाण प्राप्त करने की इच्छा से चले तो मगध के राजा अजातशत्रु को इस बात का पता लग गया. वे शीघ्र उनका पीछा करते अपनी सेना के साथ चल पड़े और गंगा नदी के किनारे पहुंच गये. वैशाली के लिच्छिवियों को जब ज्ञात हुआ कि आनंद आ रहे हैं, तब वे उनका स्वागत करने के लिए चल पड़े और नदी के दूसरे किनारे तक पहुंच गये. आंनद ने सोचा-यदि मैं आगे बढ़ता हूं तो अजातशत्रु दुखी होता है और यदि पीछे मुड़ता हूं तो लिच्छवी नाराज होंगे. इस असमंजस में पड़कर आंनद ने नदी के बीच में ही समाधि द्वारा अपने शरीर को जलाकर निर्वाण प्राप्त कर लिया. जनश्रुति है कि उनके शरीरावशेष को किसी व्यक्ति ने मुख्य रूप से दो भागों में बांटकर एक एक भाग नदी के दोनों तीरों पर खड़े राजाओं को दिया. अजातशत्रु और लिच्छवी दोनों उनके शारीरिक अवशेष को ले गये और अपने यहां उन पर स्तूप बनवाये.

स्तूप का वास्तविक स्वरूप एवं आकार सामने आया है. गौतम बुद्ध के शिष्य आनंद के आधे शरीरावशेष पर निर्मित उक्त स्तूप था. मूल स्तूप का असली आकार भी प्रकाश में आया है, जो चौकोर ईंटों से बना हुआ था. जब स्तूप के भीतर से कूड़ा कर्कट साफ कराया गया तो ईंटों से बनी दोहरी दीवारों के चौकोर स्मृति चैम्बर मिले. सफाई के क्रम में कुछ महत्वपूर्ण पुरातात्विक वस्तुएं प्राप्त हुई. शरीरावशेष के टूटे टुकड़े, एक स्वर्ण पात्र, छत्रावलि और पात्र के टुकड़े सम्राट अशोक के काल के थे. चौकोर स्मृति चैंबर को कंकड़ और लाइम से प्लास्टर किया गया था. परतदार पुरातात्विक अवस्थाएं सिद्ध कर रही हैं कि कालान्तर में इसका कम से कम तीन बार अवश्य पुनः निर्माण कराया गया था. उसकी पहचान उस काल की ईंटों की साइज और बनावट से हुई है. स्तूप के चारों ओर से प्रदक्षिणा पथ का भी पता चला है. सिंह स्तंभ के दक्षिण की ओर लगातार ईंटों के टुकड़े और सुर्खी से बने फ्लोर भी प्रकाश में आया है. उक्त वस्तुओं के अतिरिक्त वहां गौतमबुद्ध का धड़ से अलग किया हुआ मुकुटधारी सिर मिला है, उसके साथ ही बिना सिर का बैठा हुआ बुद्ध का शरीर मिला है. वहां शुंग और कुषाण काल की कई वस्तुएं मिली हैं. इन दिनों आंनद स्तूप के इर्द-गिर्द पुष्प सज्जित पार्क का दृश्य देखते ही बनता है.

पंडित तोताराम का रोड-शो

नश्तर

सुधीर राघव

पंडित तोताराम दौर-ए-फ़ज़ीहत का शिकार थे. एक दिन उनकी मुलाकात हो गई बीवी छोड़कर भागे मोदन मियां से. मोदन मियां बातूनी थे, जबकि पंडित तोताराम सिर्फ सवाल का ही जवाब देते. उनका जवाब भी हमेशा एक ही होता कि... हो भी सकता है और नहीं भी. पंडित तोताराम और मोदन मियां की खूब जमने लगी. दोनों राम मिलाए जोड़ी हो गए. कभी पंडित तोताराम की खूब तूती बोलती थी. उन्हें सबसे बड़ा भविष्यवक्ता माना जाता था. उनके अनुयाई दो खेमों में बंटे थे. जो मानते थे कि तोताराम की भविष्यवाणी का पहला हिस्सा सही होता है उपसर्गवादी कहलाते और दूसरा हिस्सा सही मानने वाले प्रत्ययवादी. पंडित जी के दिन मजे से कट रहे थे मगर अचानक कहानी बदल गई. गुरु की महादशा खत्म हुई और वे शनि की साढ़ेसाती की चपेट में आ गए. अब हाल यह था कि गली के सारे बच्चे उन्हें चार सौ पार कहकर चिढ़ाते, वे जब भी घर से निकलते. बच्चे उनके पीछे हो लेते. फिर पूरे रास्ते चार सौ पार, चार सौ पार का शोर मचता. पंडित तोताराम खूब खीजते. पत्थर उठाकर मारते. उनकी माताओं बहनों से अपने संस्कारी रिश्ते जोड़ते मगर बच्चे उनका पीछा न छोड़ते.

असल में केलोबेलो कंपनी के न्यूज चैनल पर सबसे पहले पंडित तोताराम से ही यह सवाल पूछा गया था कि क्या जंगल के चुनाव में गधे की टनाटन पार्टी चार सौ पार करेगी? इसके जवाब में पंडित तोताराम ने चिरपरिचित अंदाज में कहा था- कर भी सकती है और नहीं भी. पंडित के इस जवाब से उपसर्गवादियों ने मान लिया कि टनाटन पार्टी चार सौ पार करेगी. वहीं प्रत्ययवादियों ने माना नहीं करेगी. उपसर्गवादियों की संख्या ज्यादा थी. जब नतीजे आए तो टनाटन पार्टी ढाई सौ तक भी नहीं पहुंची. प्रत्ययवादियों ने इसे अपनी जीत माना. इससे पहले कि प्रत्ययवादी पंडित तोताराम का सम्मान करने जाते उपसर्गवादियों ने पंडित को पूरे मोहल्ले में दौड़ा दौड़ाकर पीटा. ग़लत भविष्यवाणी के लिए गले में चप्पलों की माला डालकर भरी सड़क पर जुलूस निकाला. उस एक रोड-शो से पंडित तोताराम की सारी इज्जत उतर गई. अब उन्हें कोई न पूछता. बच्चे अलग से चिढ़ाते. ऐसे बुरे समय में जब मोदन मियां ने पंडित तोताराम का हाल पूछा तो उन्होंने आंखें भरकर मोदन को गले लगा लिया. अपने ही घर पर साथ रख लिया. अब दोनों की जोड़ी मोहल्ले में साथ ही निकलती. जो बच्चे पहले पंडित तोताराम को चिढ़ाते थे अब मोदन के किस्से सुनकर पेट फाड़कर हंसते. बच्चों की वह पूरी टोली अब उनकी दोस्त हो गई थी. इस तरह मोदन और तोताराम की जोड़ी मोहल्ले में मशहूर होने लगी. मोदन मियां गप्प हांकते- मैं पेड़ की सबसे पतली डाली पर उल्टा लटका सकता हूं! जवाब में पंडित तोताराम के साथ सारे बच्चे चिल्लाते - हो भी सकता है और नहीं भी! इस तरह बच्चों ने मोहल्ले में उपसर्गवादियों और प्रत्ययवादियों के बीच का भेद पूरी तरह खत्म कर दिया था.

सौरभ की कलाकृतियों में झलकती है भारतीय संस्कृति

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

भारतीय संस्कृति के बारे में पं. मदनमोहन मालवीय का कहना है कि ''भारतीय सभ्यता और संस्कृति की विशालता और उसकी महत्ता तो संपूर्ण मानव के साथ तादात्म्य स्थापित करने अर्थात् 'वसुधैव कुटुंबकम की पवित्र भावना में निहित है. भारत का इतिहास और संस्कृति गतिशील है और यह मानव सभ्यता की शुरुआत तक जाती है. यह सिंधु घाटी की रहस्यमयी संस्कृति से शुरू होती है और भारत के दक्षिणी इलाकों में किसान समुदाय तक जाती है. भारत के इतिहास में भारत के आस-पास स्थित अनेक संस्कृतियों से लोगों का निरंतर समेकन होता रहा है." संस्कृति के शाब्दिक अर्थ की बात की जाए तो संस्कृति किसी भी देश, जाति और समुदाय की आत्मा होती है. संस्कृति से ही देश, जाति या समुदाय के उन समस्त संस्कारों का बोध होता है, जिनके सहारे वह अपने आदर्शों, जीवन मूल्यों आदि का निर्धारण करता है. वर्तमान समय में सभ्यता और संस्कृति को एक-दूसरे का पर्याय माना जाने लगा है, लेकिन वास्तव में संस्कृति और सभ्यता अलग-अलग होती है. सभ्यता में मनुष्य के राजनीतिक, प्रशासनिक, आर्थिक, प्रौद्योगिकीय व दृश्य कला रूपों का प्रदर्शन होता है, जो जीवन को सुखमय बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जबकि संस्कृति में कला, विज्ञान, संगीत, नृत्य और मानव जीवन की उच्चतम उपलब्धियां सम्मिलित हैं.

भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है. विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है, जिसमें बहुरंगी विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है. इसके साथ ही यह अपने-आपको बदलते समय के साथ ढालती भी आई है. तभी तो सरायकेला खरसावां जिले के सौरभ प्रमाणिक जैसे कलाकार इसे अपने कैनवास पर उकेरने में लगे हुए हैं. अपनी मेहनत से ये बहुत कम उम्र में उस मुकाम पर पहुंच गये, जहां लोगों को लंबे समय तक परिश्रम करना पड़ता है. सौरभ ने अपनी अद्भुत कलाकारी से केवल अपने जिले में ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों में भी अपनी पहचान बनाने में सफल हुआ है. भारतीय कलाकार के साथ मिलकर कोविड 19 पर कार्य किया और कोरोना योद्धा राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित हुए. शिल्पायन की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय आर्ट कॉन्टेस्ट में 2020 में प्रथम स्थान प्राप्त कर युवाओं के लिए प्रेरक बन गये. श्रीनाथ विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स के छात्र सौरभ प्रमाणिक ने अपनी अनूठी शैली और बारीकियों पर ध्यान देने के लिए कला के क्षेत्र में पहचान बनायी है. जीवंत रंग और जटिल पैटर्न का उपयोग इनकी कला को नया आयाम देता है और ये पेंटिंग कला प्रेमियों को सुंदरता और कल्पना की दुनिया में ले जाता है. इनकी बनायी हर कलाकृतियां कुछ न कुछ संदेश देती है. इनके द्वारा बनायी गयी पेंटिंग में ज्यादातर गहरा काला रंग का प्रयोग दिखता है, क्योंकि सौरभ को गहरा कला रंग अत्यधिक पसंद है. इनकी कलाकृतियों में बैकग्राउंड में तूलिका से घिसा हुआ टेक्स्चर होता है, क्योंकि टेक्स्चर बताता है कि एक पेंटिंग का निर्माण एक तूलिका से घिसकर ही प्रारंभ होता है. सोनू सूद भी इनकी पेंटिंग देखकर प्रभावित हुए और सौरभ को मिलने के लिए मुंबई आमंत्रित किया .

आखर

नीरज नीर

तपती गर्मी में भी बुलंद रहा साहित्यकारों का हौसला

इस जहां में आम कब खास हो जाए और खास कब आम हो जाए, कोई नहीं जानता लेकिन एक चीज ऐसी है जो आम होते हुए भी हमेशा खास होती है. जी जनाब मैं फलों के राजा आम की बात कर रहा हूं. चिलचिलाती धूप और उमसभरी गर्मी के मौसम में जब जीवन मुश्किल लगता है, तब कोई एक चीज जो अच्छी होती है और जिसके लिए इस बेरहम गरमी की प्रतीक्षा की जा सकती है, वह यह होती है कि इस मौसम में आम का फल होता है. इसीलिए तो अकबर अलाहाबादी कह उठते है: नामा न कोई यार का पैगाम भेजिए/ इस फ़स्ल में जो भेजिए बस आम भेजिए... आइए आम का आनंद लेते हुए इस माह की कुछ साहित्यिक गतिविधियों की चर्चा करें...

अबकि जबकि वर्षा रानी रूठी है और आने का नाम नहीं ले रही है...
गरमी अपने सारे पुराने रिकार्ड को तोड़ने पर आमदा है, लेकिन गरमी साहित्यकारों का हौसला भला कैसे तोड़ सकती है? सितम ढाती गरमी को झुठलाते हुए दस जून को साहित्य 24 मंच की झारखंड इकाई के सदस्यों ने काव्यगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें कई रचनाकार सम्मिलित हुए और खूब काव्यवर्षा की शीतल फुहारों का आनंद लिया.

महिला काव्य मंच अपनी नियमित काव्य गोष्ठियों के लिए प्रसिद्ध है. इन्हें भी मौसम की मार को अंगूठा दिखाना आता है. इस मंच ने भी 10 जून को मासिक गोष्ठी रांची में आयोजित की और काव्यरस से एक दूसरे को सराबोर किया.

अगर साहित्यिक गतिविधियों से जरा हटकर कुछ अन्य रचनात्मक गतिविधियों की बात की जाए तो कई अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम शहर में हुए.बीजू टोप्पो द्वारा संपादित एवं संकलित विडिओ डाक्यूमेंट्री ढाई आखर प्रेम यात्रा की स्क्रीनिंग दिनांक 22 जून को टी आर आई के सभागार में की गई.

विनय सौरभ और सुधीर सुमन के कविता-संग्रहों का लोकार्पण

प्रगतिशील लेखक संघ एवं जन संस्कृति मंच के संयुक्त तत्वाधान में 16 जून 2024 को टी आर आई भवन में समकाल के सुपरिचित कवि विनय सौरभ के काव्य संकलन "बख्तियारपुर और सुधीर सुमन के काव्यसंकलन "सपना और सच" का लोकार्पण किया गया. इस अवसर पर इन काव्यसंकलनों की कृति चर्चा भी विभिन्न स्वनाम धन्य कवियों, आलोचकों द्वारा की गई, जिसमें उपर्युक्त कविता संकलनों के संदर्भ में कई महतपूर्ण वक्ताओं ने अपनी राय रखी.

चर्चा का आरंभ करते हुए कथाकार रणेन्द्र ने कहा कि विनय सौरभ और सुधीर सुमन दोनों का पहला कविता संग्रह आया है, पर दोनों के स्वर भिन्न हैं. विनय की कविताओं में स्मृतियों का जैसा प्रयोग हुआ है, वह दुर्लभ है. इनमें गांव-कस्बों और अपनों से बिछड़ने की दर्द भरी स्मृतियां हैं. मुकेश के गानों की तरह ये कविताएं गूंजती हैं. संवेदना, भावुकता और यादों से ही इन कविताओं का फार्मेट बना है, जो इनकी विशेषता भी है और सीमा भी है. सुधीर सुमन की कविताओं पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इनकी पृष्ठभूमि अलग है. इनकी कविताओं में भोजपुर के खेत-खलिहानों की आग, ज्वाला, राख और धुंआ है. वैचारिकता की धार स्पष्ट है. हालांकि प्रेम कविताएं ज्यादा खूबसूरत हैं. कुछ कविताओं में विचारों का अतिरेक भी है.

इस अवसर पर वरिष्ठ आलोचक रविभूषण ने अपनी बात रखते हुए कहा कि दोनों कवियों के काव्य-संग्रह में नब्बे के दशक के आरंभ से लेकर अब तक लिखी गयी कविताएं हैं. दोनों अपने वर्तमान से चिंतित और परेशान हैं, दोनों में वर्गीय दृष्टि है, दोनों मुक्ति के आकांक्षी हैं. संवेदना और विचार दोनों में घनीभूत है. उन्होंने कहा कि विनय सौरभ अतीतजीवी या स्मृतिजीवी कवि नहीं हैं, वे स्मृति, संबंध और स्थान के कवि हैं. लेकिन उनकी कविता में स्मृति का संबंध वर्तमान से है. दरअसल दोनों कवि वर्तमान के कवि हैं. सुधीर सुमन की कविता में भविष्य का स्वप्न है और वर्तमान का सच है. विनय सौरभ साइलेंट प्रोटेस्ट के कवि हैं, जबकि सुधीर सुमन वर्तमान के संघर्षों को लेकर स्टैंड लेते हैं.

गिरिडीह से आए कवि-आलोचक बलभद्र ने कहा कि विनय जहां रहते हैं वहां की कविता लिखते हैं. हम अपनी स्मृतियों से कटकर नहीं जी सकते. वर्तमान हो या भविष्य उससे कटकर नहीं हो सकता. विनय की कविताओं में स्मृतियों का पुर्नआविष्कार और पुनर्सृजन भी है. इस अवसर पर आसनसोल से आए कवि निशांत ने कहा कि सुधीर सुमन सच को सच की तरह दिखाते हैं. उनकी कविताएं प्रश्न करती हैं, जो कि जरूरी चीज है.

डॉ. मिथिलेश सिंह ने कहा कि विनय सौरभ की कविताएं मानव जीवन में लुप्त होते रागों की तलाश करती है तो सुधीर सुमन अपनी कविताओं में बेहतर समाज के निर्माण का सपना संजोते नजर आते हैं.

कथाकार पंकज मित्र ने कहा कि सुधीर सुमन के कविता संग्रह ने उन्हें चौंकाया, क्योंकि वे तो प्रायः अपने वैचारिक लेखों और समीक्षाओं के लिए जाने जाते रहे हैं. जबकि विनय सौरभ की कविताओं में स्मृतियों को बचाए रखने की जिद मिलती है. डॉ. प्रज्ञा गुप्ता ने कहा कि विनय सौरभ की कविताएं कथा-सी बुनावट लिए हुए हैं और हमारी करुणा को जगाती हैं. सुधीर सुमन की छोटी कविताएं संरचनात्मक रूप से अधिक कसी हुई हैं.

कथाकार रश्मि शर्मा ने कहा कि विनय की कविता में नोनीहाट की तरह पिता भी बार-बार आते हैं. इनमें कहानी का अवयव है. इनमें समकालीन राजनीति का अंधेरा भी है, बाजार, विज्ञापन, उपभोक्तावाद भी है. इनकी प्रेम कविताएं पुरानी बाइनरी को नहीं तोड़ती. सुधीर सुमन अपनी कविताओं में वर्तमान की खुरदरी जमीन को तोड़ते हैं. कवि प्रकाश देवकुलिश ने विनय सौरभ की कविताओं- 'बख्तियारपुर' और 'खान साहब बहुरूपिया' की खास तौर पर चर्चा की.

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए साहित्यकार अशोक प्रियदर्शी ने कहा कि स्मृतियों को विचार और दर्शन के साथ इस तरह कला में बांधा जा सकता है, यह विनय सौरभ का अद्भुत काव्य-कौशल है. उन्होंने यह भी कहा कि सुधीर सुमन की कविताओं में भोजपुरी समाज का सीधा और दोटूक लहजा नजर आता है.

आज का कार्यक्रम

आज यानी दिनांक 30 जून को अपराह्न 3 बजे से रांची के प्रेस क्लब में सुप्रसिद्ध कथाकार रीता गुप्ता के नवीन कथासंकलन "सांझ ढले गगन तले" का लोकार्पण आयोजित है. यह आयोजन शहर की साहित्यिक संस्था शब्दकार के तत्वावधान में आयोजित है. साहित्य प्रेमी इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ा सकते हैं.

जमशेदपुर में तुलसी जयंती समारोह का आरंभ

जमशेदपुर के सिंहभूम जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन /तुलसी भवन में तुलसी जयंती समारोह का आरम्भ 28 जून को हुआ. करीब डेढ़ माह चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन एक साहित्यिक परिचर्चा के साथ हुआ जिसका विषय था-वर्तमान परिप्रेक्ष्य में तुलसी साहित्य की प्रासंगिकता.

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ जंगबहादुर पाण्डेय तथा विशिष्ट अतिथि चंदेश्वर खां उपस्थित थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता अरुण कुमार तिवारी ने किया. माधवी उपाध्याय, दिव्येन्दु त्रिपाठी, सुभाष चन्द्र मुनका, विजय जालान, प्रकाश मेहता,ब्रजेन्द्रनाथ मिश्रा,वीणा पांडे भारती, रीना गुप्ता, रीना सिन्हा ने भी तुलसी साहित्य की प्रासंगिकता पर अपना-अपना मंतव्य रखा. तुलसी भवन के मानद महासचिव प्रसेनजित तिवारी जी के नेतृत्व में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ.

सीपी मुक्तावली और कविताओं की खुशबू

साहित्य जगत में पुस्तकों का लोकार्पण और उनपर चर्चा सुधि पाठकों को पुस्तकों के प्रकाशित होने की सूचना तो देता ही देता है, साथ ही रचनाकारों के लिए भी यह बड़ा ही प्रेरणादायी अवसर होता है. खासकर जो युवा रचनाकार हैं, उन्हें नव और बेहतर सृजन की प्रेरणा मिलती है. ऐसा ही प्रेरणादायी अवसर रहा इस माह की 22 तारीख का जब खुशबू बरनवाल 'सीपी' के दो एकल काव्यसंग्रहों (सीपी मुक्तावली और कविताओं की खुशबू) का लोकार्पण बड़ी संख्या में उपस्थित काव्यप्रेमियों के समक्ष किया गया.

कविता/गज़ल

राकेश रमण

आत्मचिंतन

कितनी सुन्दर भोर
कितना सुंदर आसमान,
पंछियों के संग जैसे
विहंस रहा दिनमान.
सब कुछ वैसा ही है
तो फिर क्यों
भोर की हवा से
गुम हो गयी है ताजगी,
क्यों झूठ हो रही है
वह सदियों पुरानी कहानी.
वह कौन है जो
प्रभावित कर रहा है
प्रकृति का आचरण,
वह कौन है जो निरंतर
भाग रहा है छोड़ रण.
व्यग्र मन पूछा रहा है
क्या तू अब भी
करेगा आत्मचिंतन!

अभिषेक 'अब्र'

मेरी सखी गंगा

गंगा! तू मेरी सच्ची सखी है.
हर पग तू मेरा साया है.
राह तुम्हारी वैसी ही, जैसा
जीवन पथ मैंने पाया है.
बहते रहना धर्म हमारा
ठहरें कभी, न मन भाया है.
बाल्यकाल है चंचल मेरा
पापरहित, निर्दोषी, निश्छल
गिरीश-गोद में यों जो तेरा,
छल-छल, कल-कल है स्वच्छ जल.
बालक मन, मोहन का डेरा
'हरि का द्वार' है तेरे ही बगल.
यौवन मैंने परिपक्व हो,
मन की गहराई है पाई.
बल-बुद्धि से समस्त जग में,
कीर्ति-गाथा मैंने है गाई.
त्यों ही मैदानों में वृद्धि,
प्रबल, तुम्हारी है तरुणाई.
राह में चलते-चलते तूने,
यमुन-सरस्वती सखियां पाईं
तेरे ही संग अमर हो गए,
जिन पर पड़ी तेरी परछाई.
मैं, यों, किन्हीं का गीत बना, सो,
किन्हीं से मैंने रीत निभाई.
महासफर के अंत चरण में,
नियति महासिंधु-महाकाय.
मेरी भी यों मुक्ति देखें,
परमात्म में आत्म समाए.
हमने अपने अंत-काल में,
विशिष्ट ये सौभाग्य हैं पाए.

आशुतोष प्रसाद

डोली और वह

गलियों से रास्तों से,
बागों से क्यारियों से
गुजरती होगी डोली,
मेरी याद आई होगी.
तू सोचती तो होगी,
हर रोज की तरह ही,
बैठा न होऊं अब भी,
मैं, राह में तुम्हारे,
छूटते हुए नजारे
इक बार देखने को,
तू झांकती तो होगी,
भींगें नयन से बाहर.
बौराई पुरवइया
मंजर हिलाती होंगी,
पंछी उड़ान भरकर,
बादल में छिपते होंगे,
मेरे सिवा बचपन के
सारे नजारे होंगे.
मैं जानता हूं लेकिन
तुझको ना भाए होंगे.
अब तो वीरान नभ है
खोया हुआ सा मन है.
ख्वाबों की सांय सांय,
ये टिमटिमाते तारे,
गलियों के मोड़ पर मैं
गांवों के छोर पर मैं
यह डोलियों के काफिले,
हर रोज देखता हूं
पर डोलियों के पर्दे
मुझको बता ना पाते.
सिमटती, सकुचायी
किसमें तू जा रही है.

डॉ कमल बोस

मां

कई तरह की
चलती फिरती तस्वीरें
कभी रंग-बिरंगी
कभी श्वेत श्याम तस्वीरें
आंखों के आगे झिलमिल
हर तस्वीर में वह कर्मशील
पर चिंतित कि
बेटे की भूख मिटी या नहीं
उसका ज्वर उतरा कि नहीं
ऐसे न दौड़े कि गिर जाय
पढ़े ऐसा कि सोना बन जाय
आंचल से पसीना पोछती
कभी न थकती
कभी न रुकती
सबके लिए तत्पर
कुछ न कुछ करती रहती
अपने लिए कभी न सोचती
ऐसी होती हैं मां
बस,ऐसी ही होती है मां.

व्यंग्य >> बर्बरीक

गिरने के कोई नियम नहीं होते

वरिष्ठ कवि नरेश सक्सेना की एक कविता है- गिरना. इसमें कवि कहते हैं कि चीजों के गिरने के नियम होते हैं/मनुष्यों के गिरने के कोई नियम नहीं होते. जिस रफ्तार से चीजें गिर रही हैं कि पूछिए मत. सारे नियम छिन्न भिन्न हो रहे हैं.

बिहार में दस दिन में पांच पुल गिर गए. ये सारे पुल या तो पिछले कुछ सालों में बने थे या अभी बन ही रहे थे. एकाध तो उद्घाटन के साथ ही या पहले ही धड़ाम हो गए. यह सिर्फ पुलों का गिरना नहीं है मनुष्यों का गिरना भी है. अंग्रेजों के बनाए बहुत सारे पुल अभी भी मजबूती से खड़े हैं मगर... कई बार बांधों के बारे में कहा गया कि चूहों ने कुतर कर बांध गिरा दिए. ये चूहे दरअसल मनुष्यों के भेष में आते हैं जो जड़ों को कुतरते रहते हैं.

पुलों का तो चलो चलेगा इसपर ज्यादातर आम लोगों का आना जाना है. लेकिन जब एयरपोर्ट की छतें धंसने लगें तो सचमुच चिंता की बात है. पुलों के गिरने से तो भारत का आदमी मरेगा लेकिन एयरपोर्ट की छत धंस जाए तो इंडिया का आदमी

> कवि केदारनाथ सिंह कहते हैं कि जाना सबसे खौफनाक क्रिया है पर अभी कहा जा सकता है कि गिरना सबसे आनंददायक क्रिया है. चारो तरफ चीज़ें गिर रही है और सब आनंद में है. कोई अपने मन की बात लोगों के सरों पर गिरा रहा है लोग आनंद में हैं.

मरेगा जो किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता है. आम शहरों के गली मोहल्ले की सड़कों पर गड्ढे हो जाएं तो चलेगा क्योंकि उनको तो इस सब की आदत है लेकिन साक्षात भगवान् के रामपथ पर उन्नीस गड्ढे हो जाएं तो भक्तों का क्या होगा. रामराज्य में तो दैहिक दैविक भौतिक ताप नहीं व्यापते थे. पता नहीं उस वक्त ऐसे खतरनाक चूहे होते थे या नहीं जो कुतर कर बांध पुल गिरा देते थे या सड़कों में गड्ढे कर देते थे. जाहिर है नहीं रहे होंगे तभी तो भगवान् राम को कभी घोषणा करने की आवश्यकता नहीं पड़ी कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा. उस समय के लोग बुद्धिमान होते थे. उन्हें पता था कि नहीं खाना तो अपने बस में है लेकिन नहीं खाने देने का दावा थोड़ा मुश्किल है.

आधुनिक अर्थव्यवस्था का तो भ्रष्टाचार ही शृंगार है. इसमें तो कोई दावा नहीं चलता. और गिरना ही सबसे आनंददायक क्रिया है. नेताओं की भाषा गिर रही है, लोगों की आशा गिर रही है, मानव मूल्यों की परिभाषा गिर रही है, आमजन की हर तरह की जिज्ञासा गिर रही है. कवि केदारनाथ सिंह कहते हैं कि जाना सबसे खौफनाक क्रिया है पर अभी कहा जा सकता है कि गिरना सबसे आनंददायक क्रिया है. चारो तरफ चीज़ें गिर रही है और सब आनंद में है. कोई अपने मन की बात लोगों के सरों पर गिरा रहा है लोग आनंद में हैं. कीमतें रोज कूदकर हमारे माथे पर गिर रही हैं हम आनंद में हैं. वे रोज गिर रहें हैं हम भी गिर रहें हैं. गिरने का सिलसिला जारी है और इसका कोई नियम भी नहीं है.

पंकज मित्र

कहानी

एक अधूरी दास्तान

गतांक से आगे

उसके बाद कई बार मैं उस समय उसी शॉपिंग कॉम्पलेक्स में जाकर खड़ा रहा, मेरी जमती हुई प्रैक्टिस और एक अच्छ गायनोकोलोजिस्ट के रूप में बढ़ती रही प्रसिद्धि की परवाह किए बगैर. लेकिन अन्विता फिर नहीं दिखी.

एक दिन सुबह-सुबह नर्सिंग होम के लिए निकल ही रहा था कि घन-घन... फोन बज उठा-

"हैलो! डाक्टर अंकित हैं?"

"बोल रही हूं! तुम अन्विता हो न?"

"चलो शुक्र है! मेरी आवाज तो याद है तुम्हें..."

मैं कहना चाहता था कि तुम्हारी आवाज कैसे भूल सकता हूं मैं, जब तुम्हारी एक-एक बात याद है मुझे. लेकिन उसकी अवाज में दर्द को महसूस कर चुप ही रहा.

"आज मिल सकती हूं तुमसे? बहुत जरूरी है."

"किसी भी वक्त! नर्सिंग होम का पता है?"

"पता है. एक अच्छे गायनोकोलोजिस्ट का पता औरतों को मालूम रखना पड़ता है."

"वैसे ये कॉम्प्लीमेंट है या..."

"मिलती हूं दोपहर में!" और फोन कट गया.

और उसी दोपहर में अन्विता ने आवाक कर दिया था मुझे. पीले रंग के शॉल में लिपटी हुई अन्विता... उसकी काली आंखें और भी काली लग रही थी. लेकिन मेरी जानी पहचानी वह तरलता कहीं शासद खो गई थी. कागजों का एक पुलिंदा टेबुल पर रखती हुई वह मेरे सामने बैठ गई थी.

"उनका नाम अमल है यानि अमलेश्वर सिंह. पहली पत्नी मर चुकी है. मर चुकी है कहना ठीक नहीं होगा. इन लोगों ने मार डाला है उसे. सास और देवर साथ रहते हैं. ये कागज है मेरी फर्टिलिटी टेस्ट के. शादी के तीन साल हो गए हैं. कोई बच्चा नहीं है. वो सास, देवर सब मुझे अधूरी औरत समझते हैं. बांझ कहकर पुकारती है मेरी सास...." एक ही सांस में सारी बात कहते-कहते हांफ गयी थी वह. टेबल पर रखा एक ग्लास पानी, सर्दी के बावजूद गटागट पी गई थी अन्विता. मैंने रिपोर्टों पर सरसरी निगाह डाली. सबकुछ ठीक-ठाक था.

" डाक्टर ने बताया नहीं तुम्हारे हस्बैंड को कि उनमें भी कोई कमी हो सकती है?" मैंने अन्विता की सांसें सामान्य हो जाने के बाद पूछा.

"बताया था लेकिन वो लोग मानने को तैयार नहीं है."

"तुमने कहा नहीं कि चल के जांच करवा लें अपनी भी, जैसे तुम्हारी कई बार हुई है."

"कहा था नतीजा तुम्हारे सामने है."

कहते हुए शात को बांह से उठा दिया था उसने. सांवली बांह पर एक बड़ा-सा जलने का बदनुमा निशान दिख रहा था. सिहर उठा था मैं. इतना क्रूर...इतना अमानवीय...

"राजपूती खून है. कैसे मान लेंगे कि बच्चा पैदा करने के काबिल नहीं हैं वे. अधूरी तो औरत ही होती है न?" कहते-कहते अन्विता के चेहरे पर वही दुरूह मुसुकान आ गई थी.

"इतना बर्दाश्त क्यों करती हो?"

"कहां चली जाउं? वहां ?... पापा के यहां? लौटती सेनाओं की तरह पुल जलाकर आयी हूं... रिश्तों के सारे पुल... उसी दिन जब इस दुहाजू से मेरी जबरन शादी कर दी गई थी." अब अन्विता जब्त नहीं कर पायी. फफक पड़ी वह. वर्षा की जमी पीर धीरे-धीरे पिघलकर आंखों के रास्ते बह रही थी.

"अनु... देखो... प्लीज...." मैं क्या करूं समझ में नहीं आ रहा था.

"अधूरी कहते हैं मुझे... अधूरी!..." तुम देखकर बताओ तो अंकित मैं अधूरी हूं?... हां! अधूरी हूं मैं, क्योंकि जो मैंने चाहा अधूरा ही पाया है... पर इसमें मेरा क्या दोष है अंकित. बताओ, तुम ही बताओ...."

"अनु... प्लीज..." मेरे हाथ उसके सिर को कब सहलाने लगे मुझे भी पता नहीं चला. और तभी उसने वह प्रस्ताव रखा जिससे अवाक रह गया मैं.

"तुम करोगे न अंकित. मुझे पूरी कर दो अंकित. अधूरी से पूरी! किसी के भी बच्चे की मां बनूंगी मैं..."

"लेकिन अमल..."

"उसका भ्रम बना रहे. मैं मरना नहीं चाहती उसका भ्रम तोड़कर पहली बीवी की तरह..." उसकी आंखों में भय के बादल तिर आए थे.

"लेकिन..."

"लेकिन-वेकिन कुछ नहीं अंकित. यह मेरा प्रतिशोध है. मुझे मां बनना है, बस मां... पूरी मां... समूची मां.... तुम्हें याद है न अंकित? मैंने कहा था... सबकुछ चाहिए मुझे पूरा... सारा समूचा..."

"लेकिन उन्हें कभी पती चल गया तो?..."

"यह राज, राज ही रहेगा इतना तो एक्सपेक्ट कर ही सकती हूं." और फिर भक से जल उठीं आंखें उसकी.

"और पता चल भी गया तो क्या एक नन्हें के मुंह से मां कहलवाने का हक नहीं है मुझे? दूसरे के अधूरेपन का अभिशाप मैं क्यों भोगूं? बोलो? उन्हें पता चलना चाहिए कि मैं अधूरी नहीं... तुम साथ हो न मेरे?" उसने चाहना भरी दृष्टि से मेरी ओर देखा फिर हौले सेब आंखें बंद कर लीं. मैंने हौले से उसके हाथों को छुआ. उसके लब थरथरा रहे थे. मैंने एसकी नाक की टिप को चूम लिया था एक बार फिर. अन्विता की आंखों में वही परिचित तरलता लौट आयी थी.

तकरीबन साल भर बाद ठीक मेरे बर्थ डे पर डाकिए ने एक पार्सल दिया जिसमें से कैडबरीज टाफियों का एक डिब्बा और एक कार्ड निकला जिस पर एक कलर्ड फोटोग्राफ चिपका था- एक गदबदे से बच्चे का. कार्ड पर लिखा-

"धन्यवाद चारूदत्त. तुम्हारी अधूरी!" और अधूरी पर एक लाल रंग के क्रास का निशान जगमगा रहा था. और जब से ये कार्ड मिला है तबसे सारे कागजों को उलट-पुलटकर उसका पता ढूंढ़ने की कोशिश कर रहा हूं. क्योंकि आप की तरह मुझे भी यह जानने की उत्कंठा है कि इस एक साल के दौरान उसे क्या-क्या सहना पड़ा होगा, कितनी प्रताड़नाएं झेलनी पड़ी होंगी. लेकिन एक बात तो तय है कि वह अभी भी जिन्दा है. कार्ड पर डाकघर की मोहर भी है अधूरी और यह जानना असंभव है कि यह कहां से आया है इसलिए डाकघर के अधूरे मोहर की तरह ही यह दास्तान अधूरी ही पड़ेगी मुझे भी... (समाप्त)

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

स्पोर्ट्स+

रोहित सेना ने बारबाडोस की धरती पर फहरा दिया तिरंगा

भाषा। बारबाडोस

विजय मुकुट हासिल हुआ संघर्षों से गुजरकर, आज जश्न का दिन है. रोहित सेना ने बारबाडोस की धरती पर झंडा गाड़ दिया. फहरा दिया तिरंगा. 17 साल बाद भारत टी-20 विश्व कप में विश्व विजेता बना है.आखिरी ओवर की आखिरी गेंद तक चले रोमांचक की पराकाष्ठा वाले मुकाबले में टीम इंडिया ने वो कर दिखाया, जिसका सपना 140 करोड़ भारतीयों ने दिखा था. भारतीय टीम 2007 में एमएस धोनी की कप्तानी में चैंपियन बनी थी. उसके बाद से न जाने किसकी नजर लग गई थी, लेकिन इस बार 2024 में टूटे दिलों को फिर जोड़ दिया. वो करिश्मा कर दिया, जिसकी जरूरत थी. जैसे ही भारत विश्व विजेता बना यहां भारत में आकाश आतिशबाजियों से रंग गया. बैटिंग पिच 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही. उसे हेंड्रिक्स के रूप में पहला झटका लगा, जिसे जसप्रीत बुमराह ने अपने अंदाज में 4 रन पर बोल्ड किया. इसके बाद कप्तान एडेन मार्करम को अर्शदीप सिंह ने पंत के हाथों 4 रनों के निजी स्कोर पर लपकवाया. हालांकि, यहां से स्टब्स ने 21 गेंदों में 31 रन की पारी खेलकर टीम को 70 रनों तक पहुंचा दिया. उन्होंने अक्षर पटेल की गेंद पर बोल्ड होने से पहले 3 चौके और एक छक्का मारा.लंबे समय से मैदान पर अड़े क्विंटन डि कॉक को 39 रनों के निजी स्कोर पर अर्शदीप सिंह ने चलता किया, लेकिन इसके बाद जो तूफान आया तो उसे रोक पाना मुश्किल हो गया. हेनरिक्स क्लासेन ने अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को जमकर निशाना बनाया और सिर्फ 23 गेंदों में 2 चौके और 5 छक्के उड़ाते हुए हाफ सेंचुरी पूरी कर डाली. हालांकि, 17वें ओवर में हार्दिक पंड्या ने क्लासेन को आउट कराते हुए मैच में जान डाल दी. इसके बाद अर्शदीप ने कमाल किया तो आखिरी ओवर में हार्दिक पंड्या की गेंद पर सूर्या ने डेविड मिलर का करिश्माई कैच लपका, जो शायद क्रिकेट इतिहास का सबसे मुश्किल कैच है. उपकप्तान हार्दिक ने आखिरी ओवरों में 16 रन बचाते हुए भारत को जीत दिला दी.

रोहित की कप्तानी में दो विश्व कप में दिखा भारत का दबदबा

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय टीम टी20 विश्व कप चैंपियन बन चुकी है. शनिवार को टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर विश्व कप ट्रॉफी उठाई और 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म किया. भारत ने पिछली बार 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी. वहीं, 2007 के बाद पहली बार भारत ने टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया है. टीम इंडिया की इस जीत में वैसे तो कई मैच विजेता रहे, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा का किरदार सबसे अहम रहा. टीम चयन से लेकर चैंपियन बनने तक रोहित से फ्रंट से टीम को लीड किया.

रन बनाने में भी हिटमैन अव्वल रहे : न सिर्फ कप्तानी में अहम फैसले लेने में, बल्कि खुद आगे बढ़कर रन बनाने में भी हिटमैन अव्वल रहे. बतौर कप्तान वह टीम इंडिया के चैंपियन बनने में नायक रहे हैं. रोहित की कप्तानी में पिछले आठ महीने में टीम इंडिया दो आईसीसी विश्व कप के फाइनल में पहुंची है. इस दौरान भारतीय टीम ने 19 में से 18 मैच जीते हैं. सिर्फ एक मैच जो टीम इंडिया हारी है, वह है 2023 वनडे विश्व कप का फाइनल. यानी रोहित की कप्तानी में दोनों आईसीसी टूर्नामेंट में भारत ने कुल 95 फीसदी मैच अपने नाम किया है. ऐसे में रोहित इस जीत के पीछे असली हीरो रहे हैं.

पिछले एक साल में भारत ने तीन आईसीसी टूर्नामेंट का फाइनल खेला है. इनमें 2023 वनडे विश्व कप और 2024 टी20 विश्व कप के अलावा 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल शामिल है. रोहित टेस्ट, वनडे और टी20 को मिलाकर आईसीसी फाइनल में कप्तानी करने वाले सिर्फ दूसरे कप्तान हैं. रोहित से पहले न्यूजीलैंड के केन विलियम्सन ने ऐसा किया है. हालांकि, विलियम्सन ने भी ऐसा कई वर्षों के अंतराल पर किया था. वहीं, रोहित शर्मा ने पिछले एक साल के अंदर अलग-अलग प्रारूपों के आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में टीम इंडिया को पहुंचाया है. पिछले दो फाइनल में तो वह कामयाब नहीं हो पाए, लेकिन इस बार टी20 में उन्होंने भारतीय टीम को चैंपियन बना दिया. टी-20 विश्व कप 2024 के फाइनल में विराट कोहली ने 59 गेंद में 76 रन की पारी खेली. 34 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी भारतीय टीम को मुश्किल परिस्थिति में विराट की सख्त जरूरत थी और उन्होंने दुनियाभर के अपने फैंस को निराश नहीं किया. उन्होंने भारत को न सिर्फ मुश्किल स्थिति से निकाला, बल्कि भारत को 160 के पार भी पहुंचाया. इतना ही नहीं विराट ने कप्तान रोहित की सेमीफाइनल में कही गई बात को भी सच साबित किया.

भारत के दूसरे सफल कप्तान बने रोहित

वह बतौर कप्तान आईसीसी विश्व कप (सीमित ओवर) के फाइनल में भारत की कप्तानी करने वाले दूसरे सबसे सफल खिलाड़ी हैं. महेंद्र सिंह धोनी ने 2007 (वनडे), 2011 (वनडे) और 2014 (टी20) विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम की कप्तानी की थी. वहीं, रोहित ने दो आईसीसी फाइनल में भारतीय टीम की कप्तानी की है. इनमें 2023 वनडे विश्व कप और अब 2024 टी20 विश्व कप शामिल है. पिछले आठ महीने में दो आईसीसी टूर्नामेंट यानी 2023 वनडे विश्व कप और 2024 टी20 विश्व कप में भारत का दबदबा रहा है और रोहित ने इस दौरान 18 पारियों में 49.70 की औसत और 133.5 के स्ट्राइक रेट से 845 रन बनाए हैं. रोहित आईसीसी टूर्नामेंट्स में भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं. उन्होंने तीनों प्रारूप को मिलाकर आईसीसी टूर्नामेंट्स में 116 मैचों में 5819 रन बनाए हैं. इनमें 17 शतक और 29 अर्धशतक शामिल हैं. वह अब तक आईसीसी टूर्नामेंट में एक चैंपियन कप्तान रहे हैं. चाहे 2022 टी20 विश्व कप हो या फिर 2023 वनडे विश्व कप रोहित की गेम प्लानिंग शानदार रही है.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रन की पारी

टी20 विश्व कप 2024 में रोहित आयरलैंड के खिलाफ ओपनिंग मैच में अर्धशतक लगाने के बाद अगले कुछ मैचों में फेल रहे थे. हालांकि, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रन की तूफानी पारी खेलकर दिखाया कि वह क्यों बड़े मैच के प्लेयर माने जाते हैं. इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में अर्धशतक लगाया और इतिहास रच दिया. वह टी20 विश्व कप के नॉकआउट मैच में अर्धशतक लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान बन गए. जब टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम का चयन हुआ था और रोहित मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए आए थे तो उनसे काफी मुश्किल सवाल पूछे गए थे. रोहित की आलोचना हुई थी कि क्यों सिर्फ तीन मुख्य तेज गेंदबाजों के साथ टीम इस अभियान पर जा रही है. क्यों टीम में चार स्पिनर्स हैं? हालांकि, तब रोहित ने बड़ी सहजता से जवाब दिया था कि वह इसका जवाब तब देंगे जब वह वेस्टइंडीज में मैच खेल रहे होंगे. अमेरिका में भारत के पहले लेग के दौरान न्यूयॉर्क में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा, लेकिन जैसे ही टीम इंडिया वेस्टइंडीज पहुंची, स्पिनर्स का किरदार महत्वपूर्ण हो गया.

सूर्यकुमार ने कैच नहीं टी20 विश्व कप की ट्रॉफी लपका

अक्षर को नंबर-5 पर भेजना मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ

बारबाडोस। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में भारत ने साउथ अफ्रीका को सात रन से हरा दिया. दोनों टीमों के बीच बारबाडोस के ब्रिजटाउन में खेले गया यह फाइनल रोमांच की सारी हदों को पार कर दी. मैच में 20 ओवर तक साउथ अफ्रीका और भारत ही टीमें बारबर बनी हुई थी, लेकिन सूर्यकुमार यादव के द्वारा बाउंड्री पर लपका गया डेविड का मिलर का चमत्कारिक कैच टर्निंग पॉइंट साबित हुआ. पारी के 20वें ओवर में हार्दिक पंड्या की गेंद पर सूर्यकुमार यादव ने डेविड मिलर का हैरतअंगेज कैच लपका. सूर्यकुमार यादव के इस कैच के बदौलत ही साउथ अफ्रीका की टीम बैकफुट पर आ गई और इसके बाद हार्दिक ने फिर कोई मौका नहीं दिया. अंतिम ओवर में साउथ अफ्रीका की टीम को 16 रन की जरूरत थी, लेकिन हार्दिक पांड्या ने सिर्फ 9 रन दिए जिससे भारत ने 7 रन से इस मैच को अपने नाम कर लिया.

बारबाडोस। टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में एक वक्त टीम इंडिया ने 34 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे. कप्तान रोहित शर्मा (9), ऋषभ पंत (0) और सूर्यकुमार यादव (3) पवेलियन लौट चुके थे. ऐसा लग रहा था कि भारतीय टीम की बल्लेबाजी ''चोकर्स'' के सामने चोक कर जाएगी. तभी टीम मैनेजमेंट ने मास्टरस्ट्रोक चलते हुए पांचवें नंबर पर बाएं हाथ के अक्षर पटेल को भेजा और इसी ने मैच का रुख बदल कर रख दिया. अक्षर ने न सिर्फ विराट के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई, बल्कि भारत के रन रेट को धीमे नहीं पड़ने दिया. अक्षर ने 47 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली. टीम मैनेजमेंट के लिए शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या से आगे अक्षर को भेजना एक शानदार फैसला साबित हुआ. अक्षर का निकनेम ''बापू'' है. जब रोहित-पंत और सूर्या आउट हुए तो किसी ने भी नहीं सोचा था कि टीम इंडिया 170 के पार पहुंच जाएगी.

आधी रात में खुशियों से सराबोर हुआ पूरा देश

जीत की जश्न में डूबी राजधानी रांची

सैयद जावेद रमीज। रांची

भारतीय टीम ने 11 साल का सूखा खत्म करते हुए टी20 विश्वकप दूसरी बार अपने नाम कर लिया है. भारत ने विश्वकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से मात दी. भारत की इस एतिहासिक जीत से हर भारतीय गौरवान्वित महसूस कर रहा है. उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्व से लेकर पश्चिम तक हर कहीं इस जीत का जश्न मनाया जा रहा है. टी20 विश्वकप में भारत की एतिहासिक जीत के बाद राजधानी रांची में भी लोगों में खूब उत्साह नजर आया. राजधानी में लोगों ने फुलझड़ियां और पटाखे जला कर जमकर जश्न मनाया. लोगों को उत्साह से नाचते हुए भी देखा गया है. रांची के हरमू, अरगोड़ा, मेन रोड, किशोरगंज, हिनू, कोकर सहित कई जगहों पर लोगों ने जमकर आतिशबाजी की. आपस में जीत की बधाई दी. भारतीय क्रिकेट टीम के प्रशंसकों ने भारत की जीत का जश्न मनाया. इस दौरान लोगों ने भारत माता की जय के नारे भी लगाए.

कुछ उत्साही नवयुवकों ने देर रात बाइक से निकल कर पूरे शहर का चक्कर लगाया. इस दौरान भारत माता की जय के नारे भी लगाये. वहीं मेन रोड में लोगों की भीड़ तिरंगा के साथ मां भारती की जय-जयकार करती दिखी. इस दौरान अल्बर्ट एक्का चौक पर लोगों ने जीत की खुशी में जमकर पटाखे फोड़े.

टी-20 विश्वकप 2007 की चैंपियन भारत ने पहली बार फाइनल में पहुंची द अफ्रीका को हराया

17 साल के इतिहास में पहली बार अजेय रही टीम

एजेंसी। बारबाडोस

टी20 विश्व कप 2024 का खिताब भारत ने अपने नाम किया. शनिवार को खिताबी मुकाबले में 2007 की चैंपियन भारत ने पहली बार फाइनल में पहुंचने वाली दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हरा दिया. यह मुकाबला बारबाडोस में खेला गया. टी20 विश्व कप की शुरुआत 2007 में हुई थी और भारतीय टीम पहले ही संस्करण में चैंपियन बनी थी. तब से लेकर अब तक 17 साल में पहली बार ऐसा हुआ है जब पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही टीम चैंपियन बनी है. यह टी20 विश्व कप का नौवां संस्करण था और पिछले आठ संस्करण में कभी ऐसा नहीं हुआ कि कोई टीम एक भी मैच न गंवाते हुए चैंपियन बनी हो. हालांकि, टीम इंडिया ने यह कर दिखाया है.

2007 से लेकर 2022 टी20 विश्व कप तक चैंपियन बनने वाली टीम ने अभियान के दौरान कोई न कोई मैच जरूर गंवाया है. हालांकि, इस बार भारत ने अब तक अपने फाइनल तक के अभियान में कोई मैच गंवाया है. उसने आठ मैच जीते.

भारतीय टीम का इस टी20 विश्व कप में सफर : वहीं, भारत ने रोहित शर्मा की अगुआई में इस विश्व कप में आठ मैच जीते हैं. एक मैच बारिश से धुल गया और कोई नतीजा नहीं निकल सका. भारत ने ग्रुप स्टेज में तीन मैच और सुपर आठ राउंड में भी तीन मैच जीते थे. ग्रुप स्टेज में टीम इंडिया ने आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका की टीम को शिकस्त दी थी. हालांकि, कनाडा के खिलाफ भारत का मैच बारिश से धुल गया था. फिर सुपर-आठ राउंड में भारतीय टीम ने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और 2021 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराया. सेमीफाइनल में टीम इंडिया ने गत चैंपियन इंग्लैंड को 68 रन से हराकर 2022 विश्व कप के सेमीफाइनल में मिली हार का बदला भी लिया. टीम ने आठ मैच जीते हैं और पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही. अब रोहित एंड कंपनी चैंपियन बनते ही पहली टीम बन गई जो एक संस्करण में बिना कोई मैच गंवाए चैंपियन बनी है.

भारतः रोड टू फाइनल

तारीख	जगह	नतीजा
5 जून	न्यूयॉर्क	आयरलैंड को 8 विकेट से हराया
9 जून	न्यूयॉर्क	पाकिस्तान को 6 रन से हराया
12 जून	न्यूयॉर्क	अमेरिका को 7 विकेट से हराया
15 जून	फ्लोरिडा	टॉस हुए बिना मैच रद्द (कनाडा)
20 जून	बारबाडोस	अफगानिस्तान को 47 रन से हराया
22 जून	एंटीगुआ	बांग्लादेश को 50 रन से हराया
24 जून	सेंट लूसिया	आस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया
27 जून	गयाना	इंग्लैंड को 68 रन से हराया (सेमीफाइनल)
29 जून	बारबाडोस	द. अफ्रीका को 7 रन से हराकर बनी चैंपियन

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष लग्न में चंद्रमा मंगल का योग है. यात्रा में सावधानी रखें, नुकसान हो सकता है. वाद विवाद से प्रतिष्ठा में कमी आयेगी. जोखिम-जमानत के कार्य न करें. खर्चों में अधिक बढ़ोतरी न करें.काम काज सामान्य रहेगा. गाय को हरा चारा दें.

वृषभ नेत्र में कुछ कष्ट हो सकता है. साथ ही खर्च अधिक होगा. विरोधी हार मानेंगे. राजकीय कार्यों में गति आएगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता मिलेगी. निवेशादि लाभ देंगे. संतान की तरक्की से मन प्रसन्न रहेगा. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

मिथुन भाई के लिए कल शाम का समय ठीक है. पर जल्दबाजी में लिए हुए निर्णय ठीक नहीं होंगे, सोच-समझकर निर्णय लें. सुख के साधनों की चिंता हो सकती है. संपत्ति के कार्य सफल होंगे. कोई बड़ा कार्य होगा.

कर्क धन के आगमन से मन प्रसन्न होगा. समय अनुकूल है. कर्म और भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा. कार्य और प्रभाव से पराक्रम में वृद्धि होगी. विद्यार्थी वर्ग अल्प प्रयास से सफलता मिलेगी. निवेशादि से लाभ होगा.

सिंह धर्म में मन लगेगा. भाग्य के बल से कार्य होगा. कोशिश करने से कार्य बनेंगे.परिश्रम द्वारा सफलता मिलेगी, किसी वाद विवाद से बचने का प्रयास करें. व्यापार-व्यवसाय में अचानक लाभ के योग हैं.

कन्या किसी से बिना वजह का विवाद हो सकता है. समय सामान्य है. कोई कार्य या बोलने से पहले सोच समझ लें. खर्च बढ़ सकता है. पराक्रम में वृद्धि होगी. निवेश करने के लिए समय सही है. रोजगार प्राप्ति हो सकती है. यात्रा शुभ रहेगी.

तुला व्यापार में लाभ का योग है. कार्य की गति को तेज करें. जीवनसाथी के चलते प्रतिष्ठा बढ़ेगी.परिवार का सुख सहयोग मिलेगा.नि-वेशादि से लाभ होगा. रोजगार प्राप्ति हो सकती है. बौद्धिक कार्य सफल होंगे. दूसरों की देखादेखी नहीं करें.

वृश्चिक समय सामान्य है. बहुत जरूरी नहीं हो तो ऋण लेने से बचें. मौसमी बीमारियों से बचाव की आवश्यकता है. कोई छोटी और धार्मिक यात्रा शुभ होगी. निवेशादि लाभदायक रहेंगे. व्यापार अच्छा चलेगा. लड्डू का भोग बजरंगबली को लगावें.

धनु गलत संगत से बचना चाहिए. ज्यादा आत्मविश्वास घातक है. व्यय बढ़ने से क्लेश हो सकता है. निर्णय सोच समझ कर लें, जोखिम न लें. प्रतिष्ठित व्यक्ति से भेंट हो सकती है. परीक्षा प्रतियोगिता में ध्यान देने की आवश्यकता है.

मकर किसी महिला के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है. रुका हुआ धन प्रयास से वापस आएगा. यात्रा शुभ रहेगी. निवेशादि से लाभ होगा. कार्य व्यवसाय में सफलता की संभावना है. सुख का सामान एकत्र होगा.

कुंभ समय बहुत ही उत्तम है. कोई बड़ा कार्य होने से मन प्रसन्न होगा. भाई का सहयोग मिलेगा. राजकीय कार्यों की रुकावटें दूर होंगी. निवेशादि से लाभ होगा.नौकरी इन्टरव्यू में सफलता मिलेगी. रुके हुए काम बन सकते हैं.

मीन क्रोध में वृद्धि होगी. परिवार में किसी से विवाद हो सकता है. समय अनुकूल है. बिगड़ते कार्य बनने लगेंगे. निवेशादि लाभ देंगे. कार्य व्यवसाय ठीक चलेगा.वाहन का प्रयोग सावधानी से करें. गुरु मंत्र का जाप करें.

परमेश्वर की भक्ति से ही मिल सकती है सुख-शांतिः स्वामी

खूंटी। खूंटी जिला संतमत सत्संग समिति के तत्वावधान में मुरहू सहित सीमावर्ती पश्चिमी सिंहभूम के विभिन्न गांवों में आयोजित सात दिवसीय सत्संग कार्यक्रम शनिवार को संपन्न हुआ. सत्संग कार्यक्रम में महर्षि मेंही आश्रम भागलपुर के स्वामी प्रमोद जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि मनुष्य धरती का मालिक भी बन जाए, तो भी सुखी जीवन नहीं जी सकता. जैसे बालक को जितना मनाओ, लेकिन मां के गोद में ही वह सुरक्षित-निश्चिंत महसूस करता है. वैसे ही परमात्मा हमारे परम पिता हैं, उसी की एकमात्र भक्ति से हमें सुख शांति मिल सकती है. गौतम बुद्ध का उदाहरण देते हुए उन्होने कहा कि यशोधरा ने गौतम बुद्ध से कहा कि भक्ति घर में भी हो सकती थी. अतः कहीं भटकने की जरुरत नहीं है, बस सद्गुरू की युक्ति जानकर भक्ति करें. मांस मदिरा आदि के सेवन पर उन्होंने कहा कि जैसे गंदे पात्र में भोज्य पदार्थ नहीं रखते,उसी प्रकार शरीर में मांसाहार शराब आदि रहने से हमारा अंतर्मन अशुद्ध हो जाता है.

खूंटी : मासिक लोक अदालत में 12 मामलों का निष्पादन किया गया

खूंटी। खूंटी के प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष संजय कुमार जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूंटी की अध्यक्षता में व्यवहार न्यायालय खूंटी में शनिवार को मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया. मासिक लोक अदालत में विभिन्न मामलों के निष्पादन के लिए चार बैंचों का गठन न्यायालय में लंबित मामलों और प्रीलिटिगेशन से संबंधित मामलों का निस्तारण किया गया. डीएलएसए सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने बताया कि लोक अदालत में चार बैंचों के माध्यम से 12 मामलों का निष्पादन किया गया. इस अवसर पर प्रथम बेंच-जिला जज प्रथम संजय कुमार, राकेश कुमार मिश्रा, प्राची मिश्रा, मनोरंजन कुमार, मुकुल कुमार पाठक और कविता कुमारी, कुमारी विद्यावती, आशीष कुमार और सुमित कुमार कश्यप, चतुर्थ बेंच में स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष केके सिंह एवं सदस्य मधु चंदा कुमारी, पैनल अधिवक्ता शशि कला कुमारी आदि शामिल थे.

विशेष लोक अदालत : जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा-

मुआवजे का मतलब सिर्फ पैसों का भुगतान नहीं...

संवाददाता। रांची/धनबाद

झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष और हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की पहल पर शनिवार को झारखंड के सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकारों में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया. इसमें भूमि अधिग्रहण, बीसीसीएल, सीसीएल, बैंक, म्यूटेशन, सेटलमेंट तथा अन्य रेवेन्यू मामलों का निपटारा किया गया. झालसा द्वारा इसके लिए राज्य स्तरीय कार्यक्रम धनबाद के बीसीसीएल सभागार कोयला नगर में आयोजित किया गया. इस विशेष लोक अदालत का उद्घाटन हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद, जस्टिस आनंद सेन और न्यायाधीश प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया.

भूमि अधिग्रहण, बीसीसीएल, सीसीएल, बैंक, म्यूटेशन, सेटलमेंट सहित अन्य रेवेन्यू मामलों का निपटारा किया गया

नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया : विशेष लोक अदालत में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा कि मुआवजा का अर्थ केवल यह नहीं कि उन्हें रुपए का भुगतान कर दिया जाये, बल्कि मुआवजा का अर्थ यह भी है कि सामाजिक सुरक्षा के तहत उनके परिवार के जीवन यापन और उन्हें रहने के लिए छत की व्यवस्था करना. उन्होंने धनबाद की डीसी और बीसीसीएल के सीएमडी से अनुरोध किया कि वह मुआवजा संबंधित विवादों का निस्तारण तीस दिनों के अंदर करें ताकि लोगों को समुचित लाभ मिल सके और वह दर -दर की ठोकर खाने से बच जाये. इसके बाद नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया जिसमें अग्नि प्रभावित क्षेत्रों से विस्थापित किये गये लोगों के दर्द को दिखाया गया, डालसा के प्रयास से उन्हें नया घर मिला.

धनबाद में कोयला उत्खनन व भू-अधिग्रहण के ज्यादातर मामले पाये गये

जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा कि धनबाद में कोयला उत्खनन व भू अधिग्रहण के ज्यादातर मामले पाये गये, जिसमें लोगों को समय पर मुआवजा नहीं मिल पाया था, इस कारण धनबाद को ही विशेष आयोजन के लिए चुना गया. उन्होंने जिला प्रशासन एवं समस्त पीएसयू कंपनी के अधिकारियों को सुझाव दिया कि पीड़ितों की जगह वह खुद को रखकर देखें, तब जाकर समस्या का जल्द से जल्द समाधान होगा. इस राज्य स्तरीय विशेष लोक अदालत में कुल 6084417834 रुपये का सेटलमेंट एवं कुल 577375 मामलों का निष्पादन हुआ.

सबसे अधिक गृह कारा विभाग के कर्मचारियों का सर्विस बुक वेरिफिकेशन नहीं हुआ

33,232 सरकारी कर्मचारियों के सर्विस बुक का वेरिफिकेशन ही नहीं

रवि भारती। रांची

राज्य सरकार में मैनपावर की कमी की वजह से कई सरकारी कार्यों में देरी हो रही है. वहीं राज्य के 33232 कर्मचारियों का सर्विस बुक वेरिफिकेशन(सत्यापन) नहीं हो पाया है. ऐसे में इन कर्मचारियों के सेवानिवृति लाभ और प्रमोशन में परेशानी हो सकती है. सबसे अधिक गृह कारा विभाग के 8120 कर्मचारियों के सर्विस बुक का वेरिफिकेशन नहीं हो पाया है. वहीं स्कूली शिक्षा विभाग के 6874 कर्मियों के सर्विस बुक का वेरिफिकेशन नहीं हुआ है.

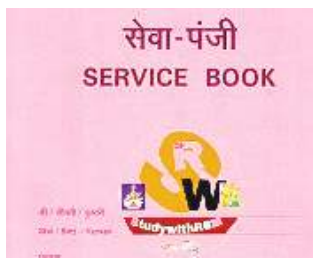

खास बातें

- रिटायरमेंट बेनिफिट और प्रमोशन में हो सकती है परेशानी
- गृह-कारा विभाग के 8120 कर्मियों का नहीं हुआ है वेरिफिकेशन

विभाग	वेरिफिकेशन	लंबित वेरिफिकेशन	विभाग	वेरिफिकेशन	लंबित वेरिफिकेशन
कृषि	537	301	उत्पाद	157	38
पशुपालन	1163	623	खाद्य आपूर्ति	40	32
सहकारिता	209	322	वन विभाग	1655	1651
भवन	70	180	स्वास्थ्य	7342	1481
मंत्रिमंडल निर्वाचन	02	14	उच्च शिक्षा	08	435
कैबिनेट सचिवालय	09	27	उद्योग	95	218
मंत्रिमंडल निगरानी	01	09	जनसंपर्क	69	25
सिविल एविएशन	08	01	श्रम	618	219
वाणिज्यकर	14	400	विधि	91	2213
आपदा प्रबंधन	42	86	खान विभाग	87	136
गृहकारा	63042	8120	कार्मिक	1548	1179
पेयजल	1218	440	स्कूली शिक्षा	47055	6874
ऊर्जा	23	169			

24 जिलों के डीसी ऑफिस के 2295 कर्मियों का भी वेरिफिकेशन नहीं : राज्य के 24 जिलों के 2295 कर्मियों के सर्विस बुक का वेरिफिकेशन नहीं हो पाया है. दुमका में 108, बोकारो में 88, चतरा में 73, देवघर में 42, धनबाद में 74, पूर्वी सिंहभूम में 66, गढ़वा में 108, गिरिडीह में 131, गोड्डा में 117, गुमला में 263, हजारीबाग में 122, जामताड़ा में 64, खूंटी में 28, कोडरमा में 65, लातेहार में 38, लोहरदगा में 95, पाकुड़ में 58, पलामू में 201, रामगढ़ में 37. रांची में 117, साहिबगंज में 22, सरायकेला-खरसावां में 209, सिमडेगा में 19 और पश्चिमी सिंहभूम के डीसी ऑफिस में काम कर रहे 150 कर्मियों के सर्विस बुक का वेरिफिकेशन नहीं हो पाया है.

प्रतिभा चयन ट्रायल संपन्न

1400 खिलाड़ी हुए शामिल

चयन प्रक्रिया में शामिल खिलाड़ी.

खेल संवाददाता। रांची

झारखंड खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा आवासीय खेल प्रशिक्षण केंद्र और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एकलव्य केंद्रों) के लिए चयन ट्रायल चल रहा है. दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडलीय स्तर (रांची, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा) पर दो दिवसीय प्रतिभा चयन ट्रायल प्रतियोगिता के दूसरे दिन लगभग 800 खिलाड़ी ने ट्रायल में भाग लिया. पहले दिन लगभग 600 खिलाड़ी शामिल हुए थे. दो दिनों में लगभग 1400 खिलाड़ियों ने अपना सभी कौशल्य का बैटरी टेस्ट दिया. विभाग द्वारा आयोजित आवासीय क्रीड़ा केंद्र, सीएम एक्सीलेंस केन्द्र (एकलव्य केंद्र) में फुटबॉल, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तीरंदाजी, हॉकी खेल में रिक्त स्थानों को भरा जाएगा.

दूसरे दिन हॉकी में 443 , फुटबॉल में 173 , आर्चरी में 069 , एथलेटिक्स में 78 , बैडमिंटन में 15 कुल 778 खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लिया. इस चयन प्रतियोगिता के दूसरे दिन जिला खेल पदाधिकारी, रांची शिवेंद्र कुमार ने सभी खिलाड़ियों को संबोधित कर सरकार की सारी सुविधाओं बारीकी से जानकारी दी.

जिला खेल समन्वयक आशीष कुमार बनर्जी ने चयन प्रतियोगिता के दौरान सभी आवश्यक सामग्री को उपलब्ध कराने में सहयोग किया. जबकि चयन प्रतियोगिता का संचालन खो-खो प्रशिक्षक अजय झा ने किया. इस अवसर पर विभाग के प्रशिक्षक भरत कुमार साहू,संजू कुमार, सौरभ कुमार,अंजलूस तिर्की, सुनील महली,वीणा केरकेट्टा,करम मुंडा, जेम्स पूर्ति, हसन अंसारी,काली चरण महतो, करुणा पूर्ति,सोना राम चाम्पिया,गोपाल तिर्की,रेमेण्ड मिंज, राजू साहू, तपन कुमार राउत, हरीश कुमार, शिशिर कुमार सहित कई अन्य प्रशिक्षक के साथ विभाग के बिरसी मुंडू, मुकेश कुमार ने काफी सहयोग कर दूसरे दिन के चयन प्रक्रिया को सफल पूर्वक संपन्न कराया.

21 से 50 वर्ष की महिलाओं को मिलेगा एक हजार रुपये प्रतिमाह पेंशनः मंत्री

जनकल्याणकारी योजनाओं के स्वीकृति पत्र का वितरण करते मंत्री सत्यानंद भोक्ता.

संवाददाता। चतरा

राज्य के श्रम, नियोजन-प्रशिक्षण एवं उद्योग मंत्री सत्यानन्द भोक्ता तीन दिवसीय दौरे पर शनिवार को चतरा पहुंचे. उन्होंने चतरा सदर प्रखंड कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया. अनुमंडल पदाधिकारी सुरेंद्र उरांव ने मंत्री का स्वागत किया. इसके बाद मंत्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. मौके पर मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार बेहद संवेदनशील है. गरीबों के लिए सैकड़ों जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है. समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है. उन्होंने कहा कि झारखंड में 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को एक हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलेगा. मंत्री ने कहा कि कैबिनेट से 200 यूनिट बिजली फ्री देने का प्रस्ताव स्वीकृत हो गया है. यह देशभर में ऐतिहासिक निर्णय है. हमारी सरकार हरेक क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है. युवाओं को सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों में बड़े पैमाने पर रोजगार से जोड़ा गया है. आने वाले चार माह के दौरान चालीस हजार युवक-युवतियों को सरकारी नौकरी से जोड़ा जाएगा. योग्य लाभुकों के बीच अबुवा आवास, सर्वजन पेंशन योजना, श्रम विभाग निबंधन कार्ड, जॉब कार्ड, छात्रवृत्ति योजना, साइकिल वितरण योजना, बकरी वितरण योजना, गव्य विकास योजना के तहत दुधारू गाय समेत अन्य कई जनकल्याणकारी योजनाओं का स्वीकृति पत्र, करोड़ों रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया.

बिजली को लेकर भाजपा ने किया आर्थिक नाकेबंदी

चतरा। निर्बाध बिजली आपूर्ति और अन्य मांगों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने टंडवा में आर्थिक नाकेबंदी कार्यक्रम की शुरूआत की. चतरा सांसद कालीचरण सिंह और सिमरिया विधायक किशुन कुमार दास के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम शनिवार से शुरू हुआ. विधायक किशुन दास के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने टंडवा प्रखंड मुख्यालय में आक्रोश रैली निकाली. विभिन्न चौक चौराहों और मार्गों का भ्रमण करते हुए रैली बाइपास में धरनास्थल पर पहुंची. यहां सभा का भी आयोजन हुआ. आर्थिक नाकेबंदी कार्यक्रम को सफल बनाने में भाजपा जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता, महामंत्री मिथिलेश गुप्ता, मंडल अध्यक्ष संजीव पांडेय एवं अन्य ने सक्रिय भूमिका निभाई. बिजली के मुद्दे पर किए जा रहे आंदोलन का टंडवा के व्यवसायियों ने भी समर्थन दिया. उन्होंने अपनी दुकानें और अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद रखे. आंदोलनकारियों ने कोयला ट्रांसपोर्टिंग भी ठप करा दिया है.

पलामू में दिखा मॉनसून का असर

56.6 एमएम हुई बारिश, गर्मी से मिली राहत

संवाददाता। पलामू

मानसून ने पलामू समेत पूरे झारखंड को कवर कर लिया है. इसका असर भी शनिवार दोपहर देखने को मिला. दोपहर तीन बजे घने बादलों के छाने से शाम सात बजे का नजारा दिखा. मेदिनीनगर और आस पास के क्षेत्रों में दोपहर तीन बजे से बारिश हो रही है. इस बीच मौसम विभाग ने पिछले 24 घंटे (शुक्रवार शाम 5.30 बजे से शनिवार शाम 5.30 बजे तक) के दौरान 56.06 एमएम बारिश रिकार्ड किया है. हालांकि जिले के हुसैनाबाद, छतरपुर इलाके में बारिश नहीं हुई. बादल छाए हुए हैं.

बता दें कि मानसून का असर राज्य के कई हिस्सों में दिखने लगा है. मौसम विभाग ने 30 जून को राज्य के 13 जिलों में बारिश की संभावना जताई है. इनमें पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, और लोहरदगा शामिल है. मौसम विभाग के मुताबिक, यहां भारी वर्षा होगी.

बारिश से एक घर में पानी घुस गया.

दोपहर 3 बजे बादलों के छाने के बाद बारिश शुरू हुई और शाम 6 बजे तक लगातार होती रही. बारिश से जहां तेज गर्मी से राहत मिली, वहीं नालियों का कचरा सड़क पर आ गया. जो नाले एवं नाली साफ नहीं थे, उसका गंदा पानी कई लोगों के घरों में घुस गया. बिजली गुल रही. शहर के पहाड़ी मोहल्ला स्थित गोसिया मदरसा के पास एक दर्जन घरों में नाले का पानी घुस गया. 2 से 3 फीट तक पानी सारे कमरे में जम गए. किचन, बैडरूम सहित अन्य कमरे में गंदा पानी घुसने से लोगों में अफरा तफरी मची रही. खाना से लेकर अन्य सामान बर्बाद हो गए. बदबू के कारण कमरे में टिक पानी मुश्किल हो रहा था. घर के लोगों ने किसी बाल्टी सहित अन्य संसाधन के गंदे पानी को बाहर निकाला.

सदर अस्पतालकर्मी को लूटनेवाले दो लुटेरे पकड़ाए

पलामू। जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत डालटनगंज-गढ़वा मुख्य पथ पर मंगरदाहा घाटी में पलामू सदर अस्पतालकर्मी हैदर अली से बाइक, नगद 1500, मोबाइल लूटने वाले दो लुटेरों को गिरफ्तार किया गया है. एक अभी भी फरार है. पुलिस उसकी गिरफ्तारी में जुटी हुई है. लुटेरों के पास से लूट में इस्तेमाल एक देशी कट्टा, एक जिंदा गोली, चाकू बरामद किया गया है, जबकि लूटी गई बाइक भी बरामद कर ली गई है.

पेज एक का शेष

नीट मामले पर पीएम चुप क्यों...

उन छात्रों से एडवांस में पैसे और ब्लैंक चेक लिए गए. साथ ही, उनसे कहा गया कि वे नीट के लिए फॉर्म भरते समय सेंटर के लिए जय जलाराम स्कूल गुजराती मीडियम का नाम लिखें. उन्होंने दावा किया कि पहले से यह सौदा किया गया था कि जब छात्रों को दाखिला मिल जाएगा, तो ब्लैंक चेक में राशि भरी जाएगी. गोहिल ने आरोप लगाया, पेपर लीक मामले का पहला आरोपी तुषार भट्ट है, जो जय जलाराम स्कूल में पढ़ाता है और नीट में परीक्षा केंद्र का डिप्टी सुपरिटेंडेंट था. दूसरा आरोपी पुरुषोत्तम महावीर प्रसाद है जो इस स्कूल का प्राचार्य है. इनका काम परीक्षा खत्म होते ही पेपर को बक्से में सील कर तुरंत कूरियर करना था. लेकिन इन्होंने परीक्षा खत्म होने के बाद बक्से खोल कर पेपर में सही उत्तर टिक किए और फिर बक्सों को भेजा. उनका कहना है कि इस मामले में 3 लोग और पकड़े गए हैं, जिनके नाम परशुराम, विनोद आनंद, आरिफ वाहोरा हैं तथा इनका काम छात्रों के परिवार से पैसे लेने का था. गोहिल ने दावा किया कि आरिफ वाहोरा वहां भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे का उपाध्यक्ष है. उन्होंने सवाल किया, सरकार ने पेपर लीक मामले में सब जानते हुए भी सुप्रीम कोर्ट में झूठ क्यों बोला? पुलिस जांच में सारे सबूत सामने आने के बाद भी शिक्षा मंत्री ने क्यों कहा कि नीट में कोई धांधली नहीं हुई है.

जब भोगनाडीह गांव में बजा...

अब राज हमारा है. हम रखेंगे अपनी माटी की लाज. हम यहां एक भी अंग्रेज या शोषक को रहने नहीं देंगे. हम अपना ऐसा युद्ध कौशल दिखायेंगे कि अंग्रेज अपनी जान बचाने के लिए खुद ही देश को छोड़ कर भाग खड़े होंगे.' उनके इस आह्वान पर हजारों संतालों की भीड़ उत्साह से सराबोर हो गयी. अब किसी को अन्याय बर्दाश्त नहीं था. उनकी रगों में गरम खून दौड़ रहा था. एक बार फिर गूंजा अबुआ दिशुम अबुआ राज का नारा, जिससे आसमान कांप उठा. इसी बीच महाजन, पुलिस, जमींदार, सरकारी अमला के साथ ही नीलहे गोरों को मार भगाने का संकल्प लिया गया. साथ ही निर्णय किया गया कि वे अब लगान नहीं देंगे और सरकारी आदेश नहीं मानेंगे. नीलहे गोरों ने नील की खेती के लिए संथालों को उत्साहित किया था, पर शीघ्र ही उनका शोषण शुरू हो गया था, जो बढ़ता ही गया. संथाल उनसे भी क्रोधित थे. तीर-धनुष, भाला, कुल्हाड़ी, तलवार, फरसा, टांगी, गुलेल लिए संथालों की भीड़ अंग्रेजी हुकूमत और जमींदारों के खिलाफ उतावली होने लगी और हो गया संथाल हूल विद्रोह का ऐलान. दिकुओं के खिलाफ ऐलान-ए-जंग. सभा समाप्त हुई.

(झारखंड के वीर शहीद से)

मिलन समारोह जेबीकेएसएस के कार्यकर्ता मिलन समारोह में दर्जनों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

राज्यहित के मुद्दों पर लड़ेंगे विधानसभा चुनावः जयराम महतो

संवाददाता। रामगढ़

मायल स्थित उर्दू स्कूल के समीप शनिवार को जेबीकेएसएस का कार्यकर्ता मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जेबीकेएसएस के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो एवं विशिष्ठ अतिथि केंद्रीय महासचिव फरजान खान, केंद्रीय उपाध्यक्ष संतोष टुडू मौजूद थे. जयराम महतो ने कहा कि विधानसभा का चुनाव राज्य के मुद्दों पर लड़ेंगे.

उन्होंने कहा कि झारखंड का सबसे ज्वलंत मुद्दा परीक्षाओं के पेपर लीक का है, जिससे छात्रों में निराशा है. राज्य के छात्रों की हताशा आगामी विधानसभा चुनाव में हमारा एक महत्वपूर्ण मुद्दा होगा. अगर हम सरकार में आते हैं, तो हम सबसे पहले परीक्षाओं में पारदर्शिता लाएंगे. फ्री एंड फेयर एग्जाम लिए जाएंगे. अगर उसमें कोई गड़बड़ी सामने आती है, तो फिर चाहे कोई भी उच्च अधिकारी हो, उन्हें बर्खास्त किया जाएगा. किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. जयराम महतो ने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनाव की तैयारी अभी से ही शुरू कर देने की अपील भी की.

बोले जयराम

- परीक्षाओं के पेपर लीक होना झारखंड का सबसे ज्वलंत मुद्दा
- अगर हमारी सरकार बनी, तो परीक्षाओं में पारदर्शिता लाएंगे

जेबीकेएसएस के कार्यकर्ता मिलन समारोह में जयराम महतो व अन्य.

झारखंड को लूटनेवाले नेताओं को जनता देगी जवाब : जेबीकेएसएस सुप्रीमो ने कहा कि झारखंड में इस बार बड़ा बदलाव होगा. जिन-जिन पार्टी के नेताओं ने झारखंड को लूटने और जनता को ठगने का काम किया हैं, इस बार के चुनाव में जनता मुंहतोड़ जवाब देगी. जनता जेबीकेएसएस को उम्मीद भरी निगाहों से देख रही है. उसकी उम्मीद को कभी टूटने नहीं देंगे. कार्यक्रम का संचालन जेबीकेएसएस नेता तनवीर आलम ने किया. मौके पर संतोष चौधरी, डॉ राजेश, संतोष प्रजापति, अशोक चौधरी, मुख्तार अंसारी, हाजी नसीम, हाजी जिलानी, मुजाहिद आलम, प्रदीप कुमार, अमन कुमार, अमजद अली, तौकीर आलम, ऐनुल अंसारी, मो खलील, अब्दुल रहमान, काउनेन अहमद, नवाजउल्लाह सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे.

जयराम के नेतृत्व में अगली सरकार : तनवीर

जेबीकेएसएस के वरिष्ठ नेता सह समाजसेवी तनवीर आलम ने कहा कि 2024 में होने वाले विधानसभा चुनाव में परिवर्तन निश्चित है. इस बार टाइगर जयराम महतो के नेतृत्व में झारखंड में सरकार बनेगी. जेबीकेएसएस ही झारखंड का विकास कर सकता है. उन्होंने कहा कि जेबीकेएसएस झारखंड के हर मुद्दों को लेकर आवाज उठा रही है और आगे भी उठाती रहेगी.

आजसू छोड़ कर थामा जेबीकेएसएस का दामन

कार्यकर्ता मिलन समारोह में आजसू पार्टी को छोड़ कर कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जेबीकेएसएस का दामन थामा. इनमें आजसू जिला उपाध्यक्ष नौशाद अख्तर, अबुसमा अंसारी, निसार अंसारी, मो जाहिद उर्फ सोनू, मो जियाउल अंसारी, साजिद असद, मो साहिल सहित दर्जनों नेता-कार्यकर्ता शामिल थे.

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लेख लिखा

लोस चुनाव में मोदी की व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक हार हुई

एजेंसी। नयी दिल्ली

2024 के लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी की व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक हार हुई है. खुद को ईश्वरीय शक्ति घोषित करने वाले पीएम मोदी के लिए चुनाव परिणाम उनकी घृणा की राजनीति का अस्वीकरण था. पीएम मोदी सहमति की बात करते हैं, लेकिन टकराव का रास्ता अख्तियार करते हैं.

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने द हिंदू में लिखे अपने आर्टिकल में यह बात कही है. अपने लेख में सोनिया ने मोदी सरकार पर जमकर हल्ला बोला है. सोनिया ने लिखा कि प्रधानमंत्री ने चुनाव के दौरान अपने भाषणों में अपने पद की मर्यादा का ख्याल नहीं किया. झूठ बोला और सांप्रदायिक बातें कहीं. मणिपुर जलता रहा लेकिन प्रधानमंत्री वहां जाने का समय नहीं निकाल पाये. प्रधानमंत्री के 400 पार के नारे को जनता ने नकार दिया. इस पर पीएम को आत्म विश्लेषण करना चाहिए.

लोकसभा चुनाव में सत्ता पक्ष पहले से कमजोर हुआ है

माना जा रहा है कि इस लोकसभा चुनाव में सत्ता पक्ष पहले से कमजोर हुआ है, वहीं विपक्ष पहले से अधिक मजबूत हुआ है. इसका नजारा लोकसभा सत्र के दौरान दिख रहा है, जहां एक ओर सरकार के साथ-साथ प्रधानमंत्री मोदी विपक्ष पर हमलावर हैं, वहीं विपक्ष नीट पेपर लीक सहित अन्य मुद्दों पर सरकार को घेर रहा है. संसद में पीएम मोदी के आपातकाल का जिक्र कर कांग्रेस के जले में नमक छिड़कने की कोशिश की तो विपक्ष ने नीट मामले में सरकार को घेरने की कवायद शुरू की. संसद चल नहीं पायी.

उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को मिलना चाहिए

सोनिया गांधी ने अपने लेख में लिखा कि सरकार ने जब हमसे स्पीकर चुनाव में समर्थन मांगा तो हमने उनसे मांग की कि परंपरा के अनुसार उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को मिलना चाहिए, लेकिन सरकार (मोदी) ने हमारी मांग नहीं मानी. प्रधानमंत्री ने इमरजेंसी का जिक्र किया. स्पीकर ने भी ध्यान भटकने के लिए वही काम किया. सोनिया इसका जवाब देते हुए लिखा कि मार्च 1977 में देश के लोगों ने इमरजेंसी लगाये जाने पर अपना फैसला सुनाया था, जिसे हमारे द्वारा स्वीकार किया गया था.

सोनिया गांधी ने नीट को घोटाला करार दिया

सोनिया गांधी ने नीट को घोटाला करार देते हुए लिखा कि इसने हमारे लाखों युवाओं के जीवन पर कहर बरपाया है. लेकिन शिक्षा मंत्री ने प्रतिक्रिया से नजर आया कि जो कुछ भी हुआ है, उसकी गंभीरता को नकारा जाए. परीक्षा पे चर्चा करने वाले प्रधानमंत्री मोदी देश भर में इतने सारे परिवारों को तबाह करने वाले पेपर लीक पर स्पष्ट रूप से चुप्पी साधे बैठे हैं. सोनिया गांधी ने अपने लेख में आरोप लगाया कि भारत के अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और धमकी का अभियान एक बार फिर तेज हो गया है. भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों में, बुलडोजर फिर से अल्पसंख्यकों के घरों को महज आरोपों के आधार पर ध्वस्त कर रहे हैं. प्रक्रिया का उल्लंघन कर रहे हैं और उन्हें सामूहिक दंड दे रहे हैं.

नाग अश्विन की 'कल्कि 2898 एडी'

दो दिनों में वैश्विक स्तर पर की 298.5 करोड़ की कमाई

एजेंसी। नयी दिल्ली

नाग अश्विन की 3डी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' ने वैश्विक स्तर पर दो दिनों में 298.5 करोड़ रुपये की कमाई की. फिल्म के निर्माताओं ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. हिंदू महाकाव्य महाभारत और विज्ञान कथा का मिश्रण कही जाने इस फिल्म का निर्माण वैजयंती मूवीज ने किया है और यह बृहस्पतिवार को छह भाषाओं में तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़, हिंदी और अंग्रेजी में रिलीज हुई. इसमें प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन जैसे कलाकार हैं, साथ ही दिशा पटानी, शाश्वत चटर्जी और शोभना ने भी इस फिल्म में अभिनय किया है. पहले दिन फिल्म ने 'ग्रॉस बॉक्स ऑफिस कलेक्शन (जीबीओसी)' में 191.5 करोड़ रुपये की कमाई की और शुक्रवार को 107 करोड़ रुपये कमाए. वैजयंती मूवीज ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्टर के माध्यम से फिल्म के पहले दिन के आंकड़े साझा किए जिसमें बताया गया कि कल्कि 2898 एडी ने दो दिनों में 'ग्रॉस बॉक्स ऑफिस कलेक्शन (जीबीओसी)' में 298.5 करोड़ रुपये कमाए हैं.

ब्रीफ खबरें

नेपाल में भूस्खलन से नौ लोगों की मौत

काठमांडू । नेपाल के पर्वतीय जिलों में शनिवार को भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक पूरे परिवार के सभी सदस्यों सहित कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई. गुल्मी जिले के मलिका गांव में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई. मृतकों में एक दंपती, उनकी बहू और आठ महीने की बच्ची सहित दो पोते-पोती शामिल थे. पड़ोसी बागलुंग जिले में दो और स्यांगजा जिले में दो और लोगों की मौत हो गई.

यमन के हूती विद्रोहियों ने पोत पर किया हमला

दुबई । यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से गुजर रहे एक पोत पर शुक्रवार को मिसाइल हमले किए. ब्रिटेन की सेना के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने यह जानकारी दी. हूती विद्रोही इस अहम समुद्री मार्ग पर पोतों को कई बार निशाना बना चुके हैं. यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन (यूकेटीएमओ) केंद्र ने बताया कि यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेदा के तट से गुजर रहे पोत के पास पांच मिसाइल गिरीं.

वैन ने पार्लर को मारी टक्कर, चार की मौत

डियर पार्क (अमेरिका)। अमेरिका के लॉन्ग आइलैंड में एक मिनी वैन ने शुक्रवार को एक पार्लर को टक्कर मार दी, जिससे चार लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए. सफोक काउंटी के एक अग्निशमन अधिकारी ने यह जानकारी दी. यह घटना शाम करीब चार बजकर 40 मिनट पर हुई. लेफ्टिनेंट केविन हेसेनबुटेल ने बताया कि इस घटना में मारे गए और घायल हुए सभी लोग पार्लर के अंदर थे. उन्होंने बताया कि यह घटना दुर्घटनावश हुई या इसे इरादतन अंजाम दिया गया.

दो वाहनों में टक्कर सात लोगों की मौत

जालना (महाराष्ट्र) । महाराष्ट्र के जालना जिले में मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे पर दो कार की टक्कर होने से सात लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं. मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे को समृद्धि एक्सप्रेसवे के नाम से भी जाना जाता है. पुलिस ने बताया कि यह हादसा शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे कदवांची गांव के निकट हुआ. उसने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले लोग मुंबई के मलाड (पूर्व) और बुलढाणा जिले के निवासी थे.

दिल्ली के बाद गुजरात के राजकोट में बड़ा हादसा

भारी बारिश के चलते एयरपोर्ट टर्मिनल के बाहर की छत ढही

एजेंसी। राजकोट

गुजरात के राजकोट एयरपोर्ट पर शनिवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया. यहां भारी बारिश के चलते राजकोट एयरपोर्ट की छत का एक हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया. बताया जा रहा है कि एयरपोर्ट टर्मिनल के बाहर पैसेंजर पिकअप और ड्रॉप एरिया में कैनोपी (छतरी) गिर गई. जुलाई 2023 में इसका लोकार्पण हुआ था. गनीमत रही की हादसे के वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था. वरना दिल्ली जैसा हादसा हो सकता था.

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, छत पर भरे पानी को बाहर निकालने के लिए रखरखाव कार्य के दौरान यह ढह गई. हालांकि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है. गौरतलब है, एक दिन पहले ही दिल्ली में भी ऐसा ही हादसा हुआ था. टर्मिनल-1 की छत गिरने से एक कैब ड्राइवर की जान चली गई थी. हादसे में छह लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे. एयरपोर्ट की छत का एक हिस्सा अचानक गिर गया था, जिसकी चपेट में आकर कई कारें दब गईं. हादसे के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के समय जब कारों पर लोहे के बीम गिरे तो अफरातफरी मच गई और लोग मदद के लिए चिल्लाते हुए नजर आए.

वहीं, गुरुवार को जबलपुर एयरपोर्ट का भी शेड गिर गया था. इस घटना का वीडियो शेयर करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि जबलपुर में 450 करोड़ से नवनिर्मित डुमना एयरपोर्ट का शेड पहली ही बारिश में कार के ऊपर गिर गया, जिससे कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई. तीन महीने पहले ही टर्मिनल का मोदी जी ने लोकार्पण किया था. उन्होंने लिखा था कि मोदी जी की गारंटी बस तीन महीने ही टिक पाई.

किसी को कोई चोट नहीं आई : मामला खमरिया थाना क्षेत्र का है. जानकारी के मुताबिक, नवनिर्मित डुमना एयरपोर्ट का ऊपरी छज्जा अचानक गिर गया था. इस दौरान वह खड़ी एक अधिकारी की कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी. गनीमत रही कि किसी को कोई चोट नहीं आई. नहीं तो एक बड़ा हादसा हो सकता था. वहीं, इस मामले में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का बयान सामने आया है. मुझे इसकी जानकारी अभी नहीं है.

राजकोट एयरपोर्ट

10 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने किया था शुभारंभ

गौरतलब है कि 10 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जबलपुर में 450 करोड़ की लागत से बने डुमना नवनिर्मित एयरपोर्ट और ग्वालियर एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन किया था. महज तीन महीने के एयरपोर्ट का छज्जा टूटना निर्माण कार्य के गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है. गौरतलब है कि डुमना एयरपोर्ट की नई बिल्डिंग 450 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण हुआ था. इसका वर्चुअल उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तीन महीने पहले किया गया था. आयकर विभाग में किराए पर लगी गाड़ी क्रमांक एमपी-20 जेडसी-5496 सहायक आयुक्त को डुमना एयरपोर्ट में छोड़ने गई थी. ड्राइवर ने गाड़ी को गो एंड डॉप एरिया में खड़ी की थी. अधिकारी को छोड़ने के लिए सभी एयरपोर्ट के अंदर चले गए थे. पूर्वान्ह 11.30 बजे फ्रेबिक शेड कार पर गिर गया, जिसके कारण कार का ऊपरी हिस्सा व कांच पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए.

दिल्ली में तेज बारिश होने की संभावना

नयी दिल्ली। राजधानी में मानसून के पहुंचने के साथ बारिश के 88 वर्षों का रिकॉर्ड टूटने के एक दिन बाद शनिवार सुबह दिल्ली के कुछ हिस्सों में बारिश हुई. भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिन में बादल छाये रहने और भारी बारिश होने का पूर्वानुमान किया है. आईएमडी ने बताया कि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंचने की संभावना है. आर्द्रता का स्तर 80 प्रतिशत रहा. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक सुबह नौ बजे तक 108 के साथ मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया. शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है.

आप ने केजरीवाल की रिहाई को लेकर

भाजपा मुख्यालय के निकट किया प्रदर्शन

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रदर्शन करते आप के कार्यकर्ता.

आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की रिहाई की मांग को लेकर यहां दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग स्थित भाजपा के मुख्यालय के निकट प्रदर्शन किया. केजरीवाल दिल्ली सरकार की आबकारी नीति के सिलसिले में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में हैं. इससे पहले, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में उन्हें गिरफ्तार किया था. उन्हें निचली अदालत से जमानत मिल गई थी जिस पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी थी. प्रदर्शनकारी डीडीयू मार्ग पर भाजपा मुख्यालय के निकट आप कार्यालय में एकत्र हुए और केजरीवाल की रिहाई की मांग करते हुए भाजपा के खिलाफ नारे लगाए. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को भाजपा मुख्यालय की ओर मार्च करने से रोकने की व्यवस्था की गई है क्योंकि विरोध प्रदर्शन के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी. अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए अवरोधक लगाये गए हैं और अर्धसैनिक बलों के जवानों को मौके पर तैनात किया गया है.

एसबीआई के नए चेयरमैन शेट्टी बनेंगे

नयी दिल्ली । सरकारी नियुक्ति चुनाव समिति वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (एफएसआईबी) ने शनिवार को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन पद के लिए बैंक के वरिष्ठतम प्रबंध निदेशक सी एस शेट्टी के नाम की सिफारिश की है. शेट्टी को जनवरी, 2020 में प्रबंध निदेशक के तौर पर चुना गया था. वर्तमान में वे अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और प्रौद्योगिकी विभागों का कार्यभार संभालते हैं. वह दिनेश कुमार खारा का स्थान लेंगे, जो 28 अगस्त को सेवानिवृत्त हो जाएंगे. खारा की आयु 28 अगस्त को 63 वर्ष हो जाएगी, जो एसबीआई के चेयरमैन पद के लिए ऊपरी आयु सीमा है. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के निदेशकों की तलाश करने वाली संस्था एफएसआईबी ने इस पद के लिए 29 जून, 2024 को तीन उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया.

राम पथ के निर्माण, सीवर लाइन बिछाने का मामला

लापरवाही के आरोप में छह अधिकारी को किया निलंबित

एजेंसी। अयोध्या

उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या में 14 किलोमीटर लंबे राम पथ के निर्माण और सीवर लाइन बिछाने में घोर लापरवाही बरतने के आरोप में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) तथा उत्तर प्रदेश जल निगम के छह अधिकारियों को निलंबित कर दिया है. पिछले शनिवार और मंगलवार रात हुई बारिश में यहां राम पथ के किनारे स्थित करीब 15 गलियां और सड़कें जलमग्न हो गयी थीं. राम पथ के किनारे स्थित घरों में न सिर्फ बारिश का पानी घुस गया, बल्कि नवनिर्मित राम पथ एक दर्जन से अधिक स्थानों पर धंस गया. राज्य सरकार ने इस मामले में अहमदाबाद स्थित कंपनी भुवन इंफ्राकॉम प्राइवेट लिमिटेड को भी नोटिस जारी किया है. विशेष सचिव विनोद कुमार ने शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता ध्रुव अग्रवाल और सहायक अभियंता अनुज देशवाल को निलंबित करने के आदेश जारी किये. वहीं, कनिष्ठ अभियंता प्रभात कुमार पांडेय को निलंबित करने का आदेश पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता वीके श्रीवास्तव ने जारी किया. उत्तर प्रदेश जल निगम के प्रबंध निदेशक राकेश कुमार मिश्रा ने अयोध्या में पदस्थ अभियंता आनंद कुमार दुबे, राजेंद्र कुमार यादव और मोहम्मद शाहिद को निलंबित करने के आदेश जारी किये हैं.

सैन्य अभ्यास के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ा

पांच जवान बहे, रेस्क्यू जारी

एजेंसी। लद्दाख

लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में नदी में सैन्य अभ्यास करने के दौरान अचानक से नदी का जलस्तर बढ़ गया. अचानक पानी का स्तर बढ़ने से सेना का टैंक बह गया. टैंक में करीब चार से पांच जवान सवार थे. पीटीआई के अनुसार, टैंक अभ्यास के दौरान बाढ़ आने से पांच जवान पानी में बह गये हैं. इस हादसे में सेना के कुछ जवानों के शहीद होने की आशंका है. फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. बता दें कि दौलत बेग ओल्डी में शुक्रवार को टैंक अभ्यास चल रहा था. इस दौरान वहां सेना के कई टैंक मौजूद थे. एलएसी के पास स्थित नदी में शनिवार सुबह तीन बजे सेना के जवानों को टैंक से नदी पार करने का अभ्यास कराया जा रहा था. तभी अचानक नदी का जलस्तर बढ़ने से पानी का बहाव तेज हो गया और टैंक पानी में बह गया. जानकारी के अनुसार, इस टैंक में चार-पांच जवान सवार थे.

पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट, चार की मौत

विरुधुनगर (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के विरुधुनगर के निकट शनिवार को एक पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट के बाद चार श्रमिकों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई. उन्होंने बताया कि विस्फोट और आग लगने का कारण पटाखा बनाने में रासायनिक पदार्थों का गलत तरीके से इस्तेमाल किया जाना बताया जा रहा है. उन्होंने बताया कि इकाई के नजदीक मौजूद एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया. उन्होंने बताया कि पटाखा निर्माण इकाई की इमारत को भी इस घटना में नुकसान पहुंचा है.

ईरान में राष्ट्रपति पद के चुनाव का मामला

रुझान में पेजेशकियन व जलीली में टक्कर

एजेंसी। दुबई

ईरान में राष्ट्रपति पद के चुनाव परिणाम के रुझानों में सुधारवादी उम्मीदवार मसूद पेजेशकियन और कट्टरपंथी प्रत्याशी सईद जलीली के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है. ईरान के सरकारी टेलीविजन चैनल द्वारा प्रसारित प्रारंभिक परिणामों में दोनों में से किसी भी उम्मीदवार को चुनाव में सीधे जीत हासिल करने की स्थिति में नहीं दिखाया गया, जिससे चुनाव परिणामों में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाले उम्मीदवारों के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना नजर आ रही है. चैनल ने बताया कि एक करोड़ 20 लाख मतों की गिनती के बाद पेजेशकियन को 53 लाख वोट मिले, जबकि जलीली को 48 लाख वोट मिले हैं. संसद के कट्टरपंथी स्पीकर मोहम्मद बाघेर कलीबाफ को 16 लाख वोट मिले. शिया धर्मगुरु मुस्तफा पूरमोहम्मदी को करीब 95,000 वोट मिले हैं. ईरान में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ था. ईरान के कट्टरपंथी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मई में हुए हेलीकॉप्टर हादसे में मृत्यु हो गई थी, जिस कारण देश में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराया गया.

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डी श्रीनिवास का निधन

हैदराबाद । कांग्रेस की आंध्र प्रदेश (अविभाजित) इकाई के पूर्व अध्यक्ष डी श्रीनिवास का शनिवार को यहां निधन हो गया. वह 76 वर्ष के थे. श्रीनिवास के पुत्र और निजामाबाद से सांसद डी अरविंद ने उनके निधन की सूचना दी. श्रीनिवास के पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेता पिछले कुछ दिन से बीमार थे. श्रीनिवास 2004 और 2009 के विस और आम चुनावों के दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे. वह पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस राजशेखर रेड्डी की कैबिनेट में मंत्री भी थे. वह कांग्रेस छोड़कर 2016 में बीआरएस में शामिल हो गए थे और 2016 से 2022 तक राज्यसभा सदस्य रहे थे तथा बाद में वह कांग्रेस में लौट आए थे.

बातचीत ओबामा प्रशासन के पूर्व अधिकारी वैन जोन्स ने बाइडेन के बारे में कहा

बाइडेन को राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से सम्मानजनक रूप से हटना चाहिए

एजेंसी। सिडनी

जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच इस सप्ताह की राष्ट्रपति बहस के समापन के कुछ ही मिनटों के भीतर, कई लोगों के लिए यह स्पष्ट हो गया कि 81 वर्षीय बाइडेन नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में जीत हासिल नहीं कर पाएंगे. 90 मिनट की बहस के दौरान स्पष्ट रूप से संवाद करने में उनकी असमर्थता के कारण पूरे अमेरिकी राजनीतिक हलकों, विशेष रूप से डेमोक्रेट के बीच, उनकी कड़ी आलोचना हुई. ओबामा प्रशासन के पूर्व अधिकारी और सीएनएन विश्लेषक वैन जोन्स ने बाइडेन के बारे में कहा, देश और जनता में विश्वास बहाल करने के लिए उन्हें आज रात एक परीक्षा से गुजरना था, और वह ऐसा करने में असफल रहे. हम अभी भी पार्टी सम्मेलन से दूर हैं. और इस पार्टी के लिए आगे बढ़ने का एक अलग रास्ता निकालने का समय आ गया है. बाइडेन ने ट्रम्प के विभिन्न व्यक्तिगत अविवेक और 6 जनवरी 2021 को यूएस कैपिटल पर विद्रोह को लेकर अपने पूर्ववर्ती पर कुछ वार किए, और एक बिंदु पर कहा, आप गली की एक बिल्ली जितने नैतिक हैं. लेकिन यह कई संशयवादियों को समझाने के लिए पर्याप्त नहीं था कि बाइडेन-ट्रम्प अभियान से लड़ने में सक्षम हैं, अमेरिकी कमांडर-इन-चीफ के कर्तव्यों को निभाने और अगले चार वर्षों तक दुनिया में सबसे कठिन काम करने का तो जिक्र ही नहीं किया गया. यदि सप्ताहांत के मतदान से पता चलता है कि बाइडेन अपने भयानक बहस प्रदर्शन के बाद समर्थन खो रहे हैं, जिसकी अत्यधिक संभावना है, तो डेमोक्रेट के उम्मीदवार के रूप में उनकी जगह लेने का कदम और भी तीव्र और अंततः, निर्विरोध हो जाएगा. अगले कुछ हफ़्तों में यह कैसा रहेगा?

बाइडेन अपने भाग्य पर नियंत्रण बनाए हुए हैं : अपनी पार्टी की तीखी आलोचना के बावजूद, बाइडेन अपने भाग्य पर नियंत्रण बनाए हुए हैं. उन्होंने इस साल की शुरुआत में डेमोक्रेटिक प्राथमिक प्रक्रिया में प्रतिज्ञा किए गए 99% प्रतिनिधियों को जीत लिया.

राष्ट्रपति जो बाइडेन

जिल बाइडेन के सहयोग की आवश्यकता होगी

ट्रम्प के साथ बहस के अगले दिन, उन्होंने उत्तरी कैरोलिना में एक अभियान कार्यक्रम में अपनी मुट्ठी हिलाई और जोर देकर कहा, जब आप हार जाते हैं, तो आप फिर से खड़े हो जाते हैं. बाइडेन को पद छोड़ने के लिए मनाने के लिए उनकी पत्नी, प्रथम महिला जिल बाइडेन के सहयोग की आवश्यकता होगी. डॉ. जिल, जैसा कि वह जानी जाती हैं, ने राष्ट्रपति के दैनिक जीवन और सार्वजनिक उपस्थिति के प्रबंधन में व्यावहारिक भूमिका निभाई है. डेमोक्रेटिक पार्टी के बहुत कम बुजुर्ग हैं जो बाइडेंस पर प्रभावशाली हो सकते हैं. यदि वे दोनों प्रथम महिला के पास जाते हैं और जबरदस्ती बाइडेन के उम्मीदवारी से हटने का आग्रह करते हैं, तो इसका विरोध करना बहुत मुश्किल हो सकता है. यदि बाइडेन अगस्त के मध्य में डेमोक्रेटिक सम्मेलन से पहले दौड़ से हट जाते हैं, तो उनके प्रतिनिधि कार्यक्रम में एक नए उम्मीदवार के लिए मतदान कर सकते हैं. संभावित उम्मीदवारों में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम, मिशिगन के गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर और पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो शामिल हैं.

केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई की मांग पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया. सुनवाई के दौरान सीबीआई ने केजरीवाल की 14 दिन न्यायिक हिरासत की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया. केजरीवाल को 12 जुलाई को दोपहर 2 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश किया जाएगा.

केजरीवाल की तीन दिन की हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद शनिवार को सीबीआई ने कोर्ट में पेश किया. विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा ने केजरीवाल को जेल भेजने की मांग करने वाली याचिका पर पहले फैसला सुरक्षित रखा और बाद में 14 दिन की न्यायिक हिरासत का आदेश सुनाया. कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीबीआई की रिमांड की मांग का विरोध करते हुए केजरीवाल के वकील ने जांच से संबंधित एकत्र की गई सामग्री को रिकॉर्ड पर रखने के लिए दायर आवेदन के आधार पर सीबीआई को निर्देश देने की मांग की. उनकी इस मांग पर जज ने कहा कि इस पहलू को कोर्ट पर छोड़ देना चाहिए. जांच के महत्वपूर्ण पहलू आरोपी को नहीं बताए जा सकते.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)